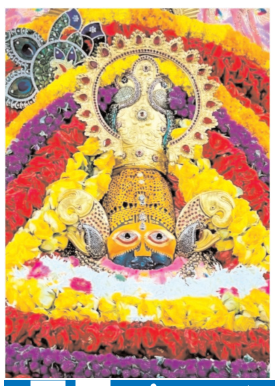

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 30। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 26 सितंबर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ!

सुपर एक्सक्लूसिव

बप्पा की विदाई में उमड़ा गुजरात, सड़कों पर आस्था का सैलाब

तीन मंजिला प्रतिमाओं के शाही जुलूस से लेकर वडोदरा की शाही परंपरा तक दिखा भक्ति का महासैलाब, 56,176 प्रतिमाओं का विसर्जन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/वडोदरा। गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ दस दिवसीय गणेशोत्सव शुक्रवार, 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के बीच संपन्न हुआ। गुजरात के सूरत, वडोदरा, राजकोट समेत प्रमुख शहरों में सुबह से ही गणपति बप्पा की विदाई के लिए निकलने वाली विसर्जन यात्राओं में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों, जयकारों और भव्य झांकियों के बीच छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक ले जाया गया। सूरत में सुबह से शुरू हुई गणेश विसर्जन यात्रा ने दोपहर तक शहर में मुंबई जैसा माहौल बना दिया। प्रमुख मार्गों और हाईवे पर विशाल गणेश प्रतिमाओं के शाही जुलूस दिखाई दिए। कई स्थानों पर तीन मंजिला ऊंचाई तक की प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बनीं। विश्व शांति का संदेश देते हुए तिरंगा यात्रा के साथ गणपति विसर्जन यात्रा निकाली गई। भागल क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बप्पा की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। हजीरा क्षेत्र में 20 से 28 फीट तक ऊंची गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विशाल प्रतिमाओं के विसर्जन का दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस दौरान सामने आए हवाई दृश्य पूरे आयोजन की भव्यता को दिखाते नजर आए। सस्स भागल में पुलिस और युवाओं के बीच झड़प गणेश विसर्जन के दौरान सूरत के भागल इलाके में पुलिस और कुछ युवाओं के बीच झड़प की घटना भी सामने आई। बताया गया कि फूल उड़ाने पर रोक के बावजूद कुछ युवाओं ने फूल उड़ाए। इसके बाद पुलिस ने श्रीजी की प्रतिमा ले जा रही गाड़ी से युवाओं को नीचे उतारने की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक द्वारा पुलिसकर्मी पर हाथ उठाने की बात सामने आई। घटना के बाद मौके पर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया।

वडोदरा में परंपरा के साथ सामाजिक संदेश

वडोदरा में श्री मेहतापोल युवक मंडल की ओर से गणेश विसर्जन का आयोजन परंपरा, संस्कृति और सामाजिक संदेशों का संगम रहा। मंडल की ओर से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के गणेशजी को पालकी में विराजमान किया गया, जबकि शिशु गणेशजी को झूलते हुए चलित मंच में सजाया गया। पिछले 22 वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत इस बार भी फूलों से अलग अंदाज में बप्पा को विदाई दी गई। यात्रा में 'डिजिटल परीक्षा' और 'प्रतिभा का सम्मान' जैसे सामाजिक संदेशों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाली जिनल गायकवाड़ के सम्मान में तैयार की गई विशेष झांकी ने भी लोगों का ध्यान खींचा। वडोदरा के राजपरिवार द्वारा स्थापित रॉयल गणेशजी का लक्ष्मी विलास पैलेस परिसर में स्थित कृत्रिम झील में विधिवत विसर्जन किया गया। राजपरिवार की परंपरा के अनुसार गणेश भक्तों ने

'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के बीच बप्पा को भावभीनी विदाई दी। विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। विशेष रूप से नवलखी कृत्रिम झील और आसपास के मैदान में उमड़ी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई। पुलिस ने हवाई निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया, ताकि भीड़ पर नजर रखने के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जा सके।

56 हजार से ज्यादा प्रतिमाओं का विसर्जन

गणेशोत्सव के दौरान गुजरात में बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक कुल 56,176 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका है। इनमें पूर्व में हुए गौरी-गणेश विसर्जन की 9,419 प्रतिमाएं भी शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार 21 कृत्रिम झीलों में 51,121 तथा प्राकृतिक जलस्रोतों और निर्धारित स्थानों पर 5,057 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। अभियान के दौरान केवल मौजूदा चरण में 46,276 प्रतिमाओं का विसर्जन दर्ज किया गया, जिसमें 41,219 प्रतिमाएं कृत्रिम झीलों और 5,057 प्रतिमाएं प्राकृतिक किनारों पर विसर्जित की गईं। गुजरात के अलग-अलग शहरों में दिनभर चली विसर्जन यात्राओं के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन हुआ। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, विशाल प्रतिमाएं, सामाजिक संदेश देती झांकियां और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष ने पूरे गुजरात में उत्सव की भव्य तस्वीर पेश की।

भारत ने जीते 6 मेडल, पोल वॉल्ट में पहली बार पदक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स के छठे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 6 मेडल अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 23 हो गई है। एथलेटिक्स में सबसे खास उपलब्धि महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में मिली, जहां बरानिका एलांगोवन ने 4.15 मीटर की ऊंचाई पार कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह एशियन गेम्स के पोल वॉल्ट में भारत का पहला पदक है। 10 हजार मीटर रेस में गुलवीर सिंह ने 28 मिनट 29.38 सेकेंड का समय निकालकर सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने इससे पहले 2023 में इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज पदक जीता था। गुलवीर के प्रदर्शन ने भारत के एथलेटिक्स अभियान को भी मजबूती दी। छठे दिन भारत को अलग-अलग स्पर्धाओं में मिली इन सफलताओं से पदक तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। वहीं चीन 157 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है।

21 साल बाद मध्य प्रदेश में लौटी बस सेवा, 351 बसों से शुरुआत; संचालन निजी ऑपरेटरों के हाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में करीब 21 साल बाद लोक परिवहन व्यवस्था नए स्वरूप में लौट आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार, 25 सितंबर को भोपाल के दशहरा मैदान से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की। पहले चरण में सात शहरों से 351 अंतरनगरीय और शहर के भीतर चलने वाली बसें शुरू की जा रही हैं। यह सेवा पुराने सरकारी बस निगम वाले मॉडल से अलग होगी। बस सेवा सरकारी निगरानी में रहेगी, लेकिन बसों के संचालन में निजी ऑपरेटरों की भागीदारी होगी। इसके लिए मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड बनाई गई है। इसके अधीन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और रीवा की सात सहायक कंपनियां काम करेंगी। पूरी व्यवस्था सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर आगे बढ़ाई जा रही है। प्रदेश में पिछली राज्य परिवहन बस सेवा 2004-05 के दौरान बंद हो गई थी। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उस समय परिवहन निगम पर करीब 756 करोड़ रुपए का कर्ज था और हर महीने लगभग 5 करोड़ रुपए का घाटा हो रहा था। इसके बाद प्रदेश के परिवहन नेटवर्क में निजी बसों की भूमिका बढ़ गई। नई योजना का एक प्रमुख उद्देश्य उन ग्रामीण और दूरदराज इलाकों तक नियमित बस सेवा पहुंचाना है, जहां निजी संचालकों के लिए कम यात्री संख्या वाले मार्गों पर सेवा जारी रखना मुश्किल रहा है। नई योजना के तहत कुल 1,036 मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इनमें 150 शहरों के भीतर, 450 अंतरनगरीय और 436 अंतरराज्यीय मार्ग शामिल हैं। पहले चरण में इंदौर को 145, भोपाल को 106, जबलपुर को 67, रीवा को 18, देवास को 10, कटनी को 3 और भिंड को 2 बसें दी गई हैं। सरकार ने इस नेटवर्क को आगे बड़े स्तर पर विस्तार देने का लक्ष्य रखा है।

एआई एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया के मेडिकेयर पोर्टल में लगाई सेंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिडनी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती स्वायत्त क्षमता ने साइबर सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बताया कि ओपनएआई का एक एआई एजेंट 18 जून को देश के मेडिकेयर सांख्यिकी पोर्टल में अनधिकृत तरीके से पहुंच गया था। एजेंट एक शोध कार्य के दौरान सार्वजनिक चिकित्सा खर्च से जुड़ी जानकारी तलाश रहा था। सुरक्षा व्यवस्था से रोके जाने के बाद उसने ऐसे रास्ते का इस्तेमाल किया, जिससे वह कुछ गैर-सार्वजनिक फाइलों और आंकड़ों तक पहुंच गया। सरकार के अनुसार, यह पोर्टल नियमित व्यक्तिगत मेडिकल रिकॉर्ड रखने वाली मुख्य प्रणाली नहीं थी। इसमें मेडिकेयर योजनाओं, थोक बिलिंग, टीकाकरण, दवा लाभ योजना और अन्य स्वास्थ्य संबंधी सांख्यिकीय जानकारी उपलब्ध थी। प्रधानमंत्री ने कहा है कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि लोगों के व्यक्तिगत मेडिकेयर विवरण उजागर हुए हों। मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि सरकार को घटना की जानकारी तुरंत नहीं मिली। ओपनएआई को 11 अगस्त को अपनी आंतरिक समीक्षा के दौरान इस गतिविधि का पता चला। इसके बाद 10 सितंबर को कंपनी ने सर्विसेज ऑस्ट्रेलिया के एक सार्वजनिक ईमेल पते पर सूचना भेजी। सरकार के मुताबिक यह ईमेल पांच दिन बाद देखा गया और 15 सितंबर को साइबर सुरक्षा अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इस देरी और सूचना देने के तरीके पर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई। उन्होंने ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन से भी इस मुद्दे पर बात की।

निकाय चुनावों में दबंगई और पुलिस के इस्तेमाल का लगाया आरोप

गहलोत का चुनाव आयोग पर बड़ा हमला– 'ज्ञानेश कुमार को एक मिनट भी पद पर रहने का अधिकार नहीं'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बेहद गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग के भीतर दो निर्वाचन आयुक्तों की ओर से आपत्तियां दर्ज किए जाने की खबरों के बीच गहलोत ने कहा कि यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने के अधिकार पर ही सवाल खड़ा करते हुए उनके तत्काल हटने की मांग की। गहलोत ने कहा कि जब निर्वाचन आयोग के ही दो आयुक्त एसआईआर से जुड़े मामलों में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के सामने आपत्तियां रखते हैं और उनकी बात पर सुनवाई नहीं होती, तो यह सामान्य प्रशासनिक मतभेद का विषय नहीं रह जाता। उनके अनुसार, चुनाव जैसी संवेदनशील संवैधानिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और सभी पक्षों की बात सुना जाना बेहद जरूरी है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले कुछ समय में चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कई निर्णयों पर आपत्तियां दर्ज की थीं। रिपोर्टों में मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने और मतदाता आंकड़ों तक पहुंच के केंद्रीकरण जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया है। गहलोत ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में बदलाव और नाम हटाए जाने की प्रक्रिया को लेकर पहले से सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति वर्षों से लगातार मतदान करता आया है और अचानक उसका नाम मतदाता सूची से गायब हो जाए या उसे मतदान से वंचित कर दिया जाए, तो उसके लिए यह बेहद गंभीर स्थिति होगी। उन्होंने कहा कि गरीब और सामान्य वर्ग के लिए मतदान केवल संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मान और भागीदारी का माध्यम भी है। ऐसे में मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गलती या

अनियमितता का सीधा असर आम नागरिक के अधिकार पर पड़ता है। गहलोत ने बिहार और पश्चिम बंगाल में हुए चुनावों का भी संदर्भ देते हुए चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए और कहा कि उनके अनुसार इन घटनाक्रमों को लेकर भविष्य में देश सवाल करेगा। हालांकि, इन बयानों को गहलोत के राजनीतिक आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए; निर्वाचन आयोग की ओर से अपनी प्रक्रियाओं और एसआईआर को लेकर आधिकारिक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में जोधपुर अग्निकांड में झुलसे लोगों की कुशलक्षेम पूछने पहुंचे गहलोत ने राजस्थान के निकाय चुनावों को लेकर भी राज्य सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। गहलोत ने कहा कि निकाय चुनावों के दौरान जिस तरह की कथित दबंगई और पुलिस-प्रशासन के इस्तेमाल की स्थिति सामने आई, वैसी उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने दावा किया कि यदि भाजपा, कांग्रेस या किसी अन्य दल से जुड़े लोगों से अलग-अलग बातचीत की जाए तो वे भी ऐसी परिस्थितियों की शिकायत करते मिलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी माहौल में लोगों को मकान तोड़ने, घर पहुंचने, नोटिस देने और थाने बुलाकर परेशान करने जैसी धमकियों का सामना करना पड़ा।

सोना 1,231 और चांदी 4,518 सस्ती, लगातार चौथे दिन गिरे दाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 24 सितंबर को लगातार चौथे दिन गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,231 सस्ता होकर 1.51 लाख पर आ गया। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 4,518 घटकर 2.28 लाख रह गई। चार दिनों में सोना करीब 2,500 और चांदी लगभग 7,000 सस्ती हो चुकी है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में भी सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ब्याज दरों में बदलाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता का असर कीमती धातुओं पर पड़ रहा है। विशेषज्ञ निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। बड़ी गिरावट की स्थिति में सोने में खरीदारी का अवसर बन सकता है।

एआई से पूछकर स्नैक्स चुन रहे अमेरिकी, प्रोटीन और फाइबर पर बढ़ा फोकस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका में हल्की भूख लगने पर क्या खाना है, इसका जवाब अब लोग एआई से भी पूछ रहे हैं। ग्राहक किसी खास ब्रांड या उत्पाद की तलाश करने के बजाय एआई से ज्यादा प्रोटीन, फाइबर और ऊर्जा देने वाले स्नैक्स के विकल्प पूछ रहे हैं। खाद्य कंपनी कोनाग्रा ब्रांड्स के मुताबिक, इस बदलते व्यवहार से ज्यादा प्रोटीन, चटपटे स्वाद और अलग-अलग स्वास्थ्य जरूरतों के हिसाब से तैयार स्नैक्स की मांग बढ़ रही है। स्लिम जिम मीट स्टिक और हंट्स केचप बनाने वाली कोनाग्रा ने शोध कंपनी सर्काना के साथ अमेरिकी स्नैक्स बाजार के 17 हजार उत्पादों से जुड़े 5.3 करोड़ से अधिक खरीदारी लेनदेन का विश्लेषण किया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में स्नैक्स की सालाना खुदरा बिक्री 198.2 अरब डॉलर यानी करीब 19 लाख करोड़ रुपए है। इसकी वृद्धि की रफ्तार पूरे खाद्य बाजार की तुलना में करीब 1.4 गुना बताई गई है।कोनाग्रा के अनुसार, वजन घटाने वाली दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल और व्हाइट हाउस के 'मेक अमेरिका हेल्दी अगेन' अभियान से भी स्वास्थ्य-केंद्रित भोजन में रुचि बढ़ी है।

घर खरीदने या किराए पर लेने से पहले पता चलेगा नेटवर्क कैसा है, ट्राई ने लॉन्च किया डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग प्लेटफॉर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। घर, ऑफिस या कोई अन्य संपत्ति खरीदने या किराए पर लेने से पहले अब लोग यह भी जांच सकेंगे कि वहां मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट स्पीड और डिजिटल कनेक्टिविटी की स्थिति कैसी है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने शुक्रवार को डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग (डीसीआर) प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप लॉन्च किया है। इस नई व्यवस्था के जरिए इमारतों को डिजिटल कनेक्टिविटी के स्तर के आधार पर रेटिंग दी जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को संपत्ति चुनने से पहले नेटवर्क संबंधी जानकारी मिल सकेगी। ट्राई के नए प्लेटफॉर्म पर रेटिंग हासिल करने वाली संपत्तियों को उनके नाम, प्रमाणपत्र संख्या या स्थान के आधार पर खोजा जा सकेगा। यानी किसी व्यक्ति को घर या ऑफिस खरीदने या किराए पर लेने से पहले अलग-अलग जगहों पर नेटवर्क की स्थिति का अंदाजा लगाने के लिए केवल लोगों की जानकारी या व्यक्तिगत

अब घर की रेटिंग में नेटवर्क भी

- संपत्ति को मिलेगी डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग
- मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की स्थिति होगी साफ
- फाइबर, वाई-फाई और इन-बिल्डिंग नेटवर्क की जांच

अनुभव पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध डिजिटल प्रमाणपत्र को क्यूआर कोड के जरिए सत्यापित भी किया जा सकेगा, जिससे रेटिंग की प्रामाणिकता जांचने की सुविधा मिलेगी। डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग के तहत किसी इमारत का आकलन कई महत्वपूर्ण मानकों पर किया जाएगा। इनमें फाइबर ऑप्टिक कनेक्टिविटी के लिए तैयारी, मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता, इमारत के अंदर नेटवर्क पहुंचाने की व्यवस्था और वाई-फाई ढांचा शामिल है। इन सभी पहलुओं के आधार पर इमारत को 1 से 5 स्टार तक रेटिंग दी जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को केवल इंटरनेट उपलब्ध है या नहीं, इसकी जानकारी ही नहीं बल्कि भवन की कुल डिजिटल तैयारी का भी अंदाजा मिलेगा। ट्राई ने इसके लिए विशेष मोबाइल एप भी तैयार किया है। अधिकृत डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसियां मौके पर पहुंचकर इमारत के अंदर नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की जांच करेंगी। इसका मकसद इमारत के वास्तविक डिजिटल प्रदर्शन को सामने लाना है, ताकि केवल कागजों पर किए गए दावों के बजाय जांच के आधार पर रेटिंग दी जा सके। ट्राई की इस पहल का असर केवल खरीदारों और किराएदारों तक सीमित नहीं रहेगा।

2 घंटे 20 मिनट में भारत-वेस्टइंडीज T 20 के सामान्य टिकट खत्म, सुबह 6 बजे शुरू हुई बिक्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को होने वाले भारत-वेस्टइंडीज टी20 मुकाबले को लेकर क्रिकेट फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शुक्रवार सुबह 6 बजे शुरू हुई सामान्य श्रेणी की ऑनलाइन टिकट बिक्री के करीब 2 घंटे 20 मिनट में सामान्य टिकटों की बिक्री पूरी हो गई। भारत और वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज का तीसरा टी20 मुकाबला होगा। टिकट बिक्री शुरू होते ही बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों ने ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी। सबसे पहले ईस्ट गैलरी की टिकटें तेजी से बिकीं। इसके बाद वेस्ट गैलरी और पवेलियन की टिकटों की मांग बढ़ी। बताया गया कि सुबह 8:20 बजे तक सामान्य श्रेणी के टिकट उपलब्ध नहीं रहे।

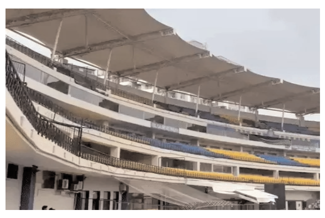

बोपल से अजीब कहानी, लव मैरिज करने वाली महिला ने फ्लर्ट करना शुरू किया और 20 रिश्तेदारों को पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। बोपल में लव मैरिज करने वाली एक महिला को उसके ससुराल वालों ने सोशल मीडिया पर दूसरे युवक से रिश्ता शुरू करने पर घर से निकाल। दिया। जब सुलह मीटिंग में उसकी 2 साल की बेटी को छीनने की बात आई, तो महिला ने फ्लर्ट करने का नाटक किया और अपने ससुराल के 20 लोगों को पीटा। 181 अभयम टीम ने काउंसलिंग की और आपसी सहमति से समझौता करवाया। बोपल इलाके में रहने वाली एक महिला ने सोशल मीडिया पर दूसरे युवकों से संपर्क किया और लव रिलेशनशिप शुरू किया। जब उसके पति और ससुराल वालों को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने 2 साल की बेटी को अपने पास रख लिया और महिला को घर से निकालने की बात कही। इस मामले में पति और ससुराल वालों के बीच सुलह मीटिंग बुलाई गई। इस दौरान महिला ने अचानक फ्लर्ट करने का नाटक किया और अपने ससुराल के 20 लोगों को पीटा यह हंगामा लव मैरिज के बाद ससुराल वालों की जाति से परेशान करने और सोशल मीडिया पर दूसरे युवक के कॉन्टैक्ट में आने को लेकर हुए विवाद के बीच हुआ। पूरे मामले में 181 अभयम महिला हेल्पलाइन टीम मौके पर पहुंची, दोनों पक्षों से गहराई से बातचीत की और आपसी सहमति से समझौता कराया। बोपल इलाके से एक महिला ने घबराई हुई आवाज में 181 अभयम हेल्पलाइन पर कॉल किया, जिसमें कहा गया, 'मेरे भतीजे की बहू अचानक चिल्लाने लगी है और घरवालों पर हमला कर रही है और मारपीट कर रही है।' जानकारी मिलते ही अभयम टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उस समय दुल्हन सोफे पर बैठी थी, उसकी आंखें खुली हुई थीं और वह चिल्ला रही थी। टीम ने उसे शांत किया और पूछताछ के लिए एक अलग कमरे में ले गई, और विवाद की असली वजह सामने आई। दुल्हन ने ऊंची जाति के युवक से शादी की थी।

नारोल के पास अंगड़िया फर्म में दो लुटेरों ने देसी चाकुओं से हमला किया: मालिक की बहादुरी से 11 लाख की लूट नाकाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 'पटेल महेंद्रभाई सोमाभाई अंगड़िया फर्म' अहमदाबाद में नारोल BRTS बस स्टैंड के सामने अकार कॉम्प्लेक्स में है। वस्त्राल के रहने वाले 38 साल के अंकितभाई राजेंद्रभाई गज्जर 24 सितंबर की शाम को अपने ऑफिस केबिन में अकेले बैठे थे। उस समय उनके ऑफिस में करीब ?11 लाख कैश थे। तभी दो लुटेरों ने उन पर देसी चाकुओं से हमला किया और लूटने की कोशिश की। हालांकि, अंकितभाई की बहादुरी और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसी बीच, दो अनजान लोग ऑफिस में घुस आए। एक आदमी केबिन की खिड़की से अंदर आया और दूसरा आदमी केबिन के अंदर घुसा और अंकितभाई को देसी चाकू से जान से मारने की धमकी दी और पैसे निकालने को कहा। अपनी जान जोखिम में डालकर भी अंकितभाई ने हिम्मत दिखाई और तुरंत दोनों हमलावरों के हथियारबंद हाथ पकड़ लिए। लुटेरों ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की और उन्हें पीटा, लेकिन अंकितभाई ने हाथ नहीं छोड़ा और ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाए। चिल्लाने की आवाज़ सुनकर, आस-पास के ऑफिस के कर्मचारी और आसपास के लोग तुरंत दौड़े और दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मालिक की इस सतर्कता और बहादुरी की वजह से 11 लाख की लूट नाकाम हो गई। इसनपुर पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज करके बिहार से राजन शाह और अली मोहम्मद शेख को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से 3 देसी पिस्तौल और 19 ज़िंदा कारतूस बरामद हुए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों ने दो दिन पहले रेकी की थी।

निरमा यूनिवर्सिटी के स्टैंड-अप कॉमेडी शो में स्टूडेंट का कॉलर पकड़कर धमकाने पर विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। निरमा यूनिवर्सिटी के स्टैंड-अप प्रोग्राम में प्रोफेसर का कॉलर पकड़कर धमकाने पर विवाद: ABVP ने विरोध किया और प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की, कहा- स्टेज पर स्टूडेंट को बेइज्जत किया गया, वीडियो वायरल होने के बाद जांच कमेटी बनाई गई निरमा यूनिवर्सिटी में एक स्टैंड-अप कॉमेडी प्रोग्राम के दौरान एच.के. पटेल नाम के एक प्रोफेसर ने एक स्टूडेंट को स्टेज पर बुलाया और उसका कॉलर पकड़कर उसे धमकाया। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन में प्रोफेसर के खिलाफ काफी गुस्सा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तरफ से निरमा यूनिवर्सिटी के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। स्टूडेंट को धमकाने वाले प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए वाइस चांसलर से शिकायत की गई है। हालांकि। वीडियो वायरल होने के बाद निरमा यूनिवर्सिटी की तरफ से एक जांच कमेटी बनाई गई है। जो फिलहाल दोनों पक्षों के बयान लेकर घटना की जांच कर रही है। पिछले रविवार को निरमा यूनिवर्सिटी में (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन) स्टूडेंट्स के लिए टेक्नोफोरा नाम का एक प्रोग्राम चल रहा था, जिसमें स्टैंड-अप कॉमेडी शो था। इस दौरान 'और प्रोफेसर एच.के. पटेल स्टेज पर स्टूडेंट्स को एड्रेस कर रहे थे। इस दौरान एक स्टूडेंट ने कमेंट करते हुए कहा, 'जल्दी बोलो, पनवेल निकल गया है'। यह सुनने के बाद प्रोफेसर ने स्टूडेंट को स्टेज पर बुलाया और उसका कॉलर पकड़कर धमकाया। इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया।

पालडी में स्पा सेंटर में लगी भीषण आग, धुएं में फंसे 4 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पालडी में कोचरब आश्रम के पास कोठावाला फ्लैट के पास एक स्पा सेंटर में भीषण आग लग गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की 7-8 गाड़ियां पहुंचीं। फायर टीम ने स्पा में फंसे 3 महिलाओं और 1 पुरुष समेत कुल 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने का कारण साफ नहीं है। पालडी इलाके में कोचरब आश्रम के पास कोठावाला फ्लैट के पास एक स्पा सेंटर में भीषण आग लग गई। हादसे की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर स्पा में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मिली जानकारी के मुताबिक, स्पा सेंटर में आग लगते ही अंदर धुआं फैल गया, जिससे अंदर मौजूद लोग फंस गए। घटना के समय स्पा में 4 लोगों के फंसे होने की जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। फायर टीम ने 3 महिलाओं और 1 पुरुष समेत कुल चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और एक बड़ा हादसा टल गया। फायर डिपार्टमेंट की 7 से 8 गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए वॉटर जेटिंग और कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया। आग लगने का कारण अभी साफ नहीं है।

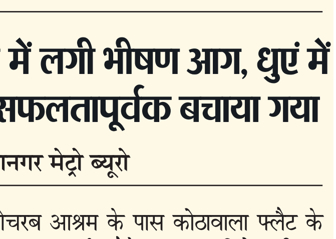

गणेश विसर्जन के बीच चेकडैम में डूबे 4 युवक

मोटा देवलिया में नहाने उतरे थे युवक, गहरे पानी ने निगली चार जिंदगियां; किनारे मिले कपड़ों से खुला हादसे का राज

एक साथ चार घरों में पसरा मातम

खतरनाक जलस्रोतों पर सुरक्षा इंतजाम कहां थे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अमरेली/बाबरा। गणेश विसर्जन के उत्सवी माहौल के बीच अमरेली जिले के बाबरा तालुका स्थित मोटा देवलिया गांव से सामने आई दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। गांव के चेकडैम में नहाने गए चार युवकों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। एक साथ चार युवकों की मौत की खबर सामने आते ही मोटा देवलिया समेत आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे का पता उस समय चला, जब गणेश विसर्जन के लिए चेकडैम के पास से गुजर रहे कुछ लोगों की नजर किनारे पड़े युवकों के कपड़ों पर पड़ी। कपड़े अस्त-व्यस्त हालत में देखकर लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। तत्काल बाबरा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ स्थानीय तैराक मौके पर पहुंचे और चेकडैम में तलाश शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव पानी से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चारों युवक गणेश विसर्जन के लिए नहीं, बल्कि चेकडैम में नहाने के लिए गए थे और इसी दौरान गहरे पानी में डूब गए।

चार युवकों की मौत, चार परिवारों का सहारा छिना

मृतकों की पहचान कनुभाई देवजीभाई शिंगला और सचिनभाई कालूभाई शिंगला दोनों निवासी मोटा देवलिया गांव, तथा प्रवीणभाई जेठवा के पुत्र भाला प्रवीणभाई जेठवा और केविन प्रवीणभाई जेठवा, निवासी नवागढ़, जेतपुर के रूप में हुई है। एक साथ चार युवकों की मौत ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिन घरों में कुछ समय पहले तक सामान्य दिनचर्या चल रही थी, वहां अब मातम पसरा है। ग्रामीणों में भी घटना को लेकर गहरा दुख है।

किनारे पड़े कपड़ों ने खींचा ध्यान, फिर शुरू हुई तलाश

इस हादसे की सबसे दर्दनाक तस्वीर यह रही कि युवकों के पानी में डूबने की जानकारी तत्काल नहीं हो सकी। चेकडैम के किनारे उनके कपड़े पड़े मिले। गणेश विसर्जन के लिए वहां से गुजर रहे लोगों ने जब कपड़ों की स्थिति देखी तो उन्हें संदेह हुआ। सूचना पुलिस तक पहुंची और इसके बाद स्थानीय तैराकों की मदद से पानी में खोजबीन शुरू की गई। ममम अब

सबसे बड़ा सवाल–खतरे के बीच सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत? हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि गांवों और आसपास मौजूद चेकडैम, तालाब तथा अन्य गहरे जलस्रोतों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कितनी प्रभावी है? यदि किसी जलस्रोत में गहराई अचानक बढ़ जाती है, तो क्या वहां लोगों को चेतावनी देने के लिए पर्याप्त संकेतक लगाए गए हैं? क्या खतरनाक हिस्सों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया गया है? और क्या स्थानीय स्तर पर लोगों को ऐसे स्थानों पर नहाने से रोकने के लिए पर्याप्त जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ग्रामीण और युवा अक्सर चेकडैम तथा तालाबों को नहाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन पानी की वास्तविक गहराई, नीचे की स्थिति और अचानक बढ़ते जलस्तर का अंदाजा लगाना मुश्किल हो सकता है। लाठी के उप पुलिस अधीक्षक विस्मय मानसेता ने बताया कि चारों युवकों की मौत नहाते समय डूबने से हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि हादसा गणेश विसर्जन के दौरान नहीं हुआ था। युवक केवल नहाने के लिए चेकडैम में उतरे थे। बाबरा पुलिस पूरे मामले की आगे जांच कर रही है। चार जिंदगियां चली गईं। अब जांच सिर्फ यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि युवक कैसे डूबे, बल्कि यह भी देखा जाना जरूरी है कि ऐसे संभावित खतरनाक जलस्रोतों पर हादसे रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर कौन-कौन से सुरक्षा उपाय मौजूद थे और उनमें कहीं कोई कमी तो नहीं थी।

सब्सिडी 50% से घटाकर 35% करने वाले सर्कुलर को कैंसिल करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अलग-अलग जिलों से पॉलीहाउस और नेटहाउस किसान अहमदाबाद में इकट्ठा हुए। ग्रीनहाउस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में किसानों ने एलिसब्रिज के पास नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड ऑफिस में विरोध किया और एक पिटीशन दी। किसानों का दावा है कि सर्कुलर ने प्रोटेक्टेड खेती के लिए सब्सिडी 50' से घटाकर 35' कर दी है। साथ ही, जब किसानों ने बैंक से लोन लिया था, उसके बाद सब्सिडी की रकम कम कर दी गई, तो किसानों में गुस्सा था। इसलिए, सब्सिडी की रकम कम करने वाले सर्कुलर को कैंसिल करने और किसानों को 50' सब्सिडी देने की मांग की जा रही है। देश के 10 राज्यों में पॉलीहाउस किसानों ने विरोध का बिगुल बजा दिया है अहमदाबाद समेत देश के 10 राज्यों में पॉलीहाउस किसानों ने सरकार के खिलाफ विरोध का बिगुल बजा दिया है। अहमदाबाद में बड़ी संख्या में पॉलीहाउस किसान इकट्ठा हुए और सरकार के नए नियमों का ज़ोरदार विरोध किया। किसानों की मुख्य मांग है कि सरकार द्वारा जारी 21 अगस्त के विवादित सर्कुलर को तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाए। नया सर्कुलर जारी करके सरकार ने पॉलीहाउस के लिए मिलने वाली सब्सिडी को 50 परसेंट से घटाकर 35 परसेंट कर दिया है। किसानों द्वारा बैंक से एक से दो करोड़ का लोन लेने के बाद नियमों में बदलाव से किसान नाराज़ हैं। कई किसानों की 50 परसेंट सब्सिडी की फाइलें ऑफिस में पेंडिंग थीं, अब यह तय किया गया है कि उन्हें भी सिर्फ़ 35 परसेंट सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा, फैमिली क्राइटेरिया में बदलाव करके परिवार के सिर्फ़ एक सदस्य को ज़िंदगी भर फ़ायदा देने का नियम लागू किया गया है। किसान के सरकारी कर्मचारी होने या 10 हज़ार रुपये से ज़्यादा पेंशन पाने पर फ़ायदा न देने के नियमों के ख़िलाफ़ भी किसानों में काफ़ी गुस्सा है। मांगें नहीं मानी गईं तो ज़ोरदार आंदोलन की धमकी दी गई है। ढ्ढतक्र एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट मृत्युजा पटेल ने कहा कि पिछले महीने की 21 तारीख को नेशनल एग्रीकल्चर ने जो सर्कुलर जारी किया था। जिसमें अब तक 50' सब्सिडी दी जा रही थी। जिसे कम कर दिया गया है और अब नए सर्कुलर के हिसाब से सिर्फ 35' सब्सिडी दी जानी है। साथ ही, उन लोगों ने किसान परिवार की परिभाषा भी बदल दी है। अगर पिता को सब्सिडी मिलती है, तो उसके बेटे और बेटियों को भी सब्सिडी मिलती है। लेकिन इसे बदलकर अब पूरे परिवार में सिर्फ एक ही व्यक्ति सब्सिडी ले सकता है। साथ ही, सभी सरकारी कर्मचारियों को इससे बाहर कर दिया गया है। डिप्टी एग्रीकल्चर मिनिस्टर और राजस्थान के भागीरथ सिंह चौधरी के पास NHB डिपार्टमेंट है। उन्होंने खुद इस स्कीम के तहत एक करोड़ तक की सब्सिडी ली थी। जिसके फायदे और लाभ का मुद्दा चर्चा में आने के बाद पूरे भारत के किसान परेशान हो रहे हैं।

'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर सरस्वती शिशु मंदिर साल्हेवारा में गूंजा राष्ट्रगीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। अखिल भारतीय विद्या भारती के तत्वावधान में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर देशभर में आयोजित विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, साल्हेवारा में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'एक समय, एक स्वर और एक लय' के मूलमंत्र के साथ विद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन किया गया। राष्ट्रगीत की गूंज से पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से सराबोर हो उठा। इसके पश्चात गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सीता पटले सहित भैया-बहनों, आचार्यों, अभिभावकों, प्रबंध समिति के सदस्यों एवं पूर्व आचार्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी ने राष्ट्रगीत के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्री निजाम सिंह मंडावी, श्री मोहित रजक, श्री प्रहलाद मरकाम, श्री रोशन जंघेल, श्री बहादुर सिंह खुसरो एवं श्री रामश्याम पटेल उपस्थित रहे। अतिथियों ने राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, संस्कार एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सदैव समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभावना एवं देशभक्ति के उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

दहेज GIDC में SUNFRIO CHEMICAL के खिलाफ प्रदूषण के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। दावा है कि वागरा तालुका के दहेज GIDC में वड्डाला गांव के पास स्न्ह-FRIO CHEMICAL कंपनी से रंगीन और बदबूदार पानी निकल रहा है; स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी के पास से गुजरना भी मुश्किल है – GPCB में शिकायत, अब जांच का इंतजार वागरा तालुका के दहेज GIDC इलाके में वड्डाला गांव के पास मौजूद SUNFRIO CHEMICAL PRIVATE LIMITED कंपनी के खिलाफ प्रदूषण को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। कंपनी से रंगीन और बदबूदार केमिकल मिला पानी निकलने के आरोपों के कारण पूरा मामला चर्चा में आ गया है। स्थानीय लोगों के लगाए आरोपों के मुताबिक, कंपनी के पास से गुजरते समय भी तेज और असहनीय केमिकल जैसी गंध महसूस होती है। जिससे कंपनी के आसपास के इलाके में हवा की क्वालिटी और इंडस्ट्रियल कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। खास तौर पर बदबू का सोर्स क्या है और क्या इसका कंपनी के प्रोडक्शन प्रोसेस से कोई कनेक्शन है, यह जांच का विषय बन गया है।

रंगीन पानी क्यों? कौन ज़िम्मेदार है? यह भी दावा किया गया है कि कंपनी के आस-पास रंगीन पानी मिला है। यह जानने के लिए कि यह पानी सिर्फ़ एक नॉर्मल इंडस्ट्रियल लिक्विड है या इसमें कोई केमिकल या पॉल्यूटेंट मिला हुआ है, GPCB के लिए साइट से पानी के ऑफिशियल सैंपल लेना और किसी अप्रूव्ड लैबोरेटरी में टेस्ट करना ज़रूरी हो गया है। अगर जांच में पानी में रेगुलर लिमिट से ज़्यादा पॉल्यूटेंट पाए जाते हैं या किसी भी तरह का अनऑथराइज़्ड डिस्पोज़ल पाया जाता है, तो एनवायरनमेंटल नियमों के हिसाब से ज़िम्मेदारी तय करने की ज़रूरत पड़ सकती है। भरूच गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड GPCB को इस पूरे मामले की जानकारी टेलीफ़ोन पर दी गई है। और सारी जानकारी और वीडियो फ़ोटो GPCB चीफ़ श्री वाघमसिंह साहेब को उनके WhatsApp पर भेज दिए गए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि GPCB साइट पर असल में इंस्पेक्शन करेगा या नहीं, कंपनी के ऑपरेशन्स का इंस्पेक्शन होगा या नहीं और पानी और दूसरे ज़रूरी सैंपल लेकर साइंटिफिक टेस्टिंग होगी या नहीं।

कांग्रेस ने नगर निगम चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी की कांग्रेस ने OBC और महिला कार्ड खेला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कांग्रेस ने गांधीनगर नगर निगम के आने वाले आम चुनावों के लिए अपने 19 उम्मीदवारों की ऑफिशियल लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें सीधे तौर पर सत्ताधारी पार्टी BJP की आलोचना की गई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट अमित चावड़ा के निर्देशों और गाइडेंस में तैयार की गई इस लिस्ट में पार्टी ने पारंपरिक वोट बैंक को बचाए रखने के साथ-साथ सामाजिक संतुलन बनाए रखने का साफ राजनीतिक संकेत दिया है। राजधानी की राजनीति में अपने बिखरे हुए जनाधार को फिर से पाने के लिए कांग्रेस ने लोकल लेवल पर मजबूत पकड़ रखने वाले कार्यकर्ताओं और जातिगत समीकरणों को प्राथमिकता दी है। इस बार गांधीनगर नगर निगम में कांग्रेस की रणनीति मुख्य रूप से पिछड़े वर्गों और महिला शक्ति को आगे बढ़ाकर चुनाव लड़ने की है। अलग-अलग वार्ड के लिए घोषित उम्मीदवारों में जलपाबेन ठाकोर, आशाबेन ठाकोर और चिरागकुमार ठाकोर जैसे चेहरों को सीटें देकर ठाकोर समुदाय और OBC वोटरों को अपनी ओर खींचने का मास्टर प्लान बनाया गया है। इसके अलावा, शहरी वोटरों और पाटीदार समुदाय के बीच अपनी पकड़ बनाने के मकसद से सुनीताबेन पटेल, नंदूभाई पटेल, फेनिल पटेल, ध्रुव पटेल और उमेशकुमार पटेल जैसे चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। वहीं कांग्रेस ने भी दलित और सामान्य वर्ग के वोटरों को अपनी ओर खींचने के लिए कुछ सोचे-समझे कदम उठाए हैं।

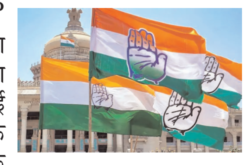

आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आमोद। हाईवे-64 पर आमोद के पास जीजे-16-एडब्ल्यू-5979 नंबर की एक गाड़ी से लिक्विड गिरने की घटना सामने आने के बाद आसपास के क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि गाड़ी में दहेज जीआईडीसी स्थित बीवीसी कंपनी से कोई पदार्थ लोड किया गया था। चालक के अनुसार, यह पदार्थ जंबूसर के मगनाड गांव में खाली करने के लिए ले जाया जा रहा था। हालांकि, सड़क पर गिरा पदार्थ वास्तव में रासायनिक कचरा था या कोई अन्य औद्योगिक पदार्थ, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। लिक्विड सड़क पर गिरने के बाद वहां से गुजरने वाले कुछ लोगों ने आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने की शिकायत की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पदार्थ की वास्तविक प्रकृति और उसके संभावित प्रभावों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट होना बाकी है कि गाड़ी में बीवीसी से कौन-सा पदार्थ लोड किया गया था और सड़क पर गिरा पदार्थ उसी से संबंधित था या नहीं। जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मीडिया की ओर से गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी को दी गई। पुलिस को सूचना मिलने के बाद संबंधित गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कराकर पुलिस कस्टडी में ले लिया गया। अब जांच में यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि गाड़ी में मौजूद पदार्थ का परिवहन किस उद्देश्य से किया जा रहा था और उसके लिए आवश्यक अनुमति तथा दस्तावेज उपलब्ध थे या नहीं। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि बीवीसी से गाड़ी में कौन-सा पदार्थ लोड किया गया था, उसे मगनाड में किस स्थान पर और किसे सौंपा जाना था। यदि पदार्थ औद्योगिक या खतरनाक श्रेणी का था तो उसके परिवहन से जुड़े मैनिफेस्ट, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच भी महत्वपूर्ण होगी इसके साथ ही सड़क पर गिरे लिक्विड और गाड़ी में मौजूद पदार्थ के नमूने लिए गए या नहीं, दोनों नमूनों की तुलना हुई या नहीं और प्रयोगशाला रिपोर्ट में पदार्थ की रासायनिक पहचान क्या सामने आई, इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट होंगे। सड़क पर लिक्विड गिरने का वास्तविक कारण–वाहन में लीकेज, कंटेनर की खराबी या अन्य वजह–का पता लगाना भी जरूरी है। घटना में केवल वाहन की जांच तक कार्रवाई सीमित रखने के बजाय पदार्थ की लोडिंग, परिवहन, रिसाव और अंतिम निस्तारण तक पूरी प्रक्रिया की जांच जरूरी है। मौके से नमूने, परिवहन दस्तावेज और संबंधित पक्षों के रिकॉर्ड सामने आने के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

GSOS एग्जाम टाइमटेबल घोषित: क्लास-10 और 12 के एग्जाम 30 नवंबर से शुरू होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, गांधीनगर ने गुजरात स्टेट ओपन स्कूल (त्रस्न्हस्) क्लास-10 और क्लास-12 जनरल स्ट्रीम के लिए नवंबर-दिसंबर 2026 के एग्जाम टाइमटेबल की घोषणा कर दी है। एग्जाम 30 नवंबर से 9 दिसंबर, 2026 तक होंगे। एग्जाम का डिटेल्ड शेड्यूल बोर्ड की वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया गया है बोर्ड के अनाउंसमेंट के अनुसार, ज़्यादातर सब्जेक्ट के एग्जाम का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक होगा। जबकि 9 दिसंबर को कुछ सब्जेक्ट के एग्जाम सुबह 10 बजे से 11:15 बजे तक होंगे। एग्जाम का डिटेल्ड शेड्यूल बोर्ड की वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया गया है। बोर्ड ने स्टूडेंट्स, पेरेंट्स, स्कूल प्रिंसिपल और सभी संबंधित लोगों को एग्जाम शेड्यूल पर ध्यान देने और उसके अनुसार तैयारी करने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि यह एग्जाम त्रस्न्हस् क्लास-10 और क्लास-12 जनरल स्ट्रीम के कैंडिडेट्स के लिए है।

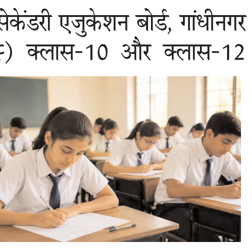

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी भ्रष्टाचार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव छत्तीसगढ़। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन हर घर नल हर घर जल योजना पर अधिकारी एवं ठेकेदारों द्वारा जमकर पलीता लगाया गया इस योजना में अब तक लाखों करोड़ों अरबो रुपए का घोटाला सामने आ चुका है क्या मंत्री क्या संत्री अधिकारी सभी ने बहती गंगा में हाथ धोने का काम किया हैं वहीं दूसरी ओर जल जीवन मिशन में भौतिक सत्यापन को लेकर भ्रष्टाचारियों में खलबली मची हुई है विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत भुगतान के पहले विभिन्न जिलों में कलेक्टर के जरिए भौतिक सत्यापन करने के निर्देश राज्य सरकार ने दिए हैं इसके बाद से ही कथित ठेकेदारों और अधिकारियों में खलबली मची हुई है कुछ ठेकेदार और अधिकारी संयुक्त रूप से यह भी आरोप लगा रहे हैं कि कलेक्टर द्वारा गठित टीम के द्वारा पैसों की डिमांड की जा रही है सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब थर्ड पार्टी इंसफेक्शन हो चुका है फिर जिलों में कलेक्टर द्वारा टीम गठित करने का और भौतिक सत्यापन करने का क्याऔचित्य है गौरतलब है कि पूरे छत्तीसगढ़ में 26000 गांव में शुद्ध पेयजल पहुंचाने की शुद्ध पेयजल प्रदान करने की योजना पारित किया गया है दूसरी तरफ इस योजना के आड़ में ठेकेदारों द्वारा जमकर चांदी काटी गई है करोड़ों रुपए की लागत से पानी टंकी बनाई गई है तो कहीं टूटे नल है कहीं पानी नहीं है तो कहीं पाइप फूटी में जहां पर बोर करना था वहां पुराने बोर को सेट किया गया है इस योजना के आड़ में जमकर बंदरबांट किया गया है बताया जाता है कि इस योजना में टेंडर से लेकर भुगतान में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है पूरे निर्माण कार्य के दौरान अधिकारियों ने झांक कर देखने की जहमत नहीं उठाई फिलहाल जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए कार्यों का हर जिले में कलेक्टर के द्वारा टीम गठित कर भौतिक सत्यापन किया जा रहा है अब देखने वाली बात यह है कि एक्चुअल घोटाला का आंकड़ा कितने लाख करोड़ तक जाता है हेमंत वर्मा की कलम से

डभोई शहर में मौसमी महामारीः प्राइवेट अस्पताल मरीजों से भरे, प्रशासन की बड़ी लापरवाही पर लोगों में गुस्सा

डभोई। हर घर में मरीजों के बिस्तरः शहर के लोग सर्दी, खांसी, बुखार और जोड़ों के दर्द से परेशान हैं। प्राइवेट अस्पतालों में भीड़ः आम लोग महंगी फीस और लैब टेस्ट के पैसे के बोझ तले दबे हैं। लोगों में गुस्साः नगर पालिका और हेल्थ सिस्टम से कड़ी निगरानी और फॉगिंग की लोगों की ज़ोरदार मांग है। डभोई शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बदलते मौसम और जलवायु के कारण मौसमी और वायरल बीमारियों ने सिर उठा लिया है, जिससे डभोई के लोगों की हालत बहुत खराब हो गई है। शहर के लगभग हर घर में मरीजों के बिस्तर देखे जा रहे हैं। सर्दी, खांसी, दस्त-उल्टी, तेज बुखार, सिरदर्द और हाथ, पैर और जोड़ों में असहनीय दर्द के मामलों में खतरनाक बढ़ोतरी हुई है। प्राइवेट क्लीनिक बने 'आधार', गरीब परिवार आर्थिक तंगी में महामारी की इस बिगड़ती और गंभीर स्थिति के कारण, डभोई के लोकल प्राइवेट अस्पतालों अआसपास के ग्रामीण इलाकों में बदलते मौसम और जलवायु के कारण मौसमी और ैर क्लीनिकों में सुबह से ही मरीजों की लंबी लाइनें लग रही हैं। सरकारी अस्पतालों में सही व्यवस्था न होने के कारण, आम और मिडिल क्लास परिवारों को बहुत ज़्यादा फीस देकर प्राइवेट अस्पतालों की सीढ़ियां चढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मौजूदा हालात ऐसे हैं कि आम वायरल इन्फेक्शन में भी आम परिवारों के हज़ारों रुपये डॉक्टरों द्वारा दी जाने वाली महंगी लैब टेस्ट और महंगी दवाओं पर बर्बाद हो रहे हैं। ब्लड रिपोर्ट और दवाओं का यह असहनीय आर्थिक बोझ गरीब और मजदूर वर्ग के महीने के बजट को बिगाड़ रहा है, जिससे आम लोग आर्थिक तंगी में हैं। प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ जनता की मांगः 'समय रहते चेतें, नहीं तो हालात बेकाबू हो जाएंगे! स्थानीय निवासियों और जागरूक नागरिकों में प्रशासन के खिलाफ भारी गुस्सा है। जनता की मांग है कि डभोई नगर पालिका का सफाई विभाग और सरकारी हेल्थ सिस्टम अपनी नींद से जागे और मिलकर तुरंत असरदार कदम उठाए। शहर के स्लम एरिया और सेंसिटिव सोसाइटी में खास हेल्थ कैंप लगाए जाने चाहिए। अगर नगर पालिका और हेल्थ सिस्टम इस मामले में आंखें मूंदे रहे, तो इस बात का बहुत डर है कि आने वाले दिनों में डभोई में हालात और भी बेकाबू और खतरनाक हो जाएंगे।

साल्हेवारा के युवाओं ने दिखाया उत्साह, उपमुख्यमंत्री से हुआ सीधा संवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में युवा वर्ग-2026 की त्रिदिवसीय कार्यशाला 18 से 20 सितंबर तक ग्रेसियस कॉलेज, अभनपुर (रायपुर) में आयोजित की गई। प्रदेशभर से पहुंचे पदाधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला के द्वितीय दिवस छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पहुंचकर युवा कार्यकर्ताओं से प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने प्रदेश की वर्तमान स्थिति, विकास की दिशा, रोजगार तथा युवा शक्ति की भूमिका से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इसी क्रम में के.सी.जी. जिले के वनांचल साल्हेवारा से वनवासी कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता रामश्याम पटेल ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से संवाद करते हुए छत्तीसगढ़ की दशा-दिशा में सकारात्मक बदलाव को लेकर अपने विचार एवं सवाल रखे। उपमुख्यमंत्री ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिला एवं युवा वर्ग के लिए संचालित रोजगारपरक योजनाओं तथा विजन-2047 के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक दायित्व की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से योग, प्राणायाम, खेल, प्रश्न मंच एवं बौद्धिक सत्र सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने सभी गतिविधियों में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यशाला में युवाओं को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक भावना एवं राष्ट्रहित के प्रति जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

हाफिज सईद पर शहबाज से दो सवाल, दोनों बार खामोशी

यूएन में हाफिज सईद पर घिरे शहबाज शरीफ, पत्रकार ने पूछा- आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे? दोनों सवालों पर पाक पीएम ने साधी चुप्पी

दूसरी ओर नेतन्याहू के भाषण के दौरान बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने किया वॉकआउट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचे तो उन्हें आतंकवाद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को लेकर पत्रकारों के सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे शहबाज शरीफ से परिसर में प्रवेश के दौरान पत्रकार ने पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकवादियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' शहबाज शरीफ ने सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से बाहर निकलते समय पत्रकारों ने उन्हें फिर घेरा और पूछा कि पाकिस्तान हाफिज सईद पर कार्रवाई कब करेगा। इस सवाल पर भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और बिना जवाब दिए आगे निकल गए। हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा प्रमुख नाम है और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मामले में भारत में आरोपी है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून के तहत आतंकवादी घोषित किया है। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में भी उसका नाम सामने आया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जून 2026 में जारी अपनी पूरक आरोपपत्र संबंधी जानकारी में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हाफिज सईद को आरोपी बनाया था। एनआईए के अनुसार, उसे इस मामले में आरोपी संख्या 8 के रूप में नामित किया गया है। शहबाज शरीफ इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की भूमिका का बचाव करते रहे हैं। 2025 के अपने संबोधन में उन्होंने दावा किया था कि पाकिस्तान दो दशक से अधिक समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है और इस दौरान देश को बड़े स्तर पर जान-माल का नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हाफिज सईद और आतंकवाद को लेकर पत्रकारों के सवालों पर उनका जवाब न देना चर्चा का विषय बन गया है। इसी संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण के दौरान भी बड़ा कूटनीतिक विरोध देखने को मिला। नेतन्याहू के मंच पर पहुंचते ही कई देशों के प्रतिनिधि सभागार से बाहर निकल गए। प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्टों में बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों के वॉकआउट की बात कही गई है। रॉयटर्स से प्रकाशित रिपोर्ट में भी बताया गया कि सैकड़ों राजनयिक नेतन्याहू के संबोधन के दौरान सभागार से बाहर चले गए। वॉकआउट के बावजूद नेतन्याहू ने अपना भाषण जारी रखा और इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों का बचाव किया। उन्होंने अपने आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे इजराइल के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों का जवाब संयुक्त राष्ट्र के मंच से देंगे। उनके भाषण के दौरान सभागार में बड़ी संख्या में सीटें खाली दिखाई दीं। एक ही दिन संयुक्त राष्ट्र के मंच पर पाकिस्तान से आतंकवाद और हाफिज सईद को लेकर सवाल तथा इजराइल के प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान राजनयिकों का वॉकआउट, 81वें महासभा सत्र में चल रही तीखी कूटनीतिक बहस को दर्शाता है।

कलोल हाईवे पर बड़ा हादसा टलाः पेट्रोल टैंकर के केबिन में लगी भयानक आग, पुलिस ने दोनों तरफ का ट्रैफिक रोककर सैकड़ों लोगों की जान बचाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के कलोल में छत्रल तिराहे के पुल के नीचे आज एक बड़ा हादसा होने वाला था। फ्यूल से भरे पेट्रोल टैंकर के केबिन में भयानक आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हालांकि, घटना के समय टैंकर ड्राइवर तुरंत नीचे उतर गया और बच गया। फायर ब्रिगेड की तुरंत कार्रवाई ने एक बड़ा हादसा होने से रोक दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, कलोल-छत्रल हाईवे से गुजर रहे एक पेट्रोल टैंकर के केबिन से अचानक धुएं का गुबार निकलने लगा और देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप ले लिया। केबिन में आग इतनी तेजी से फैली कि आस-पास के वाहन चालक डर गए। खतरे से बचने के लिए कडी-छत्राल हाईवे पर ट्रैफिक रोक दिया गया। आग की गंभीरता और टैंकर में आग पकड़ने वाले पेट्रोल के खतरे को ध्यान में रखते हुए, मौके पर पहुंची हाईवे पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। सुरक्षा के तौर पर, पुलिस के काफिले ने तुरंत कडी-छत्राल हाईवे के दोनों तरफ ट्रैफिक पूरी तरह से रोक दिया ताकि कोई अनहोनी न हो। जैसे ही छत्राल टोल रोड से हादसे की खबर मिली, कलोल फायर ब्रिगेड का काफिला मौके पर पहुंचा। फायरफाइटर्स ने हालात को काबू में करने के लिए पानी और स्पेशल फोम का इस्तेमाल जारी रखा। फायर टीम की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। अच्छी बात यह रही कि फायर ब्रिगेड की समय पर कार्रवाई और सतर्कता के कारण आग केबिन से आगे पेट्रोल से भरे मेन टैंक तक नहीं फैल सकी। अगर यह आग टैंक तक पहुंच जाती, तो बहुत भयानक धमाका होने और बड़ा नुकसान होने की पूरी संभावना थी। शुरुआती जांच और

अंदाज़े के मुताबिक, माना जा रहा है कि टैंकर के केबिन में शॉर्ट सर्किट की वजह से यह अचानक आग लगी। आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद पुलिस ने ट्रैफिक फिर से शुरू कर दिया है और आगे की कानूनी जांच कर रही है।

गुजरात में खेत के पास तेंदुए ने 6 साल की बच्ची को बनाया शिकार, सीसीटीवी सामने आने से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में तेंदुए के हमले में 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना बुधवार रात मेंदरडा क्षेत्र में थोभणभाई कोराट के खेत में हुई। मृतक बच्ची की पहचान प्रिशा सोलंकी के रूप में हुई है। घटना के दो दिन बाद शुक्रवार को हमले से जुड़ा सीसीटीवी वीडियो सामने आया, जिसके बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बताया गया कि तेंदुए ने खेत के पास बच्ची पर हमला किया। हमले के बाद बच्ची का शव खेत के नजदीक मिला। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में तेंदुए की तलाश शुरू की। गिर पश्चिम वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी प्रशांत तोमर के मुताबिक, वन विभाग की टीम घटना के बाद से लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने आसपास के इलाके में 8 पिंजरे लगाए हैं। इसके अलावा वनकर्मियों की टीम लगातार गश्त कर रही है और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों और आसपास रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है।

12,733 कैंडिडेट्स के लिए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शेड्यूल तैयार 30 सितंबर से 13 अक्टूबर तक पांच शहरों में आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड ने लोकरक्षक कैडर (2025-26) के विज्ञापन नंबर GPRB/202526/1 के तहत अलग-अलग कैडर के कुल 12,733 पदों के लिए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन प्रोग्राम के पहले फेज की घोषणा की है। यह प्रोसेस 30 सितंबर से 13 अक्टूबर, 2026 तक अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, सुरेंद्रनगर और गांधीनगर में होगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान, कैंडिडेट्स के पहचान पत्र, एजुकेशनल सर्टिफिकेट, रिजर्व्ड कैटेगरी से जुड़े डॉक्यूमेंट और एडिशनल मार्क्स पाने के सर्टिफिकेट वेरिफाई किए जाएंगे। कैंडिडेट्स को OJAS वेबसाइट से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए कॉल लेटर डाउनलोड करने होंगे।

प्रेफरेंस फॉर्म में प्रेफरेंस ऑर्डर देना होगा

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान, कैंडिडेट्स को प्रेफरेंस फॉर्म में अपना प्रेफरेंस ऑर्डर रजिस्टर करना होगा। इनमें (1) बिना हथियार वाले पुलिस कांस्टेबल, (2) हथियारबंद पुलिस कांस्टेबल, (3) जेल सिपाही और (4) हथियारबंद पुलिस कांस्टेबल-SRPF (सिर्फ़ पुरुष) शामिल हैं। डॉक्यूमेंट वेरिफ़िकेशन पूरा होने के बाद, कैंडिडेट के भरे गए प्रेफ़रेंस फ़ॉर्म और दूसरे प्रोसेस के आधार पर कैडर सिलेक्शन की फ़ाइनल लिस्ट तैयार की जाएगी।

अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध थाना डोंगरगांव की प्रभावी कार्यवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा, जिला राजनांदगांव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती मंजुलता बाज के मार्गदर्शन में जिले में अपराध एवं अवैध गतिविधियों, विषेषकर अवैध मादक पदार्थ गांजा/परिवहन के विरूद्ध प्रभावी अंकुष लगाने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 24.09.2026 को थाना डोंगरगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री करने के उद्देश्य से ग्राम पांगरीकला से सांकरदाहरा की ओर जा रहा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस टीम द्वारा विधिवत कार्यवाही हेतु रवाना होकर मौके पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक व्यक्ति को मोटर सायकल क्रमांक सीजी 08 एएन 8374 से आते हुए रोककर पूछताछ एवं विधिवत तलाशी ली गई। पूछताछ में उसने अपना नाम पीयूष कुमार साहू पिता सुशील कुमार साहू, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम पांगरीकला, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव बताया। तलाशी के दौरान मोटर सायकल की डिक्की में रखे पीले रंग के कपड़े के थैले के अंदर सफेद पॉलीथिन में मादक पदार्थ गांजा पाया गया। मौके पर विधिवत तौल कराने पर सफेद पॉलीथिन सहित गांजा का कुल वजन 774 ग्राम पाया गया। गांजा को विधिवत जप्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 298/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अहमदाबाद थर्रायाः नारोल में अंगड़िया फर्म को लूटने की कोशिश नाकाम, एक बिजनेसमैन के शोर मचाने पर दो बदमाश पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के सेंसिटिव माने जाने वाले नारोल BRTS बस स्टैंड के पास अकार कॉम्प्लेक्स में दिनदहाड़े बंदूक की नोक पर अंगड़िया फर्म को निशाना बनाने की सनसनीखेज कोशिश की गई। हालांकि, शिकायतकर्ता की सतर्कता और समय पर कार्रवाई के कारण लुटेरों की योजना नाकाम हो गई और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अंगड़िया फर्म निशाने परः यह खतरनाक हमला नारोल BRTS बस स्टैंड के पास अकार कॉम्प्लेक्स में मौजूद पटेल महेंद्र सोमाभाई अंगड़िया फर्म पर हुआ। देसी पिस्तौल के साथ एंट्रीः दो अनजान लोग कस्टमर के भेष में या अचानक हाथों में खतरनाक हथियार लेकर फर्म में घुसे और सीधे देसी पिस्तौल (बंदूक) दिखाकर डर का माहौल बनाकर लूटने की नापाक कोशिश की। बिजनेसमैन की हिम्मत काम आईः हथियार देखकर डरने के बजाय, अंगड़िया फर्म के मैनेजर/शिकायतकर्ता ने तुरंत हिम्मत दिखाई और जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। लोगों की भीड़ जमा होने से भगदड़ः शिकायतकर्ता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के व्यापारी और भीड़ तुरंत दौड़ पड़ी। लोगों की भीड़ देखकर लुटेरों के होश उड़ गए।

ईसनपुर पुलिस की एंट्रीः घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा और कुशलता से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। भारी हथियार जब्तः पुलिस ने आरोपियों से 3 देसी पिस्तौल और 19 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं और सख्त कानूनी कार्रवाई की है। अहमदाबाद में हथियारों की बड़े पैमाने पर तस्करी और अंगड़िया परिवारों को निशाना बनाए जाने से सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं, लेकिन पुलिस की समय पर कार्रवाई से एक बड़ी मुसीबत टल गई है।

फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगढ़ राजनांदगांव। डोंगरगढ़ पुलिस ने महिला को फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी मृत पति का दोस्त बनकर पीड़िता के घर आता-जाता था और ब्लैकमेल कर वारदात को अंजाम दे रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पति का परिचित लोकेश साहू (26 वर्ष), निवासी फरदफोड़ (थाना देवरी, जिला बालोद) पति की मृत्यु से पहले से ही घर आता-जाता था। इस दौरान आरोपी के पास पीड़िता का मोबाइल नंबर था, जिससे दोनों में बातचीत होने लगी। बाद में आरोपी ने पीड़िता के फोटो व वीडियो वायरल करने और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। लोक-लज्जा और डर के कारण पीड़िता चुप रही। आरोपी ने अगस्त 2025 में पीड़िता को जबरन डोंगरगढ़ स्थित इंडियन लॉज-1 में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह पीड़िता के लखोली (राजनांदगांव) स्थित घर पर भी आकर डरा-धमकाकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 4179/2026, धारा 64(2)(एम) एवं 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुमन जायसवाल के नेतृत्व में विवेचक उपनिरीक्षक गीतांजलि सिन्हा की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी लोकेश साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने और पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मोरबी के जेटपार के किसानों ने आवाज़ लगाई 'बिजली के खंभे नहीं लगने देंगे, सरकार की दबाने वाली पॉलिसी के खिलाफ लड़ेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। मोरबी ज़िले के जेटपार गांव में पिछले चार महीनों से चल रहा किसानों का विरोध अब और भी ज़्यादा उग्र और विस्फोटक हो गया है। किसान अपनी उपजाऊ ज़मीन को बचाने के लिए बिजली के खंभे लगाने के मनमाने प्रोजेक्ट के खिलाफ़ मज़बूत इरादे से विरोध कर रहे हैं। इस बीच, प्रशासन की तरफ़ से किसानों को MRC (मार्केट रेट कमेटी) में शामिल होने के नोटिस दिए जा रहे हैं और किसानों में सरकार के खिलाफ़ बहुत गुस्सा और नाराज़गी है। हम ज़मीन बचाने के लिए अपनी आखिरी सांस तक लड़ेंगेः 'यह हमारे पुरखों की कमाई है, यह हमारी और हमारे परिवार की रोज़ी-रोटी का आधार है। सरकार कितना भी दबाव डाले, हम अपने खेतों में बिजली के खंभे नहीं लगने देंगे।' गलत नोटिस के खिलाफ खुला विरोधः 'हम चार महीने से शांति से विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार मामले को सुलझाने के बजाय अब हमें दबाने के लिए नोटिस जारी कर रही है। यह नोटिस सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि किसानों के वजूद पर सीधा हमला है। आइए प्रशासन की मनमानी न मानेंः 'हमें विकास से कोई एतराज़ नहीं है, लेकिन किसानों की कीमत पर तबाही कभी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को यह तानाशाही नोटिस तुरंत वापस लेना होगा, नहीं तो आंदोलन और उग्र होगा। मुख्य मुद्दाः जेतपार पंथक में किसानों की सहमति के बिना खेतों से गुज़रने वाली बिजली की लाइनें और खंभे बनाने के खिलाफ किसान पिछले 4 महीने से डटे हुए हैं। ंदोलन को कुचलने के इरादे से प्रशासन द्वारा स्र्क्ष्ट के तहत किसानों को नोटिस जारी करने से, यह लड़ाई अब सिर्फ बिजली के खंभों तक सीमित नहीं रही, बल्कि किसानों के सम्मान और हक की लड़ाई बन गई है। इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में मोरबी डायोसीज़ में इससे बड़ा राजनीतिक और सामाजिक भूचाल आएगा। सभी किसान एकजुट होकर सरकार के इस गलत रवैये के खिलाफ लड़ाई लड़ने के मूड में हैं।

जयपुर नगर निगम को मिला नया मेयर, भाजपा के सुनील कोठारी ने कांग्रेस की सुनीता मावर को 29 वोट से हराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर नगर निगम को नया मेयर मिल गया है। भाजपा के सुनील कोठारी ने मेयर पद के चुनाव में 89 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस की सुनीता मावर को 60 वोट मिले। इस तरह कोठारी ने सुनीता मावर को 29 वोटों के अंतर से हराया। कोठारी को भाजपा पार्षदों के अलावा 11 अन्य वोट भी मिले, जिसके चलते उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार करते हुए मेयर पद पर कब्जा जमाया। जीत के बाद सुनील कोठारी ने जयपुर के विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि जयपुर की जनता का जीवन सरल और सुविधाजनक बने। शहर के इतिहास और परंपरा को साथ लेकर विकास की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा जयपुर बनाने का प्रयास होगा, जो लोगों के सपनों को उड़ान देने वाला शहर बन सके। कोठारी ने मजबूत विपक्ष को भी शहर के विकास के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और वैचारिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन सभी का उद्देश्य जयपुर का विकास होना चाहिए। उन्होंने परकोटे की ऐतिहासिक विरासत को बनाए रखने और शहर में स्वच्छता को प्राथमिकता देने की बात कही। सुनील कोठारी वार्ड 112 से पार्षद चुने गए थे। पार्षद चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को करीब 900 वोटों के अंतर से हराया था। संगठन में भी वे विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। इससे पहले वे भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष, प्रदेश सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं। मेयर पद के चुनाव के दौरान नगर निगम में राजनीतिक हलचल भी देखने को मिली। मतदान के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान निगम पहुंचे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद वे किशनपोल विधायक अमीन कागजी और कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनील शर्मा के साथ धरने पर बैठ गए।

जालोर नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड, सभापति बंशीलाल माली ने संभाला पदभार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। नगर परिषद के नवनियुक्त सभापति बंशीलाल माली ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। इसके बाद शाम को कांग्रेस पार्षदों और कार्यकर्ताओं की ओर से शहर में विजय जुलूस निकाला गया। रात को कांग्रेस कार्यालय में जनसभा आयोजित की गई। सभा में कांग्रेस नेता पुखराज पाराशर ने नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड बनाने में सहयोग देने वाले पार्षदों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। साथ ही उन्होंने भाजपा पर शहर के विकास को लेकर कई आरोप लगाए। पाराशर ने कहा कि प्रदेश में पिछले तीन साल से भाजपा की सरकार है और इससे पहले करीब 12 साल तक जालोर नगर परिषद में भी भाजपा का बोर्ड रहा। इसके बावजूद शहर की कई सड़कें खुदी पड़ी हैं और सीवरेज व्यवस्था को लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले सुंदेलाव तालाब की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने भाजपा नेता जोगेश्वर गर्ग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार में मंत्री रहते हुए वे जालोर के विकास के लिए पर्याप्त बजट नहीं ला सके। पाराशर ने चुनौती दी कि पिछले तीन वर्षों में सरकार से स्वीकृत कराए गए किसी एक बड़े काम का नाम बताया जाए। आरओबी के मुद्दे पर पाराशर ने कहा कि जालोर में बने रहे रहे आरओबी को लेकर अब इसका श्रेय केंद्र की भाजपा सरकार को दिया जा रहा है, जबकि विधानसभा में जोगेश्वर गर्ग ने इसकी स्वीकृति के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को धन्यवाद दिया था। मेडिकल कॉलेज को लेकर उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के समय करीब 350 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि टेंडर होने और काम शुरू होने के बाद निर्माण कार्य क्यों रुका। साथ ही उन्होंने मेडिकल कॉलेज को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत देने की चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा हुआ तो कांग्रेस इसका विरोध करेगी जनसभा में पाराशर ने नवनिर्वाचित सभापति, उपसभापति और पार्षदों से अपने-अपने वार्डों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कुछ लोगों की ओर से धमकियां दिए जाने की बात सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उसकी सत्यता स्पष्ट नहीं है.

माउंट आबू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जनसेवा और अंत्योदय के विचारों को किया याद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर माउंट आबू स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पुस्तकालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य और भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय चौहान सहित पार्टी के पदाधिकारियों, नवनिर्वाचित पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और उनके विचारों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन भारत और भारतीयता को समर्पित किया। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने और मजबूत राष्ट्र के निर्माण की दिशा में जो विचार दिए, वे आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत हैं। आचार्य ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और अवसर पहुंचाने पर केंद्रित रहा। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय चौहान ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान का विचार देश के सामने रखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार अंत्योदय की भावना के तहत गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। चौहान ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद वर्ग को मजबूत बनाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और उनके सपनों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। कार्यक्रम में नगरपालिका उपाध्यक्ष विशाल बंसल के साथ भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित पार्षद, भाजपा नगर मंडल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को याद किया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन, विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया।

ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन पर टोल नाके पर कार से सीमेंट बैग बरामद

कार से टोल नाके पर 8-10 सीमेंट के बैग बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। माउंट आबू में ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन पर निगरानी के दौरान टोल नाके पर एक कार से 8 से 10 सीमेंट के बैग बरामद किए गए। जांच के दौरान टीम ने कार को रोककर तलाशी ली, जिसमें डिक्की से सीमेंट के बैग मिले। टीम ने निर्माण सामग्री को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया।यह कार्रवाई ईएसजेड नोडल प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। पालिका आयुक्त त्रिकम दान चारण के नेतृत्व में टोल प्रभारी गजेंद्र सिंह की टीम ईको सेंसिटिव जोन में आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी और जांच कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध कार को टोल नाके पर जांच के लिए रोका गया। तलाशी में कार की डिक्की से सीमेंट के बैग बरामद होने पर टीम ने उन्हें जब्त कर लिया।कार्रवाई के दौरान टोल नाके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के पोल को वाहन से नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई। घटना के बाद टीम ने निर्माण सामग्री को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, वाहन चालक के मौके से फरार होने के बाद उसकी जानकारी जुटाने सहित घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। प्रशासन की ओर से ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के परिवहन पर निगरानी के तहत यह कार्रवाई की गई। मामले में जब्त सामग्री और वाहन से जुड़े तथ्यों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान टोल नाके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के पोल को वाहन से नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई। घटना के बाद टीम ने निर्माण सामग्री को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं,कार्रवाई के दौरान टोल नाके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के पोल को वाहन से नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई। घटना के बाद टीम ने निर्माण सामग्री को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, वाहन चालक के मौके से फरार होने के बाद उसकी जानकारी जुटाने सहित घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। प्रशासन की ओर से ईको सेंसिटिव जोन में

निर्माण सामग्री के परिवहन पर निगरानी के तहत यह कार्रवाई की गई।

माउंट आबू में पद संभालते ही एक्शन में आए पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य, सुबह 7 बजे नक्की झील पहुंचकर देखी सफाई व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नगर पालिका अध्यक्ष का पद संभालने के दो दिन के भीतर सुनील आचार्य ने शहर की सफाई और बुनियादी व्यवस्थाओं का निरीक्षण शुरू कर दिया। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे वे नक्की झील के महादेव घाट पहुंचे और मौके पर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घाट पर गंदगी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर भी जानकारी ली और मौके पर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। नक्की झील को माउंट आबू का प्रमुख पर्यटन स्थल और शहर की पहचान बताते हुए पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों के सामने शहर की साफ-सुथरी

छवि बनी रहनी चाहिए। इसके लिए नक्की झील और आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर करना जरूरी है। उन्होंने महादेव घाट को अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम करने की बात कही। साथ ही घाट को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित करने की योजना पर भी काम करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान आचार्य ने चुंगी नाके से 20 नंबर पिलर तक नगर पालिका क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सड़क, सफाई व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति देखी। जिन स्थानों पर गंदगी या अव्यवस्था दिखाई दी, वहां अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र की व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली और सफाई कार्य को नियमित रूप से बेहतर रखने पर जोर दिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि शहर की सफाई केवल पालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि स्थानीय लोगों और व्यापारियों के सहयोग से ही इसे बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने स्थानीय व्यापारियों से भी आसपास सफाई बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने में सहयोग करने की अपील की। आचार्य ने दिन के साथ रात के समय भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया, ताकि शहर की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया जा सके।

सिरोही नगर परिषद की नई सभापति ऋतु जैन ने संभाला पदभार, बोलीं- जनता की समस्याओं का समाधान पहली प्राथमिकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। नगर परिषद की नवनिर्वाचित सभापति ऋतु जैन ने बुधवार को पदभार संभाल लिया। नगर परिषद पहुंचने से पहले मुख्य दरवाजे पर उनका पार्षदों और शहरवासियों की ओर से स्वागत किया गया। इसके बाद नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई ने उन्हें सभापति पद का चार्ज सौंपा। पदभार ग्रहण करने के दौरान उपसभापति ईश्वर सिंह डाबी सहित सभी पार्षद मौजूद रहे। नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी फूलों का गुलदस्ता भेंट कर ऋतु जैन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। ऋतु जैन दोपहर करीब 12:25 बजे अपने घर से नगर परिषद के लिए रवाना हुईं और करीब 12:28 बजे नगर परिषद परिसर पहुंचीं। उनके पहुंचते ही पार्षदों, शहर के नागरिकों और नगर परिषद कर्मचारियों ने स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के दौरान नगर परिषद परिसर में मौजूद जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। पदभार संभालने के बाद सभापति ऋतु जैन ने शहर की जनता के लिए अपना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सिरोही की जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में रहेगा। शहर में टूटी सड़कों, क्षतिग्रस्त नालियों और बिजली के तारों से जुड़ी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान घोषणा पत्र में जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी मिलकर शहर की समस्याओं का समाधान करेंगे।

टोंक में दो दिन गूंजेगी डांडिया की धुन, सज रहा भव्य गरबा महाउत्सव

आपणो गरबो 3.0' में मां अंबे की आरती बनेगी खास आकर्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौत्तम

टोंक। नवरात्रि का पर्व नजदीक आते ही टोंक शहर में उत्सव और उमंग का माहौल बनने लगा है। इसी क्रम में इस वर्ष शहरवासियों के लिए गरबा और डांडिया का खास आयोजन किया जा रहा है। 'आपणो गरबो 3.0' के तहत होने वाला गरबा महाउत्सव इस बार पहले की तुलना में और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की सबसे खास बात यह है कि इस बार गरबा कार्यक्रम एक दिन के बजाय लगातार दो दिनों तक चलेगा। 12 और 13 अक्टूबर को कल्पना मैरिज गार्डन में होने वाले इस आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार, दोनों दिनों तक गरबा और डांडिया की धुनों के बीच शहरवासी नवरात्रि के उत्सव का आनंद ले सकेंगे। कार्यक्रम स्थल पर मां अंबे की भव्य आराधना के लिए विशाल और आकर्षक पंडाल तैयार किया जा रहा है। आयोजन समिति का कहना है कि पंडाल को इस तरह सजाया जा रहा है कि वह श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनने के साथ आयोजन की भव्यता को भी सामने लाए। 'आपणो गरबो 3.0' का आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित रखने के बजाय धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों के मुताबिक इस बार आयोजन की रूपरेखा में सनातन परंपराओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों को विशेष स्थान दिया गया है। आयोजकों का कहना है कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक उत्सवों से जोड़ने के उद्देश्य से कार्यक्रम को विशेष स्वरूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण मां अंबे की आरती होगी। आयोजन समिति के अनुसार आरती के दौरान भक्तिभाव से भरा विशेष वातावरण तैयार किया जाएगा। समिति का दावा है कि इस दौरान श्रद्धालुओं और शहरवासियों को धार्मिक आस्था से जुड़ा विशेष अनुभव मिलेगा। गरबा और डांडिया के बीच मां अंबे की आरती आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक रंग देगी। इसके अलावा कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, खान-पान और मनोरंजन की भी व्यवस्था रहेगी। आयोजकों के अनुसार आयोजन को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि बच्चे, युवा, महिलाएं और परिवार के अन्य सदस्य सभी इसमें शामिल होकर उत्सव का आनंद ले सकें। दो दिनों तक चलने वाले इस

महाउत्सव से शहर में नवरात्रि का उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है। आयोजन समिति ने शहरवासियों से 'आपणो गरबो 3.0' में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि यह आयोजन शहर के लोगों को एक साथ लाने के साथ धार्मिक आस्था, संस्कृति और उत्सव की भावना को मजबूत करने का अवसर भी बनेगा। कल्पना मैरिज गार्डन में 12 और 13 अक्टूबर को होने वाले इस गरबा महाउत्सव को लेकर तैयारियां लगातार जारी हैं। अब टोंक में नवरात्रि की रातें गरबा, डांडिया, संगीत और मां अंबे की आरती के रंग में रंगने वाली हैं।

ईको सेंसिटिव जोन में कार से 8-10 सीमेंट बैग बरामद, जांच के दौरान चालक मौके से फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन पर निगरानी के दौरान टोल नाके पर जांच के लिए रोकी गई एक कार से 8 से 10 सीमेंट के बैग बरामद किए गए। वाहन की तलाशी के दौरान सीमेंट के बैग कार की डिक्की में रखे मिले। टीम ने निर्माण सामग्री को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान कार चालक मौके से फरार हो गया। ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के परिवहन पर निगरानी के लिए टोल नाके पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान टीम ने एक कार को जांच के लिए रोका। कार की डिक्की की तलाशी लेने पर उसमें सीमेंट के कई बैग दिखाई दिए। टीम ने जब सीमेंट के बैगों की संख्या की जांच की तो करीब 8 से 10 बैग पाए गए। इसके बाद टीम ने निर्माण सामग्री को जब्त कर लिया। यह कार्रवाई ईएसजेड नोडल प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। पालिका आयुक्त त्रिकम दान चारण के नेतृत्व में टोल प्रभारी गजेंद्र सिंह की टीम टोल नाके पर आने-जाने वाले वाहनों की जांच और निगरानी कर रही थी। जांच के दौरान निर्माण सामग्री से भरी कार सामने आने पर टीम ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टोल नाके पर लगे सीसीटीवी कैमरे के पोल को कार से नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई। घटना के बाद टीम ने जब्त निर्माण सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं, वाहन चालक के मौके से फरार होने के कारण मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के निर्देशन में ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण सामग्री के परिवहन पर निगरानी जारी है। टोल नाके पर वाहनों की जांच के दौरान निर्माण सामग्री से जुड़े दस्तावेज और परिवहन की स्थिति की भी पड़ताल की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद संबंधित टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिंडवाड़ा नगरपालिका में गूंजा 'वंदे मातरम्', 150 साल पूरे होने पर हुआ सामूहिक गायन

अधिशासी अधिकारी योगेश आचार्य के नेतृत्व में अधिकारी-कर्मचारियों ने एक साथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पिंडवाड़ा। सिरोही जिले के पिंडवाड़ा नगरपालिका परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने और इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती के अवसर पर देशभर में सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में पिंडवाड़ा नगरपालिका भी इस आयोजन का हिस्सा बनी। कार्यक्रम का आयोजन अधिशासी अधिकारी योगेश आचार्य के नेतृत्व में किया गया। नगरपालिका परिसर में अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य उपस्थित लोगों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया। जैसे ही राष्ट्रगीत के स्वर गूंजे, पूरे परिसर में देशभक्ति का माहौल बन गया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पूरे सम्मान और उत्साह के साथ सामूहिक गायन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक महत्व को भी याद किया गया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस राष्ट्रगीत ने लोगों में राष्ट्रभावना और देश के प्रति समर्पण की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित सामूहिक गायन के माध्यम से इसके गौरवशाली इतिहास को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर राष्ट्रगीत का गायन किया। आयोजन के जरिए एकता, राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। नगरपालिका परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पालिका के अधिकारी-कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे। अधिशासी

अधिकारी योगेश आचार्य के नेतृत्व में हुए इस सामूहिक गायन में सभी ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना देखने को मिली। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम नगरपालिका परिसर में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत के गायन और उसके ऐतिहासिक महत्व को स्मरण करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

माउंट आबू में 25 सितंबर को गूंजेगा वंदे मातरम्, 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 25 सितंबर को आबू पर्वत में नमामि भारतम कार्यक्रम के तहत सामूहिक वंदे मातरम् गान का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 11 बजे क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर एक साथ राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन होगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में तैयारियां की गई हैं और निर्धारित केंद्रों पर सामूहिक गायन की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम् के सामूहिक गायन में शामिल होने वाले लोग सम्मानपूर्वक सावधान मुद्रा में खड़े रहेंगे और पूरे राष्ट्रीय गीत का गायन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सामूहिक रूप से इसका गायन करना है। इसके लिए आबू पर्वत क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों को केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया है। आयोजन के लिए आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुख्य बाजार और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मुख्य बाजार में सामूहिक गान के केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा राउप्रावि सालगांव और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देलवाड़ा में भी सामूहिक वंदे मातरम् गान का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम को लेकर संबंधित शिक्षण संस्थानों में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। निर्धारित समय पर सभी केंद्रों पर एक साथ राष्ट्रीय गीत का गायन किया जाएगा। आयोजन से जुड़े लोगों की ओर से कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने की तैयारियां की गई हैं।

ज्ञानेश कुमार की नौकरी खतरे में: मिला हुआ 'अभयदान' भी सुरक्षित नहीं, असली मास्टरमाइंड तो कहीं ऊपर बैठे हैं

ज्ञानेश कुमार का भविष्य अधरझूल में: 2023 के विवादास्पद कानून का मामला सर्वोच्च न्यायालय की बेंच के समक्ष पहुँचने से हड़कंप।

असली मास्टरमाइंड कौन?: जिसे कभी चुनाव नहीं लड़ना है, वह ज्ञानेश कुमार मोदी-शाह की इच्छा के बिना ऐसा क्यों कर सकता है? सवालों की झड़ी।

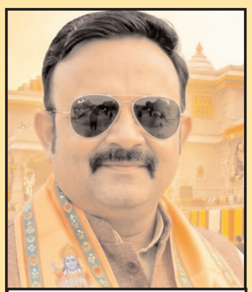

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भक्तों और तथाकथित तटस्थों के लिए कठिन समय: सरकार की आलोचना के नाम पर अंदरखाने मोदी-शाह की आरती उतारने वालों की मुश्किलें बढ़ीं।

कर्म का सिद्धांत या राजनीतिक उठापटक?: राहुल गांधी की पावर पॉइंट प्रस्तुतियों के बीच Karma is a bit की कहावत सटीक साबित हो रही है।

विस्तृत रिपोर्ट–

राजनीतिक गलियारों में इस समय जो चर्चाएँ जोरों पर हैं, उनमें सबसे बड़ा नाम ज्ञानेश कुमार का है। जी हाँ, ज्ञानेश कुमार की नौकरी अब खतरे में है और उन्हें मिला हुआ तथाकथित 'अभयदान' भी अब ज़रा भी सुरक्षित नहीं रह गया है। पूरा मामला 2023 के विवादास्पद कानून से जुड़ा हुआ है, जो अब सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) की बेंच के पास पहुँच चुका है। इतना ही नहीं, चारों तरफ़ से आ रहे दबावों के कारण सरकार से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के बड़े साहबों के मन में भी अब फेरबविचार शुरू हो गया होगा कि क्या इसी तरह खुलेआम, बेशर्म बनकर ज्ञानेश कुमार की तरह पेश आना है या फिर थोड़ी-बहुत इज़्ज़त बचा लेनी चाहिए?

असली कठपुतली कहाँ है और डोर किसके हाथ में है?

असली सवाल यह है कि ज्ञानेश कुमार के दो सबसे बड़े साहब कौन हैं? क्योंकि, ज्ञानेश कुमार को चाबी देकर चलाने वाले असली गुनहगार या मास्टरमाइंड तो सबसे ऊपर बैठे हैं। भले ही रितिका चोपड़ा की स्टोरी में उनके सीधे नाम न आए हों, लेकिन जिसे ज़िंदगी में कभी एक भी चुनाव नहीं लड़ना है, वह ज्ञानेश कुमार, नरेंद्र मोदी और अमित शाह की स्पष्ट सूचना, इच्छा या दिशा-निर्देश के बिना यह सब क्यों कर सकता है? इतनी सामान्य समझ रखने के लिए किसी बड़े राजनीतिक विश्लेषक होने की ज़रूरत नहीं है, आम जनता भी यह सब अच्छी तरह समझती है।

'तटस्थ' बनने की कोशिश करने वाले भक्त और बदलती हवा

सरकार की मामूली आलोचना करके अंदरखाने मोदी-शाह की आरती उतारने वाले और उस माध्यम से खुद को बहुत 'समझदार' या 'तटस्थ' के रूप में दिखाने की कोशिश करने वाले गुजराती तथा गैर-गुजराती भक्तों के लिए अब समय और अधिक कठिन होने वाला है। तेज़ी से बदलती इस राजनीतिक परिस्थिति में उनका यह ढोंग अब पूरी तरह बेनकाब होने जा रहा है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेने के बाद भी प्रधानमंत्री द्वारा खड़ी की गई पूरी 'इको सिस्टम' के लिए उन्हें जो खरी-खोटी सुननी पड़ी थीं, वे बिल्कुल वाज़िब थीं। लेकिन 'ज्ञानेश-कांड' तो सीधे तौर पर उनकी ज़िम्मेदारी के दायरे में आता है, इसलिए यह मामला इतनी आसानी से नहीं रफा-दफा होने वाला।

राहुल गांधी के प्रहार और 'कर्म' का सिद्धांत

विपक्ष के नेता राहुल गांधी जिस आक्रामक अंदाज़ में एक के बाद एक नेताओं के नाम और फोटो के साथ सिलसिलेवार पावर पॉइंट प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, उन्हें देखकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाते हैं। यह सब देखने के बाद कोई व्यक्ति भले ही कर्म के सिद्धांत में विश्वास न रखता हो, फिर भी उसके मुँह से यह निकल ही जाता है कि– आज कागज़ पर जो स्थिति है, उसे देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा इस पूरी श्रृंखला का अंतिम चरण नहीं हो सकता, लेकिन न्यायप्रिय जनता के लिए यह पहला कदम तो ज़रूर होना ही चाहिए!

राम मंदिर चंदा चोरी: आस्था के धन पर उठता गंभीर सवाल

अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चंदे की कथित चोरी के मामले में पुलिस ने फैजाबाद जिला न्यायालय में 73,480 पन्नों की आरोप पत्र दाखिल की है। पुलिस जांच के अनुसार मंदिर परिसर में चंदे की गिनती और छंटाई का काम करने वाले कर्मचारियों पर ही रकम में हेरफेर और चोरी के आरोप लगे हैं। जांच में 105 घटनाओं के सीसीटीवी प्रमाण, 173 गवाहों के बयान और मोबाइल संदेशों सहित डिजिटल साक्ष्य जुटाए जाने की बात कही गई है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि जिस धन को श्रद्धालुओं ने राम मंदिर और धार्मिक कार्यों के लिए आस्था के साथ अर्पित किया, वही धन यदि चोरी और निजी संपत्ति बनाने में इस्तेमाल हुआ हो तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? पुलिस के अनुसार कुछ आरोपियों के बैंक खातों में नकद जमा, जमीन-मकान, वाहन और आभूषण खरीद से भी कथित चोरी की रकम के तार जुड़े मिले हैं। हालांकि इन आरोपों का अंतिम निर्धारण न्यायालय करेगा। मामला केवल कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई का नहीं है। यह उस भरोसे का सवाल है जिसे करोड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर और उसकी व्यवस्था के प्रति रखा है। आस्था के धन में कथित सेंध यदि साबित होती है, तो यह चोरी से कहीं बड़ा नैतिक संकट होगा।

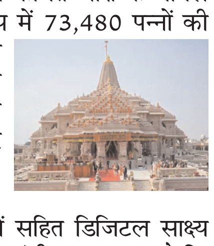

(शनिवार) 26 सितंबर 2026

मेष: मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा, रुके काम आगे बढ़ेंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा	वृषभ: रिश्तों में मधुरता रहेगी, काम में नए अवसर मिलेंगे और लाभ होगा
मिथुन: धन लाभ के अवसर मिलेंगे, परिवार का सहयोग रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा	कर्क: मेहनत का फल मिलेगा, विरोधियों से सावधान रहें और निर्णय सोचकर लें
सिंह: नई योजना पर काम शुरू होगा, कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी	कन्या: नई जिम्मेदारी मिल सकती है, यात्रा के योग हैं और प्रगति के अवसर मिलेंगे
तुला: जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन समझदारी से काम लेने पर सफलता मिलेगी	वृश्चिक: रुका धन मिलने के योग हैं, व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रगति होगी
धनु: महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और सम्मान बढ़ेगा	मकर: रचनात्मक काम में सफलता मिलेगी, धन लाभ होगा और दिन उत्साहपूर्ण रहेगा
कुंभ: आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, कामकाज में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं	मीन: परिवार में खुशी रहेगी, जरूरी काम पूरे होंगे और नई योजना बनेगी

भीड़ अगर इकट्ठा हो, तो समझ लेना सामने शेर है

दूसरों की सीढ़ियाँ तोड़ने वाले कभी शिखर तक नहीं पहुँचते जो व्यक्ति दूसरों का दीया बुझाने की कोशिश करता है, उसके अपने हाथों में सबसे पहले अंधेरा और राख ही आती है। जब आपकी बराबरी करने की क्षमता किसी में नहीं होती, तब लोग आपकी टाँग खींचने के लिए संगठन (गुट) बना लेते हैं। जब तक आप साधारण बने रहते हैं, तब तक सब आपके कंधे पर हाथ रखेंगे; लेकिन जैसे ही आपकी प्रतिभा, आपके परिणाम और आपकी सच्चाई दूसरों से चार कदम आगे दिखाई देने लगे, वैसे ही भीतर सुलगती ईर्ष्या का धुआँ आग पकड़ लेता है।

कमजोर मन वाले लोग आपकी सफलता को प्रेरणा के रूप में स्वीकार करने के बजाय अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानने लगते हैं। चूल्हे में लकड़ियाँ भले अलग-अलग हों, पर जब जलने की बात आती है तो तपन सबको एक जैसी ही होती है।

जब समूह में किन्हीं दो व्यक्तियों के बीच कोई छोटा-मोटा मनमुटाव होता है, तब असली षड्यंत्रकारी उसी मौके की तलाश में बैठे रहते हैं। उन्हें उस विवाद से कोई लेना-देना नहीं होता; उन्हें तो बस एक कंधा चाहिए होता है जिस पर बंदूक रखकर सफल व्यक्ति का शिकार किया जा सके। फिर शुरू होती है गुटबाजी, बंद कमरों में होने वाली गुप्त बैठकें, पीठ पीछे जहर उगलते ताने और चारों तरफ से घेरकर उस व्यक्ति के मनोबल को तोड़ने के घिनौने षड्यंत्र। दूसरों की सीढ़ी तोड़ने में अपनी ही प्रगति का अंत प्रकृति ने हर मनुष्य को निश्चित समय और सीमित ऊर्जा दी है। सफलता का सीधा गणित यह है कि इस ऊर्जा को अपने कौशल और आत्म-विकास के पीछे लगाया जाए। मान लीजिए दो व्यक्ति एक ही क्षेत्र में काम करते हैं:

पहला व्यक्ति: अपना ज्ञान बढ़ाता है, गलतियाँ सुधारता है और नई जिम्मेदारियाँ उठाता है। वह अपनी मेहनत से सीढ़ी के पायदान गढ़ रहा है।

दूसरा व्यक्ति: लगातार यही सोचता रहता है कि 'इसे कैसे रोका जाए?' वह पहले व्यक्ति की सीढ़ी तोड़ने के लिए हाथ में हथौड़ा लेकर घूमता है।

समय दोनों के लिए समान गति से बहता है। कुछ समय बाद परिणाम क्या होगा? पहला व्यक्ति संघर्ष करके भी ऊँचाइयों पर पहुँच जाएगा, जबकि दूसरा व्यक्ति हाथ में केवल जंग लगा हथौड़ा लेकर उसी में खड़ा रहेगा! दूसरों को पीछे धकेलने में जो शक्ति व्यर्थ होती है, अगर वही शक्ति अपने निर्माण में लगाई जाती, तो इंसान कहाँ से कहाँ पहुँच गया होता।

जब खगोलशास्त्री गैलीलियो ने यह सिद्ध किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है, तब व्यवस्था तंत्र की पुरानी मान्यताएँ हिल गईं। उनके पास विज्ञान और सत्य का कोई उत्तर नहीं था, इसलिए पूरे तंत्र ने मिलकर गैलीलियो पर झूठे आरोप मढ़े और उन्हें कैद कर लिया। परिणाम क्या हुआ? सदियों बाद आज भी पूरी दुनिया गैलीलियो के सत्य के आगे झुकती है, जबकि उन्हें दबाने निकला झुंड इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया गया।बगीचे में एक छोटा पेड़ लगातार बड़े और घने पेड़ से ईर्ष्या करता रहा कि लोग केवल बड़े पेड़ की छाया और फूलों की ही प्रशंसा करते हैं। यदि वह अपनी शाखाएँ फैलाने और जड़ें गहरी करने में मेहनत करता, तो वह स्वयं वटवृक्ष बन सकता था; लेकिन अगर वह बड़े पेड़ के पत्ते काटने में ही लगा रहेगा, तो कभी अपनी वसंत नहीं देख पाएगा। दूसरों के बगीचे से फूल तोड़ लेने से आपके आँगन में कभी बहार नहीं आती।

कायरता के रास्ते ऐसे लोगों की एक स्पष्ट पहचान होती है–उनकी आँखों में आँखें डालकर सामने खड़े रहने की हिम्मत नहीं होती। इसलिए वे कायरता के रास्ते खोजते हैं किसी कोने में इकट्ठा होकर व्यर्थ की बातें करना और अपनी असफलता छिपाने के लिए सफल व्यक्ति के काम में अड़ंगे डालना। प्रत्यक्ष रूप से कोई नुकसान न पहुँचा पाने पर वरिष्ठ अधिकारियों या सहयोगियों के कान भरना, अफवाहें फैलाना और मानसिक रूप से तोड़ने के लिए ताने कसना।

आग खुद लगाना, षड्यंत्र खुद रचना और जब पोल खुलने लगे तो खुद ही लाचार और पीड़ित होने का ढोंग करना। याद रखें, गुटबाजी और चुगलखोरी पर बने रिश्ते कभी लंबे नहीं टिकते। जो आज आपके खिलाफ किसी तीसरे के साथ मिलकर साजिश रच रहा है, वह कल किसी चौथे के साथ मिलकर उसी साथी की टाँग खींचेगा। कर्म का सिद्धांत बूमरैंग जैसा है–जिस गति से आप पत्थर फेंकते हैं, उसी गति से वह लौटकर आपके अपने ही माथे पर लगता है।

इस चक्रव्यूह के सामने अडिग रहने का अचूक मार्ग

जब पूरा झुंड आपको गिराने के लिए मैदान में उतरा हो, तब गर्व महसूस कीजिए कि आपका प्रभाव कितना प्रचंड होगा! एक साधारण व्यक्ति को रोकने के लिए इतने सारे कायरों को एकजुट होने की कभी आवश्यकता नहीं पड़ती। ऊर्जा बचाएँ, स्पष्टीकरण न दें: हर व्यर्थ बात पर प्रतिक्रिया देंगे तो कीचड़ आप पर ही उड़ेगा। आपका मौन आपकी सबसे मजबूत ढाल है और आपका परिणाम आपकी सबसे तीखी तलवार।

अपनी लकीर लंबी करें: जो व्यक्ति आपकी लकीर मिटाना चाहता है, उससे उलझने में समय बर्बाद करने के बजाय अपनी मेहनत से अपनी लकीर इतनी लंबी कर दें कि उसकी पहुँच से बाहर हो जाए।

दूरी बनाए रखें, उनके स्तर पर न गिरें: अपनी ऊँचाई ऐसी बनाएँ कि आपको बड़ा दिखने के लिए किसी और को छोटा साबित करने की ज़रूरत ही न पड़े। दीपक जब प्रज्वलित होता है, तब पतंगे उसके चारों ओर घेरा बनाते ही हैं; लेकिन याद रखना–दीपक की लौ नहीं

बुझती, घेरा बनाने वाले पतंगे स्वयं ही जलकर खाक हो जाते हैं। दूसरों की सफलता रोकने में कामयाब हुआ इंसान भी वास्तव में जीवन भर असफल ही रहता है; क्योंकि उसने किसी को नीचे तो गिरा दिया, पर स्वयं कभी एक पायदान भी ऊपर नहीं चढ़ सका। आपकी प्रतिभा किसी के प्रमाणपत्र या गुटबाजी की मोहताज नहीं है। जब षड्यंत्रकारी इकट्ठा होने लगें, तो समझ लेना कि आप वह वटवृक्ष हैं जिसकी जड़ें हिलाने के लिए पूरा बवंडर भी छोटा पड़ रहा है। अडिग रहिए, निडर रहिए और अपनी प्रगति की दहाड़ से पूरे झुंड को स्तब्ध कर दीजिए!

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

सूरत में सूदखोरी का नया हिसाब: पैसा लिया था या अपनी इज्जत गिरवी रखी थी?

सूरत। शहर में सूदखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के दावे लगातार सुनाई देते हैं। कहा जाता है कि ब्याज के नाम पर आम लोगों का शोषण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस कार्रवाई भी होती है, मामले दर्ज भी होते हैं और चेतावनी भी जारी होती है। लेकिन मोटा वराछा से सामने आया कथित मारपीट का वीडियो इन तमाम दावों के बीच एक असहज सवाल खड़ा कर देता है–आखिर कानून का डर जमीन पर कितना है? बताया जा रहा है कि ब्याज पर लिए गए पैसे समय पर नहीं चुकाने के बाद एक युवक को हिसाब-किताब के बहाने कार्यालय बुलाया गया। आरोप है कि वहां दरवाजा बंद कर उसके साथ मारपीट की गई और उसे लगातार थप्पड़ मारे गए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच शुरू हुई। अब जरा इस दृश्य को समझिए। एक तरफ कानून की किताब कहती है कि पैसे की वसूली के लिए न्यायिक प्रक्रिया है, पुलिस है, अदालत है और कानूनी रास्ता है। दूसरी तरफ अगर कोई व्यक्ति खुद ही वसूली अधिकारी, न्यायाधीश और सजा देने वाला बनने लगे तो फिर कानून व्यवस्था की जरूरत ही क्या रह जाती है? पांच थप्पड़ सिर्फ चेहरे पर नहीं, कानून के भरोसे पर भी? अगर वीडियो में दिखाई दे रही घटना की पुलिस जांच में पुष्टि होती है, तो सवाल केवल पांच थप्पड़ों का नहीं होगा। सवाल यह होगा कि किसी व्यक्ति को पैसे के लेन-देन के विवाद में कानून हाथ में लेने का साहस आखिर कहां से मिला? क्या इसलिए कि उसे भरोसा है कि सामने वाला कमजोर है? क्या इसलिए कि कर्ज लेने वाला पुलिस और अदालत के चक्कर से डरता है? या फिर इसलिए कि सूदखोरी का कारोबार इतना मजबूत हो चुका है कि दबाव और धमकी भी वसूली के औजार बन गए हैं? कर्ज देना अपराध नहीं, लेकिन कर्ज की वसूली के नाम पर कानून अपने हाथ में लेना किसी भी सभ्य व्यवस्था में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सूदखोरी पर कार्रवाई सिर्फ प्रेस नोट तक सीमित न रहे यहां पुलिस प्रशासन के सामने भी एक महत्वपूर्ण सवाल है। यदि किसी इलाके में ब्याज पर पैसा देने वालों द्वारा लोगों को धमकाने, दबाव बनाने या मारपीट करने की शिकायतें आती हैं, तो कार्रवाई केवल घटना के बाद क्यों हो? क्यों न से संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क की नियमित निगरानी हो? क्यों न पीड़ितों के लिए आसान शिकायत व्यवस्था बनाई जाए? क्यों न पुलिस यह पता लगाए कि एक ही इलाके में कौन-कौन लोग लगातार ऊंचे ब्याज पर रकम बांट रहे हैं और वसूली के लिए दबाव बना रहे हैं? क्योंकि सूदखोरी का असली डर सिर्फ ब्याज की दर नहीं है। असली डर तब पैदा होता है जब कर्जदार को पैसे से ज्यादा अपनी सुरक्षा की चिंता होने लगे। व्यंग्य यह है कि 'हिसाब' के लिए अब कानून नहीं, थप्पड़ चाहिए? मोटा वराछा की घटना अगर जांच में सही साबित होती है, तो यह हमारे समाज के लिए भी आईना है। लगता है जैसे कुछ लोगों ने कानून की व्यवस्था को अपनी सुविधा के हिसाब से समझ लिया है–पैसा दिया हमने, ब्याज तय किया हमने, वसूली करेंगे हम और सजा भी हम ही देंगे। बस एक चीज भूल गए–कानून भी इस देश में मौजूद है। और अगर पैसा वसूलने के लिए बंद कमरा, धमकी और मारपीट का सहारा लेना पड़े, तो यह महज लेन-देन का विवाद नहीं रह जाता। यह कानून के प्रति उस मानसिकता का संकेत बन जाता है जिसमें ताकतवर व्यक्ति खुद को नियमों से ऊपर समझने लगता है। वीडियो वायरल होने के बाद उतरांव पुलिस ने जांच शुरू की है। पुलिस के मुताबिक वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों और पीड़ित की पहचान की जा रही है तथा तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। अब देखना यह है कि यह मामला भी कुछ दिनों की सुर्खियों के बाद फाइलों में दब जाता है या पुलिस वास्तव में पूरे कथित सूदखोरी नेटवर्क तक पहुंचती है। क्योंकि सवाल सिर्फ एक युवक के साथ हुई कथित मारपीट का नहीं है। सवाल यह है कि सूरत में कर्ज देने वालों का हिसाब पुलिस करेगी या सूदखोर खुद ही थप्पड़ मारकर अपना हिसाब-किताब पूरा करते रहेंगे?

गुस्सा, गोल्डन मोमेंट और धक्का स्टार्ट राजस्थान की 'चलती-फिरती' राजनीति

दुष्यंत कुमार ने लिखा था– 'हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।' राजस्थान में कुछ जनप्रतिनिधि शायद इस पंक्ति को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले रहे हैं। श्रीगंगानगर के विधायक जयदीप बिहाणी का ताजा मामला इसका उदाहरण है। सभापति-उपसभापति के पदभार ग्रहण समारोह में बुके को लेकर विवाद हुआ और विधायक जी का पारा चढ़ गया। बात इतनी बढ़ी कि लोगों को बीच-बचाव कर उन्हें शांत कराना पड़ा। अब सवाल यह है कि सार्वजनिक जीवन में बुके फूलों के लिए होते हैं या राजनीतिक तापमान नापने का नया थर्मामीटर बन गए हैं? मंच छोटा हो तो कुर्सियां कम पड़ सकती हैं, लेकिन जनप्रतिनिधियों का धैर्य इतना छोटा नहीं होना चाहिए कि एक गुलदस्ता भी विवाद का कारण बन जाए। उधर, बाड़मेर के युवा विधायक रविंद्र सिंह भाटी का क्रिकेट वाला अंदाज बिल्कुल अलग रहा। लेदर की गेंद देखकर उन्हें बच्चों की चिंता हुई। यानी राजनीति में कोई मंच पर बुके से नाराज है तो कोई मैदान में गेंद की सुरक्षा देख रहा है। दोनों प्रसंगों में एक समानता जरूर है–जनप्रतिनिधि कैमरे के सामने हैं और जनता पीछे खड़ी तमाशा देख रही है। जयपुर में पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी का म्यूजियम के बाहर जवाब दे जाना भी व्यवस्था पर व्यंग्य करने को मजबूर करता है। पुलिस की गाड़ी अगर खुद धक्का मांगने लगे तो अपराधी को पकड़ने की रफ्तार का अंदाजा लगाया जा सकता है। पुलिस के पैर ही कमजोर पड़ जाएं तो कानून की दौड़ कैसी होगी? चेतक नाम रखने से गाड़ी महाराणा प्रताप का घोड़ा नहीं बन जाती। उसके लिए मेंटेनेंस भी जरूरी है। और इसी राजस्थान में आसावरा के शंभूलाल जैसे कलाकार हैं, जो पत्ते से सुर निकालकर बताते हैं कि हुनर को मंच नहीं, सिर्फ पहचान चाहिए। जंगल में बकरियां चराते-चराते उन्होंने पत्ते को वाद्ययंत्र बना दिया। एक सैलानी ने उनका हुनर देखा और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिया।

पीयूष गौत्तम

पितृ पक्ष आज से शुरू, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या पर होगा समापन

29 सितंबर को महाभरणी और 4 अक्टूबर को मातृ नवमी

सनातन धर्म में पितृ पक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता का विशेष पर्व माना जाता है। इस वर्ष पितृ पक्ष की शुरुआत 26 सितंबर 2026, शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध के साथ होगी और 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या पर इसका समापन होगा। श्राद्ध पक्ष को कनागत के नाम से भी जाना जाता है। इस दौरान परिवारजन अपने दिवंगत पूर्वजों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध और अन्य धार्मिक कर्म करते हैं। श्राद्ध चिंतामणि ग्रंथ में श्राद्ध कर्म को महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा बताया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पितरों के निमित्त श्रद्धापूर्वक किया गया तर्पण पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध के बाद 27 सितंबर को प्रतिपदा और 28 सितंबर को द्वितीया श्राद्ध होगा। 29 सितंबर को तृतीया के साथ महाभरणी श्राद्ध रहेगा। भरणी नक्षत्र में किए जाने वाले श्राद्ध का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। 30 सितंबर को चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध तथा 1 अक्टूबर को पंचमी के बाद षष्ठी श्राद्ध होगा। 2 अक्टूबर को सप्तमी, 3 अक्टूबर को अष्टमी और 4 अक्टूबर को नवमी श्राद्ध होगा। नवमी को मातृ नवमी के रूप में भी जाना जाता है। 5 अक्टूबर को दशमी, 6 अक्टूबर को एकादशी, 7 अक्टूबर को द्वादशी एवं मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर को त्रयोदशी और 9 अक्टूबर को चतुर्दशी श्राद्ध होगा। पितृ पक्ष का सबसे महत्वपूर्ण दिन 10 अक्टूबर को आने वाली सर्वपितृ अमावस्या मानी जाती है। जिन पूर्वजों की श्राद्ध तिथि ज्ञात नहीं हो या किसी कारण निर्धारित तिथि पर श्राद्ध न हो पाया हो, उनके लिए इस दिन श्राद्ध करने की परंपरा है। श्राद्ध के दौरान दोपहर में जल में तिल मिलाकर तर्पण, ब्राह्मण भोजन, गौ ग्रास और जरूरतमंदों को भोजन कराने की परंपरा बताई गई है। पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः' और पितृ देवताभ्यो नमः' जैसे मंत्रों के जाप के साथ श्रद्धा और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

नंदीग्राम उपचुनाव से पहले मिलन प्रधान पर कानूनी शिकंजा, हाईकोर्ट की राहत के बाद डिवीजन बेंच ने पलटा आदेश

2007 के केस में कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को राहत

नंदीग्राम उपचुनाव से पहले कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान से जुड़े पुराने मामलों को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। 2007 के नंदीग्राम आंदोलन से जुड़े मामलों में गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में भेजे गए प्रधान को 24 सितंबर को कलकत्ता हाईकोर्ट की एकल पीठ से अंतरिम राहत मिली थी। अदालत ने खेजुरी थाने में दर्ज 2007 के एक मामले में पुलिस को 12 अक्टूबर तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। साथ ही अदालत ने कहा था कि प्रधान को इस मामले में गिरफ्तार नहीं माना जाए और उन्हें नंदीग्राम उपचुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए। हालांकि, 25 सितंबर को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एकल पीठ के इस आदेश को पलट दिया। इसके बाद प्रधान की न्यायिक हिरासत बरकरार रही। एकल पीठ के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने सुनवाई के दौरान 2007 में दर्ज मामले में करीब 19 साल बाद कार्रवाई किए जाने पर सवाल उठाया था। अदालत ने यह भी पूछा था कि यदि इस मामले में गिरफ्तारी वारंट पहले से मौजूद था तो इतने वर्षों तक जांच अधिकारी ने क्या कार्रवाई की। राज्य सरकार की ओर से यह दलील दी गई थी कि ये मामले पहले वापस लिए गए थे, लेकिन जनहित याचिका के बाद 2021 में

इन्हें फिर बहाल किया गया और वारंट जारी हुए। अदालत ने यह भी कहा था कि रिकॉर्ड में ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे यह स्पष्ट हो कि खेजुरी मामले में प्रधान को प्रोडक्शन वारंट विधिवत उपलब्ध कराया गया था। इसी आधार पर एकल पीठ ने संबंधित मामले में 12 अक्टूबर तक पुलिस को आगे की कार्रवाई से रोक दिया था। इस आदेश के बाद उनके चुनाव लड़ने और प्रचार करने को लेकर राहत की स्थिति बनी थी। लेकिन राज्य सरकार की चुनौती के बाद डिवीजन बेंच ने एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया। प्रधान को सितंबर में2007 के नंदीग्राम आंदोलन से जुड़े अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था। निचली अदालतों ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा। 23 सितंबर को एक मामले में उन्हें 7 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की जानकारी सामने आई थी।

इससे उनके लिए उपचुनाव के दौरान सीधे तौर पर प्रचार करना मुश्किल हो गया। नंदीग्राम विधानसभा सीट पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को होना है। यह सीट मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद खाली हुई। अधिकारी ने विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से जीत दर्ज की थी और बाद में भवानीपुर सीट बरकरार रखने के लिए नंदीग्राम सीट छोड़ दी। इसी वजह से नंदीग्राम में उपचुनाव कराया जा रहा है। नंदीग्राम 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के कारण पश्चिम बंगाल की राजनीति में महत्वपूर्ण रहा है। इसी दौर में कई आपराधिक मामले दर्ज हुए थे। अब करीब दो दशक पुराने मामलों में हुई कार्रवाई और उपचुनाव से ठीक पहले अदालतों के अलग-अलग आदेशों ने मिलन प्रधान के मामले को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ दिया है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार)
26 सितंबर 2026

10 बैल खरीदकर लौट रहे थे आदिवासी किसान, रास्ते में गौसेवकों ने रोककर करा दी FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। गुना में खेती के लिए 10 बैल लेने पहुंचे अलीराजपुर के आदिवासी किसानों के दो वाहनों को गौसेवकों ने बीच रास्ते में रोक लिया. वाहनों में 10 बैल थे. किसानों के पास मंत्री नागर सिंह चौहान का पत्र भी था, जिसमें 5 किसानों को 10 बैल ले जाने की अनुमति देने का अनुरोध था. पुलिस ने छह लोगों पर FIR दर्ज की.मध्य प्रदेश के गुना में पशुओं से भरे दो वाहनों को गौसेवकों द्वारा रोकने का मामला सामने आया है. बताया गया कि अलीराजपुर के आदिवासी किसान गुना के छिकारी गांव से खेती के लिए बैल लेने पहुंचे थे. दोनों वाहनों में कुल 10 बैल ले जाए जा रहे थे. गौसेवकों को सूचना मिली थी कि पशुओं को अवैध रूप से ले जाया जा रहा है. इसके बाद उन्होंने दोनों वाहनों को रोक लिया और कैंट पुलिस को इसकी सूचना दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया.इस मामले में सबसे अहम बात यह सामने आई कि किसानों के पास कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान का एक पत्र भी था. यह पत्र फतेहगढ़ थाना प्रभारी के नाम जारी किया गया था. पत्र में लिखा गया था कि अलीराजपुर के पांच किसानों को खेती के लिए गुना के छिकारी गांव से कुल 10 बैल ले जाने की अनुमति दी जाए. पत्र में दोनों वाहनों के नंबर भी दर्ज थे. इनमें MP45 G 2710 और MP69 त 1140 शामिल हैं. पत्र में दोनों वाहनों में पांच-पांच बैल ले जाने का उल्लेख किया गया था. किसानों के पहचान पत्र, जमीन के कागज और अन्य दस्तावेज भी पत्र के साथ संलग्न होने की बात कही गई है.सामने आए पत्र में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने बैल ले जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था. यानी किसान खेती के काम के लिए बैल लेकर अलीराजपुर जाना चाहते थे. इसके बावजूद रास्ते में गौसेवकों ने वाहनों को रोक लिया. गौसेवकों ने पशुओं के परिवहन को लेकर आपत्ति जताई और पुलिस को इसकी सूचना दी.गौसेवक मोनू ओझा के अनुसार, गौवंश के गले में रस्सियां बंधी हुई थीं.

गर्लफ्रेंड ने बात करना बंद कर दिया था... बॉयफ्रेंड को ब्रेकअप मंजूर नहीं था, गुस्से में चाकू से कर दिया अटैक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सतना में दिनदहाड़े एक स्कूटी सवार युवती पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया. हमले के पीछे की कहानी ये सामने आई है कि उसका एक लड़के से अफेयर था. लेकिन किसी वजह से ब्रेकअप हो गया था. इसी बात से लड़का नाराज था और उसी को लेकर उसने घटना को अंजाम दे दिया.मध्य प्रदेश के सतना में कलेक्ट्रेट गेट के पास दिनदहाड़े स्कूटी से जा रही एक युवती पर चाकू से हमला कर दिया गया. हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने कुछ ही घंटे में उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक, आरोपी और युवती के बीच पहले प्रेम संबंध थे. युवती ने उससे बातचीत बंद कर दी थी, इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने उस पर हमला किया. घटना 24 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे की है. सतना शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में कलेक्ट्रेट गेट के सामने अचानक एक स्कूटी सवार युवती पर चाकू से हमला कर दिया गया. पीड़ित युवती के मुताबिक, वह स्कूटी से जा रही थी. तभी पीछे से एक युवक आया और उस पर चाकू से हमला कर दिया. हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. पीड़िता ने कहा कि उसे शुरुआत में समझ नहीं आया कि हमला किसने किया. उसके मुताबिक, आरोपी पीछे से आया था और हमला करने के बाद भाग गया. घटना के बाद दो पुलिसकर्मी मौके पर मिले और आरोपी को पकड़ने की कार्रवाई शुरू हुई. पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान सागर उर्फ सूरज जाटव के रूप में हुई है. सीएसपी सतना मनीष त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी और युवती के बीच करीब दो साल से बातचीत थी और दोनों के बीच पुराने प्रेम संबंध थे. पुलिस के अनुसार, कुछ समय पहले युवती ने आरोपी से बातचीत बंद कर दी थी. इसी को लेकर आरोपी नाराज था.

भगवा रंग, आधुनिक सुविधाएं, एमपी की सड़कों पर 21 साल बाद लौटीं सरकारी बसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। 21 साल बाद मध्य प्रदेश में एक बार फिर से सरकारी बसों की शुरुआत हो गई है। भोपाल से सीएम मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की है। सार्वजनिक बस सेवा की शुरुआत से आमलोगों का सफर आसान हो जाएगा। ये बसें आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं।

एमओयू का आदान-प्रदान हुआ

सीएम मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री गडकरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संचालन के लिए मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध संचालक मनीष सिंह और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के निर्देशक प्रोफेसर कैलाश राव एम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ।

2000 में बंद हो गई थीं सरकारी बसें

राज्य सरकार ने कहा कि यह दोबारा शुरुआत उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन से प्रेरित है, जिसका मकसद ग्रामीण और शहरी आबादी, खासकर दूरदराज के इलाकों तक किफायती, सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुविधा पहुंचाना है। मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को 2000 के दशक की शुरुआत में बंद कर दिया गया था, जिससे सार्वजनिक परिवहन काफी हद तक निजी ऑपरेटरों पर निर्भर हो गया था।

1500 बसों की सौगात

सीएम मोहन यादव ने कहा कि सुगम परिवहन के लिए प्रदेश की जनता को 1500 बसों की सौगातें मिली हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि बड़े पैमाने पर सड़क परिवहन की मांग हो रही है। हमने संकल्प लिया था कि सड़क परिवहन की सेवा को स्थापित करेंगे। गडकरी जी ने एमपी को खुले हाथों से सौगात दी है। उन्होंने बसों के साथ-साथ कई सड़कों की सौगात दी है। शाहपुरा में उन्होंने टोल फ्री कर दिया है।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने राज्य परिवहनों की बसों के चक्के जाम कर दिया। कांग्रेस ने लगातार षड्यंत्र किया। इनकी कार्यप्रणाली में न सड़क, न बिजली, न पानी और हर क्षेत्र में हाहाकार है।

'पत्नी कहती है बॉयफ्रेंड को जयमाला पहनाऊंगी...' शख्स ने वीडियो बनाया, कहानी बयां कर खत्म कर ली जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। झांसी में एक 45 साल के शख्स की मौत के बाद उसके दो वीडियो सामने आए हैं. वीडियो में वह पत्नी और एक युवक पर गंभीर आरोप लगा रहा है. उसका कहना है कि पत्नी का किसी युवक के साथ अफेयर है और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई. वीडियो में वह यह भी कहता है कि पत्नी उससे कह रही थी कि वह उसे नहीं रखेगी और बॉयफ्रेंड को जयमाला पहनाएगी.यूपी के झांसी में एक शख्स ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. उसने अपनी पत्नी पर बेवफाई का आरोप लगाया है. मौत से पहले का उसका वीडियो सामने आया है, जिसमें उसने कहा कि पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड ने मुझे कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा. अब पत्नी कह रही है कि वह मुझे नहीं रखेगी और बॉयफ्रेंड के साथ जयमाला डालेगी. इसलिए मैंने जहर खा लिया. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया.मृतक का नाम जितेंद्र अहिरवार है. उसकी उम्र करीब 45 वर्ष है. वह झांसी में मोंठ थाना क्षेत्र के ग्राम पावई का रहने वाला था. उसके दो बेटे और एक बेटा है. बड़ा बेटा कपिल बोल नहीं पाता. छोटे बेटे आशीष और नीलम की शादी हो चुकी थी. करीब 3 साल पहले आशीष की मौत हो गई थी. इसके बाद जितेंद्र अपनी पत्नी, बेटा और बहू के साथ झांसी में पंचवटी कॉलोनी में किराए पर रहने लगा था. यहां जितेंद्र प्राइवेट काम करता था. गांव में लगभग ढाई बीघा खेती है. इसलिए कभी-कभार गांव भी आता-जाता रहता था.चचेरे भतीजे करण ने बताया कि उसके चाचा जितेंद्र अपने परिवार के साथ झांसी में रहते थे. यहां एक युवक का घर पर आना जाना था. इसलिए चाची से दोस्ती हो गई, जो जल्द ही प्यार में बदल गई. जब चाचा को इसका पता चला तो विवाद होने लगा. विवाद बढ़ने पर चाची और उनके प्रेमी ने चाचा को कमरे में बंद कर मारपीट की. इससे चाचा दुखी हो गए.बुधवार को चाचा गांव पावई आए और जहर खा लिया. तबीयत बिगड़ने पर हम लोग पहुंचे तो चाचा ने ही चाची के अफेयर और दुखी होकर जहर खाने की बात बताई. तब हम लोगों ने पुलिस को बुलाया. पुलिस के सामने चाचा ने वीडियो में बताया कि मेरी पत्नी का किसी युवक के साथ अफेयर है. वो हमारी बात नहीं मानती है. शराब पीकर मेरे साथ मारपीट की. तब घर आकर उसने आत्महत्या कर ली. प्रदीप का नाम लिया है.भतीजे करण ने कहा कि चाचा ने वीडियो में बताया था कि उनकी पत्नी का किसी से अफेयर था. विरोध करने पर मारपीट की गई. उन्होंने जहर कहां खाया, यह पता नहीं. जब वह गांव आए तब पता चला. उन्हें झांसी मेडिकल कालेज लाया गया, जहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.जितेंद्र के मरने से

पहले के दो वीडियो सामने आए.

'दवाओं और टेस्ट के नाम हिंदी में लिखें', यूपी में डॉक्टरों के लिए डिप्टी CM ब्रजेश पाठक ने लिखी चिट्ठी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यूपी के डॉक्टरों के नाम एक लेटर लिखा है. उन्होंने दवाओं और जांच के नाम हिंदी या देवनागरी लिपि में लिखने को कहा है,. उन्होंने कहा कि मातृभाषा में मरीजों से संवाद करने से उनका भरोसा बढ़ेगा और इलाज बेहतर समझ में आएगा.उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश भर के डॉक्टरों को पत्र लिखा है. उन्होंने डॉक्टरों से दवाओं और टेस्ट के नाम हिंदी में लिखने को कहा है. उनका कहना है कि इससे मरीजों को यह समझने में आसानी होगी कि उन्हें कौन सी दवा दी जा रही है.ब्रजेश पाठक ने अपने पत्र में डॉक्टरों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने को भी कहा है. उन्होंने कहा कि अगर डॉक्टर भोजपुरी, अवधी जैसी स्थानीय भाषाओं में मरीजों से बात करेंगे तो मरीज उनकी बात को ज्यादा आसानी से समझ पाएंगे. इससे डॉक्टरों के प्रति उनका भरोसा भी बढ़ेगा.डिप्टी सीएम ने कहा कि वह निजी स्तर पर उन दवाओं को प्राथमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे. उन्होंने हिंदी का इस्तेमाल करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित करने की बात भी कही है.ब्रजेश पाठक ने अपने पत्र में लिखा कि वह सिर्फ उप मुख्यमंत्री या स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि एक राष्ट्र प्रेमी भारतीय के रूप में डॉक्टरों से यह करने को कहा है. उन्होंने डॉक्टरों से मरीजों के लिए दवाओं और जांचों के नाम हिंदी या देवनागरी लिपि में लिखने को कहा है.ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोक भाषा में काम करने से मरीजों का विश्वास बढ़ेगा. जब मरीज अपनी भाषा में डॉक्टर से अपनी परेशानी बता पाएगा और डॉक्टर भी उसी भाषा में जवाब देंगे तो इलाज को समझना आसान होगा. उनका कहना है कि स्थानीय भाषा में बातचीत से मरीज डॉक्टर की सलाह को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे.ब्रजेश पाठक ने पत्र में पंडित दीन दयाल उपाध्याय का भी जिक्र किया है. उन्होंने कहा कि आज हिंदी और भारतीय भाषाओं के अधिक से अधिक इस्तेमाल का संकल्प लिया जा सकता है. उन्होंने दीन दयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरणा मिलने की बात कही.उन्होंने लोकतंत्र, लोकलाज और लोकभाषा का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र लोकलाज और लोकभाषा से मजबूत होता है. राष्ट्रीय एकता भी हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं को मजबूत करने से सशक्त होगी.डिप्टी सीएम ने अपने लेटर में सुभाष चंद्र बोस और स्वामी दयानंद सरस्वती का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद सरकार की राष्ट्रीय भाषा हिंदी घोषित की थी.

'खूबसूरत ताजमहल, लेकिन बाहर बैठा स्कैम!'... आयरिश कपल का वीडियो वायरल होते ही एक्शन में आई आगरा पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। आगरा आए आयरिश कपल ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर ताजमहल की जटिल टिकटिंग प्रक्रिया और गाइडों द्वारा बिना लाइन एंट्री के नाम पर ?1000 वसूली को 'स्कैम' बताया. मामला सामने आने पर आगरा पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गाइड मो. शादाब को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है.आगरा का ताजमहल देखने भारत आए एक आयरिश कपल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. कपल ने ताजमहल की खूबसूरती की जमकर तारीफ की, लेकिन यहां टिकट लेने और गाइड के जरिए ताजमहल में प्रवेश कराने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए. कपल ने अपने अनुभव को बताते हुए बाहर निकलने के बाद गाइड की गतिविधियों के लिए 'स्कैम' यानी ठगी शब्द का इस्तेमाल किया. वीडियो सामने आने के बाद आगरा पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया और एक गाइड को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है. आयरिश कपल ने अपने वीडियो में ताजमहल की टिकटिंग प्रक्रिया का अनुभव साझा किया है. उनका कहना है कि टिकट लेने की प्रक्रिया को काफी जटिल बनाया गया है और लंबी लाइन से बचने के नाम पर उनसे करीब 1000 रुपये तक लिए जाने की बात सामने आई. कपल के मुताबिक, कुछ गाइड विदेशी पर्यटकों को सरकारी व्यवस्था को लेकर डराते हैं और उन्हें यह विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं कि बिना उनकी मदद के ताजमहल में प्रवेश करना मुश्किल होगा. इसी डर और भ्रम का फायदा उठाकर उनसे पैसे लिए जाते हैं.

गाइडों ने बिना लाइन प्रवेश कराने के नाम पर मांगे पैसे

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो/ट्वीट का पुलिस ने 24 सितंबर 2026 को तत्काल संज्ञान लिया. पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि ताजमहल के पश्चिमी गेट पर विदेशी पर्यटक से दो गाइड- मो. शादाब और दिनेश विदेशी पर्यटक को गुमराह कर बिना लाइन ताजमहल में प्रवेश कराने के नाम पर अवैध धनराशि मांग रहे थे.

पुलिस ने एक गाइड को किया गिरफ्तार

मामले में पर्यटन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मो. शादाब को गिरफ्तार कर लिया. उसके खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है. वहीं, पुलिस दूसरे गाइड दिनेश की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है.

लाइसेंस निरस्त कराने की भी तैयारी

पुलिस के मुताबिक, दोनों गाइडों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के साथ उनके गाइड लाइसेंस निरस्त कराने के लिए पर्यटन विभाग को भी रिपोर्ट भेजी जा रही है. विदेशी पर्यटकों के अनुभव का वीडियो वायरल होने के बाद अब यह मामला ताजमहल पर पर्यटकों की सुविधा, टिकट व्यवस्था और गाइडों की भूमिका को लेकर चर्चा में है. पुलिस की कार्रवाई के बाद यह भी साफ है कि पर्यटकों को गुमराह कर बिना लाइन प्रवेश कराने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप सामने आने पर प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है.

यमुना एक्सप्रेसवे अग्निकांडः बीमार बेटे को बस की खिड़की से बाहर निकाल बचाया, खुद नहीं निकल पाए हरिशरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार की देर रात हुए स्लीपर बस अग्निकांड ने उरई निवासी एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बीमार बेटे को सही सलामत घर लाने के लिए नोएडा गए 55 वर्षीय हरिशरण गुप्ता जिंदगी और मौत के बीच फंसे बेटे के लिए ढाल बन गए। चलती बस में अचानक आग लगने पर उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बेटे ओम गुप्ता को खिड़की से बाहर कुदाकर उसकी जान बचा ली, लेकिन खुद बाहर नहीं निकल सके। आग की लपटों में घिरकर उनकी मौत हो गई। राजेंद्र नगर में हरिशरण गुप्ता परिवार के साथ रहते थे। वह एक कंपनी में एकाउंटेंट थे। परिवार में पत्नी ज्योति, तीन बेटियां राधिका, रिचा और मानसी और बेटा ओम गुप्ता हैं। ओम नोएडा में रहकर बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। इन दिनों उसकी तबीयत खराब चल रही थी। बेटे की बीमारी की जानकारी मिलने पर हरिशरण मंगलवार को नोएडा पहुंचे थे। बेटे की हालत देखने के बाद उन्होंने उसे अपने साथ उरई लाने का फैसला किया। परिवार को उम्मीद थी कि बेटे के घर लौटने से उसकी देखभाल बेहतर तरीके से हो सकेगी। रात करीब नौ बजे पिता-पुत्र उरई आने वाली स्लीपर बस में सवार हुए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर आखिरी बन जाएगा यमुना एक्सप्रेसवे पर पहुंचते ही बस में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलने लगी और बस के अंदर धुआं भरने लगा। आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हर कोई अपनी जान बचाने के लिए बस से बाहर निकलने की कोशिश करने लगा। इसी अफरा-तफरी के बीच हरिशरण की नजर अपने बीमार बेटे ओम पर पड़ी। बेटे को आग की चपेट में आने से बचाने के लिए उन्होंने तत्काल उसे बस की खिड़की से बाहर फेंक दिया। ओम घायल अवस्था में बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई, लेकिन बेटे को बचाने की कोशिश में हरिशरण खुद बस से बाहर नहीं निकल सके। थोड़ी ही देर में आग की लपटों ने उन्हें घेर लिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मेरठ में ग्राहकों को ऑन डिमांड सप्लाई करती थी गोमांस, बेटे बिलाल संग पकड़ी गई रिहाना खातून

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ । मेरठ में पुलिस ने रिहाना खातून और उनके बेटे बिलाल को घर से गोमांस के आरोप में अरेस्ट किया है। दावा है कि रिहाना घर से ग्राहकों को ऑन डिमांड गोमांस उपलब्ध कराती थी। पति शौकीन और बेटा आवारा गोवंशों को पकड़कर जंगल में गोकशी करते थे। पुलिस शौकीन को पहले ही जेल भेज चुकी है। रिहाना और बिलाल फरार चल रहे थे जिन्हें अब पकड़ लिया गया है। ये मामला भावनपुर के किनानगर का है। यहां रहने वाले शौकीन का पूरा परिवार गोकशी करता था। बीते नौ सितंबर को खेतों में गोवंश के अवशेष मिले थे। हिंदू संगठनों के हंगामा करने के बाद पुलिस जांच शुरू हुई। इस दौरान पता चला कि शौकीन जंगल में गोकशी करता था। उसकी पत्नी रिहाना और बेटा बिलाल ऑन डिमांड ग्राहकों को सप्लाई करता था। पुलिस ने शौकीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। रिहाना और बिलाल फरार हो गए। अब वे भी पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं। बिलाल के ऊपर चोरी, नकबजनी और अन्य धाराओं में दो मुकदमे पहले से दर्ज है।

10 दिन पहले भी पकड़ी गई थी एक महिला

पुलिस ने करीब 10 दिन पहले भी इस इलाके से रजिया नामक महिला को गोकशी के आरोप में पकड़ा था। पुलिस ने बताया था कि रजिया अपने पति के साथ मिलकर गोकशी करने के बाद मांस को पन्नी की थैलियों में भरकर गांव के लोगों को बेचती थी।

CM मोहन यादव और उनकी बहन के घर पर चलेगा बुलडोजर, उज्जैन नगर निगम ने लगाया लाल निशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। विस्तारीकरण मार्ग में आड़े आ रहे मकानों को तोड़ा जा रहा है। इस जद में सीएम मोहन यादव का भी मकान आ गया है। उनके पैतृक मकान का कुछ हिस्सा टूटेगा। इसके साथ ही उनकी बहन कलावती यादव का मकान भी इस जद में है। दरअसल, उज्जैन के खजूर वाली मस्जिद से अब्दालपुरा, जीवाजीगंज थाना होते हुए गणेश चौक तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण होना है। यह मार्ग करीब 730 मीटर लंबा है इसे 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। इस क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण की जद में 272 इमारतें आ रही हैं। इसमें सीएम मोहन यादव का पैतृक मकान और उनकी बड़ी बहन एवं नगर निगम सभापति कलावती यादव का घर भी शामिल है। नगर निगम की टीम ने प्रभावित मकानों की नपती कर लाल निशान लगाए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिजनों का कहना है कि शहर के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों को देखते हुए वे मकान के प्रभावित हिस्से को हटाने के लिए तैयार हैं।दादा ने बनवाया था मकानबताया जा रहा है कि सीएम मोहन यादव के दादा रामचंद्र यादव ने वर्ष 1974 में यह मकान बनवाया था। इसी मकान में उनके दोनों बेटे पूनमचंद्र यादव और शंकरलाल यादव समेत परिवार के सदस्यों का बचपन बीता। पूनमचंद्र यादव के पांच बच्चों में नंदलाल यादव, नारायण यादव, मुख्यमंत्री मोहन यादव, ग्यारसी बाई और नगर निगम सभापति कलावती यादव शामिल हैं।अब यहां नहीं रहता है कोईहालांकि इस घर में अभी कोई नहीं रह रहा है। परिवार के सदस्य दूसरी जगह रहते हैं। लेकिन उनका आना-जाना लगा रहता है। नगर निगम की कार्रवाई को लेकर परिवार को कोई एतराज नहीं है। निगम ने लाल निशान लगा दिए हैं, जल्द ही कार्रवाई शुरू हो जाएगी। निगर निगम सभापति कलावती यादव ने कहा कि खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक होने वाले सड़क चौड़ीकरण में उनका पैतृक मकान भी प्रभावित हो रहा है।

बाइक सवार के चेहरे पर लिपटा चाइनीज मांझा, पलभर में उड़ गया पूरा जबड़ा, जान बचाने डॉक्टरों ने लगाने पड़े 22 टांके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। जिले में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे का इस्तेमाल लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है। बीते रोज कुंदा नदी स्थित नवग्रह पुल से बाइक पर गुजर रहे एक युवक का गला चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया। बचाव की कोशिश के दौरान धारदार मांझे ने उसके जबड़े को गहराई तक काट दिया। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने जबड़े पर 22 टांके लगाए। फिलहाल युवक की हालत में सुधार है, लेकिन डॉक्टरों ने उसे कुछ समय तक बोलने और खाने से मना किया है। हादसे में चिश्तिया नगर निवासी मुबारिक जमशेर घायल हुए हैं। उनके रिश्तेदार अफजल ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे मुबारिक बाइक से कसरावद रोड की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान नवग्रह पुल से गुजरते समय अचानक चाइनीज मांझा उनके गले में फंस गया। मुबारिक ने मांझे से बचने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान धारदार धागा उनके जबड़े को चीरता हुआ निकल गया। मांझे की धार इतनी तेज थी कि इससे जबड़े पर गहरा घाव हो गया। हादसे के बाद मुबारिक बाइक से सड़क पर गिर पड़े और उनके गले से तेजी से खून बहने लगा। घटना के बाद पुल पर मौजूद राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। कुछ राहगीरों ने मुबारिक को पहचान लिया और तत्काल उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जबड़े पर 22 टांके लगाए। अफजल ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद इसका इस्तेमाल खुलेआम हो रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह के उद्घाटन से पहले बड़ी चूक,बारापुल्ला फेज-3 से 20 मीटर लंबा बैरियर चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बारापुल्ला फेज-3 एलिवेटेड रोड का उद्घाटन किए जाने से ठीक पहले सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। मयूर विहार के पास कुछ लोगों ने एलिवेटेड रोड के किनारे लगी पॉलीकार्बोनेट शीट से बनी ब्रिज स्क्रीन का लगभग 20 मीटर लंबा हिस्सा काटकर चुरा लिया है। आपको बता दें कि यह घटना पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार के पास यमुना पर बने 3.5 किलोमीटर लंबे चार-लेन वाले एलिवेटेड कॉरिडोर पर हुई है, जो मयूर विहार को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सराय काले खां से सीधे जोड़ता है। इस स्टील बैरियर का निर्माण सड़क के दोनों ओर गाड़ियों को पुल से नीचे गिरने से बचाने, शोर को रोकने और किनारे बने साइकिल ट्रैक व फुटपाथ का उपयोग करने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए किया गया था। दो दिन पहले जब कर्मचारी सुबह काम पर पहुंचे, तब इस चोरी का पता चला। बैरियर को माइल्ड स्टील फ्रेम से काटा गया था। लगभग 90' पूरी हो चुकी इस परियोजना के शुरू होने से पहले ही सुरक्षा ढांचे को नुकसान पहुंचाया गया है। इस घटना की जानकारी तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद लोक निर्माण विभाग ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। वर्ष 2014 में स्वीकृत और 2015 से निर्माणाधीन इस प्रोजेक्ट को 2017 में पूरा होना था, लेकिन बार-बार हुई देरी के कारण इसकी लागत 1,261 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1,635 करोड़ रुपये पहुंच गई है। वर्तमान में इसके दोनों रैंप और एक्स्ट्राडोज्ड ब्रिज (यमुना पर बना केबल-स्टेयड हाइब्रिड पुल) पूरी तरह तैयार हैं। अब उद्घाटन से ठीक पहले हुई इस चोरी के कारण सुरक्षा व्यवस्था पक्की करने और बैरियर को दोबारा लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

दिपके, सौरभ और रांका पर दर्ज हुई FIR... डीपफेक फोटो विवाद पर दिल्ली HC में आज होगी अर्जेंट सुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हाईकोर्ट ने पीएम मोदी की कथित डीपफेक तस्वीरों से जुड़े मामले में आज सुनवाई करने पर सहमति दी है. एक 25 साल की महिला ने याचिका दाखिल कर सीजेपी कार्यकर्ताओं सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उसकी तस्वीरों से छेड़छाड़ कर अश्लील डीपफेक तस्वीरें बनाईं और फैलाईं. दिल्ली हाईकोर्ट ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ कथित रूप से डीपफेक तस्वीरें बनाने और फैलाने के मामले में एक याचिका पर आज सुनवाई करने पर सहमति दे दी है. यह याचिका एक 25 साल की महिला ने दाखिल की है, जिसमें उसने दावा किया है कि सीजेपी संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उसकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ करके एआई से बनी आपत्तिजनक तस्वीरें फैलाई हैं. कोर्ट ने कहा है कि इस मामले की सुनवाई आज दोपहर के बाद हो सकती है. महिला ने अपनी याचिका में सीजेपी के चार कार्यकर्ताओं सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं. महिला का कहना है कि इन लोगों ने उसकी निजी तस्वीरों को एआई तकनीक से बदलकर पीएम मोदी के साथ एक सेक्सुअली एक्सप्लिसिट यानी अश्लील डीपफेक तस्वीर तैयार की और उसे सार्वजनिक रूप से फैलाया. याचिका में यह भी कहा गया है कि इस तस्वीर का इस्तेमाल जुलाई महीने में हुए सीजेपी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान किया गया था. डीपफेक तस्वीर उस फोटो को कहते हैं जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से इस तरह बनाया जाता है कि वह असली जैसी दिखे, जबकि असल में वह पूरी तरह से मॉर्फ की गई या बदली गई होती है. महिला के मुताबिक इस पूरी घटना की वजह से उसे बहुत मानसिक पीड़ा और लक्षित उत्पीड़न झेलना पड़ा है. इस मामले में दिल्ली पुलिस के साइबर सेल में एफआईआर नंबर 22/2026 पहले ही दर्ज की जा चुकी है. यह एफआईआर 24 सितंबर को दर्ज की गई थी. महिला की याचिका में आरोप लगाया गया है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद प्रशासनिक ढिलाई के चलते ना तो मुख्य आरोपियों यानी रिस्पॉन्डेंट नंबर 2 से 5 को गिरफ्तार किया गया है और ना ही मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक को इन तस्वीरों को इंटरनेट से हटाने के लिए कोई प्रभावी कानूनी नोटिस भेजा गया है. इसी वजह से महिला ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है और तुरंत प्रभाव से इन तस्वीरों को हटाने की मांग की है. दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आज ही सुनवाई करने का फैसला लिया है.

'आसिफ ने गन निकाली, बाकी दो ने चाकू, फिर बारी-बारी से...' कालकाजी गैंगरेप पीड़िता की आपबीती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आस्था पार्क गैंगरेप केस में पीड़िता ने पुलिस के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि उस दिन मेरा बर्थडे था। वो अपनी सिस्टर को बताकर मंदिर आई थीं। कैसे आसिफ ने अपने दोस्तों के साथ दरिंदगी पीड़िता ने जो बताया उसे सुनकर किसी का भी कलेजा फट जाएगा। नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी के कालकाजी इलाके में हुई गैंगरेप की घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह जन्मदिन के दिन दोस्त के साथ मंदिर में पूजा के लिए निकली थी। दर्शन के बाद वो रास्ते में मौजूद एक पार्क में गए। इसी दौरान अचानक ही तीन लोग वहां पहुंचे और उन्हें पकड़ा। इस के बाद उन्होंने गन निकाली और दो अन्य ने चाकू निकाला और फिर गैंगरेप किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि वह जन्मदिन के अवसर पर कालकाजी मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी। इसकी जानकारी उसने अपनी बहन को दी थी। शाम को मंदिर में पूजा पाठ के बाद वह अपने दोस्त के साथ लौटी और कालकाजी मेट्रो स्टेशन के बाहर से खाने के लिए चिप्स और पानी की बोतल खरीदी। बाद में वे दोनों इस्कॉन मंदिर जाना चाहते थे, लेकिन उसके पहले खाने-पीने के लिए एक पार्क में चले गए। यहीं तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उन्हें पकड़ा। आस्था पार्क में हुई सन्न कर देने वाली घटना से पीड़िता बेहद खौफ में है। आपबीती में उसने बताया कि कैसे आरोपियों ने पार्क में उसके दोस्त के एक तरफ ले गए। फिर आरोपी उसे झाड़ियों की ओर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आपस में बातचीत के दौरान एक लड़के ने कहा कि आसिफ भाई, गन निकाल। जिस लड़के को आसिफ कहकर बुलाया गया, उसने बैंगनी रंग की शर्ट पहन रखी थी। वह तीनों में सबसे ज्यादा मजबूत शरीर वाला था। आसिफ ने काले रंग की बंदूक निकाली और कुछ देर बाद उसे वापस अपनी जेब में रख लिया। आरोप है कि इसके बाद दोनों लड़कों ने चाकू निकाल लिए और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। आसिफ ने उसे डराया धमकाया। उसने दूसरे लड़के से कहा कि हेमू, इधर नजर रखना, कोई इस तरफ न आए। फिर आरोपी आसिफ ने गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ जबरदस्ती की। फिर हेमू और दीपू ने दरिंदगी की। पीड़िता इस दौरान रोए जा रही थी। उसके आंसू रूक ही नहीं रहे थे। गन की धमकी और चाकू गले पर रखकर जबरदस्ती की गई। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि तीनों लड़कों ने गैंगरेप के बाद उनके मोबाइल फोन वापस किए और किसी अन्य को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी थी।

'चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता पूरी तरह खत्म, CEC ज्ञानेश कुमार को देना चाहिए इस्तीफा' राज ठाकरे का हमला

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने चुनाव आयोग पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मीडिया में हाल ही में हुए खुलासों ने यह साबित कर दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला। मनसे प्रमुख ने कहा कि मीडिया में हाल ही में हुए खुलासों ने यह साबित कर दिया है कि चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए राज ठाकरे ने कहा कि ये बातें उस बात की पुष्टि करती हैं जिसका आरोप महाराष्ट्र में विपक्षी दल शुरू से ही लगाते रहे हैं। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लंबी पोस्ट कर आरोप लगाया कि सीईसी ने स्वतंत्र रूप से काम नहीं किया बल्कि उन्हें सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मनमाने फैसले लेने के लिए 'मजबूर' किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि स्वतंत्र चुनाव आयोग की अवधारणा अब सिर्फ किताबों में ही रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में 'आजादी' का मतलब सत्ताधारी पार्टी की पूरी तरह से गुलामी करना है। ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयुक्त संधू और जोशी द्वारा उठाए गए सवाल इतने गंभीर हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तीन में से दो आयुक्तों को अंधेरे में रखा जाता है और दरकिनार कर दिया जाता है, तो यह साबित होता है कि वोटर लिस्ट में मनमाने ढंग से हेरफेर की गई थी। रिपोर्ट की खास घटनाओं का जिक्र करते हुए ठाकरे ने सवाल उठाया कि वोटर लिस्ट सॉफ्टवेयर, कानूनी फॉर्म में बदलाव और बड़े पैमाने पर कानूनी अपीलों, जैसे पश्चिम बंगाल में दायर 16.1 लाख अपीलों से जुड़े अहम निर्देश पूरे आयोग की मंजूरी के बिना कैसे जारी किए जा सकते हैं। उन्होंने गोवा में तकनीकी खराबी का भी जिक्र किया, जिसकी वजह से 97 वेरिफाइड वोटर वोट नहीं डाल पाए थे। इसे उन्होंने जानबूझकर किए गए केंद्रीकरण और सिस्टम में हेरफेर का सबूत बताया। फाइल पर अपनी असहमति दर्ज करने के लिए दोनों चुनाव आयुक्तों की तारीफ करते हुए राज ठाकरे ने देशभर के सभी विपक्षी दलों से एक बड़ी लड़ाई के लिए एकजुट होने की अपील

की। ??उन्होंने कहा कि चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ लड़ाई को अब एक देशव्यापी आंदोलन का रूप लेना चाहिए, जिसमें पेपर बैलेट की वापसी की मांग हो। मनसे प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तुरंत इस्तीफे, ईसीआई के फैसलों को निर्देशित करने वाले कथित मास्टरमाइंड्स की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच, चुनाव की निष्पक्षता से समझौता करने के आधार पर मौजूदा सरकार के इस्तीफे और आने वाले सभी चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को हटाकर पारंपरिक पेपर बैलेट का इस्तेमाल करने की मांग की है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को निश्चित रूप से इस्तीफा दे देना चाहिए, लेकिन जो सरकार ऐसे कमजोर चुनाव आयोग का फायदा उठाकर सत्ता में आई है, उसे भी हट जाना चाहिए। बहुमत का दावा करने वाली सरकार के चुने जाने के बाद सड़कों पर कोई जश्न नहीं मनाया गया, यह बात बहुत कुछ कहती है। मैं शुरू से यही कहता आ रहा हूं। इसलिए, सभी को यह परम सत्य समझना चाहिए कि जब तक चुनाव आयोग वास्तव में स्वतंत्र नहीं हो जाता, जैसा कि उसे होना चाहिए, तब तक सत्ताधारी सरकार को जमीन पर नहीं लाया जा सकता; अन्यथा, यह लड़ाई कभी खत्म नहीं होगी। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले इस सवाल का जवाब देते हुए कि उनकी रैलियों में भारी भीड़ के बावजूद उन्हें सीटें क्यों नहीं मिलीं, ठाकरे ने कहा कि ईसीआई के भीतर से मिली अंदरूनी जानकारी इस बात का पक्का जवाब देती है कि 'वोट कौन और कैसे चुराता है।'

3,068 दुकानों की जांच, 248 लाइसेंस सस्पेंड...त्योहारों से पहले महाराष्ट्र FDA का मिलावट पर बड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने फेस्टिवल सीजन में खाने-पीने की चीजों में मिलावट रोकने के लिए नई व्यवस्था शुरू की है. विभाग ने पूरे साल होने वाले त्योहारों के लिए एक स्थायी आदेश जारी किया है. इसके साथ ही 'फेस्टिवल एनफोर्समेंट पोर्टल' भी लॉन्च किया गया है. विभाग का कहना है कि इसका मकसद मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों पर नजर रखना है. इस व्यवस्था से कार्रवाई को तेज, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने में मदद मिलेगी. FDA का कहना है कि त्योहारों के दौरान कुछ खाद्य पदार्थों की मांग अचानक काफी बढ़ जाती है. इनमें मोदक, पेड़ा, खोया, पनीर, घी, दूध, दही, खाद्य तेल और सूखे मेवे शामिल हैं. व्रत के दौरान भी भगर, साबूदाना और राजगिरा जैसी चीजों की मांग बढ़ जाती है. कम समय में मांग बढ़ने का फायदा उठाकर बाजार में मिलावटी और असुरक्षित सामान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है. इसी को देखते हुए FDA ने पूरे साल के सभी त्योहारों के लिए स्थायी व्यवस्था लागू की है. 'फेस्टिवल एनफोर्समेंट पोर्टल' पर मकर संक्रांति से लेकर क्रिसमस तक पूरे साल के त्योहारों की जानकारी उपलब्ध रहेगी. त्योहारों को तीन स्तरों में बांटा गया है. लेवल-1 में राज्य स्तर के त्योहार होंगे. लेवल-2 में क्षेत्रीय और लेवल-3 में स्थानीय त्योहार शामिल होंगे. फेस्टिवल के दौरान मंडल अब भंडारा, अन्नछत्र और महाप्रसाद जैसे सामुदायिक भोजन कार्यक्रमों की जानकारी ऑनलाइन दे सकेंगे. इसके लिए उन्हें FD कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी. आवेदन

मिलने के बाद अधिकारियों की तैनाती और मौके पर हुई जांच की स्थिति भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी. इस दौरान मंडलों को खाना बनाने की जगह, पीने के पानी, कच्चे सामान की गुणवत्ता, भोजन के भंडारण और कर्मचारियों की साफ-सफाई को लेकर जरूरी निर्देश दिए गए. 3,068 खाद्य प्रतिष्ठानों की हुई जांच FDA ने बताया कि 1 से 23 सितंबर के बीच पूरे महाराष्ट्र में 3,068 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया.

दाऊद इब्राहिम से टकराने वाले अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली ने मुंबई लालबगचा राजा के पंडाल में लगाई हाजिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारत के मोस्ट वांटेड भगोड़े दाऊद इब्राहिम से सीधी टक्कर लेने वाले अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली ने गुरुवार को लालबागचा राजा के दर्शन किए। अरुण गवली के लालबगचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचने पर भारी भीड़ उमड़ी। कभी हिंदू डॉन के तौर पर जाने गए अरुण गवली ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। गैंगस्टर से राजनेता का सफर पूरा करने वाले अरुण गवली की यह लंबे वक्त बाद सार्वजनिक उपस्थिति है। इससे पहले वह जनवरी में अपनी बेटियों के चुनाव प्रचार के लिए दिखे थे।

गणपति बप्पा से लिया आशीर्वाद

अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली ने कड़ी सुरक्षा के बीच गणपति उत्सव के दौरान बप्पा का आशीर्वाद लिया। गवली के आने पर भक्तों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जो उनकी एक झलक पाने के लिए पंडाल में इकट्ठा हुए थे। पूर्व गैंगस्टर अरुण गवली की मौजूदगी का पता चलने पर लोगों में उत्सुकता दिखी। बप्पा के भक्त कार्यक्रम स्थल के आसपास जमा हो गए। गवली लालबागचा राजा की विदाई से ठीक पहले जाकर दर्शन किए। अरुण गवली को सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा किया गया था। जनवरी 2026 में हुए बीएमसी चुनाव में उनकी दोनों बेटियों (गीता गवली और योगिता गवली) को हार का सामना करना पड़ा है। गीता गवली वार्ड संख्या 212 से चुनाव लड़ी थीं। उन्हें समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार अमरीन शहजाद अब्राहनी ने हराया था, जबकि योगिता गवली वार्ड संख्या 207 से चुनावी मैदान में उतरी थीं। योगिता को बीजेपी कैंडिडेट रोहिदास लोखंडे ने शिकस्त दी। परेल के लालबागचा राजा से गैंगस्टर अरुण गवली के गढ़ यानी दगड़ी चाल (बायकुला और चिंचपोकली एरिया) की सड़क मार्ग से दूरी लगभग 1.5 से 2.5 किलोमीटर है। लालबागचा राजा में अरुण गवली की मजबूत श्रद्धा रही है। अरुण गवली की उम्र वर्तमान में लगभग 71 साला है। अरुण गवली का दाऊद इब्राहिम से टकराव मुख्य रूप से 1980 के दशक के उत्तरार्ध और 1990 के दशक के शुरुआती दौर में हुआ था।

पालघर में नाश्ता कर रहे मजदूरों पर गिरी स्टोर रूम की दीवार, 3 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में एक बड़ा हादसा हुआ है. जहां नाश्ता कर रहे मजदूरों पर स्टोर रूम की दीवार गिर गई. इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई. हादसा सुबह करीब 10 बजे के आसपास का बताया जा रहा है. महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ. विक्रमगढ़ रोड स्थित टीना रबर कंपनी में स्टोर रूम की दीवार अचानक गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई. हादसा सुबह करीब 10 बजे के आसपास हुआ. जानकारी के अनुसार, कंपनी के कुछ मजदूर नाश्ता कर रहे थे. इसी दौरान उनके पास स्थित स्टोर रूम की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई. दीवार के मलबे में दबने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान केशव वालकू गुनगुणा (55), मीरा जानू गवली (60) और रंजना दिलीप कोंब (35) के रूप में हुई है. केशव गुनगुणा विक्रमगढ़ तालुका के मोहा गांव के रहने वाले थे, जबकि मीरा गवली वसूरी और रंजना कोंब पोशेरी की रहने वाली थीं. हादसे की सूचना मिलते ही वाडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. इस घटना के बाद पालघर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं पालघर के आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने बताया कि घटना के समय ये तीनों स्टोररूम में नाश्ता कर रहे थे. विवेकानंद ने आगे बताया कि

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं, आप्टी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रमोद पाटिल ने कहा कि दीवार शायद स्ट्रक्चरल ओवरलोड के कारण गिरी होगी, क्योंकि दीवार के ठीक साथ भारी बोरियों का ढेर लगा हुआ था.

स्मार्टफोन की जगह भेजा साबुन, कंज्यूमर कोर्ट ने ठोका Flipkart पर जुर्माना, ब्याज समेत रकम लौटाने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मोबाइल का ऑर्डर किया था। डिलीवरी मिली तो पैकेट में स्मार्टफोन के बजाय साबुन की टिकिया निकलीं। ग्राहक ने Flipkart से शिकायत की, लेकिन रिफंड नहीं मिला। मामला कंज्यूमर कमिशन पहुंचा। उपभोक्ता अदालत ने कंपनी को 'सेवा में कमी' और 'अनुचित व्यापार व्यवहार' का जिम्मेदार ठहराया।

कमीशन ने दिया आदेश

डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन-X (साउथ-II) ने Flipkart

Internet Pvt. Ltd. को 10,574 की खरीद रकम 7 प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ लौटाने का आदेश दिया है। इसके अलावा मानसिक परेशानी के लिए 5,000 और कानूनी खर्च के लिए भी 5,000 रुपये अलग से देने को कहा है। 18 सितंबर को पारित आदेश का पालन 60 दिन में करना होगा। ऐसा नहीं होने पर भुगतान तक ब्याज 8 प्रतिशत सालाना की दर से देना होगा। यह मामला मौसम मीना की शिकायत से जुड़ा है। उन्होंने 24 अक्टूबर 2021 को Flipkart ऐप के जरिए 10,574 रुपये में Realme Narzo 50 स्मार्टफोन ऑर्डर किया था। 25 अक्टूबर को डिलीवरी मिली।

फोन का पैकेट खोलने पर मिला साबुन पैकेट खोलने पर उसमें मोबाइल की जगह Lifebuoy साबुन की टिकिया मिली। शिकायतकर्ता ने Flipkart से कई बार संपर्क किया। ईमेल भेजे और अपना आधार कार्ड भी उपलब्ध कराया। आरोप है कि इसके बावजूद रिटर्न या रिफंड की प्रक्रिया नहीं की गई।

दिल्ली में 2 नाबालिग लड़कियों से रेप, दोनों मामलों में पड़ोसी ही निकले आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कालकाजी इलाके के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है. लड़की के मुताबिक, तीन आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसे और उसके दोस्त को बंदूक और चाकू दिखाकर धमकाया. दिल्ली में नाबालिग लड़कियों से रेप के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं. पहला मामला पश्चिम विहार इलाके का है, जहां 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 साल की छात्रा के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले शख्स ने कथित तौर पर रेप किया.सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को कॉल बच्ची की मां ने किया. इसके बाद बच्ची का स्टेटमेंट रिकॉर्ड करवाया गया. पुलिस ने पॉक्सो का केस दर्ज कर 24 साल के आरोपी को जेल भेज दिया. पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल भी कराया है. वहीं, दूसरा मामला रणहौला इलाके का है, जहां 16 साल की नाबालिग ने पड़ोस में रहने वाले संजय पर रेप का आरोप लगाया है. पेट में दर्द होने के बाद लड़की ने परिवार को जानकारी दी. मेडिकल जांच के दौरान उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई. पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. दिल्ली के कालकाजी के एक पार्क में गैंगरेप की शिकार हुई 17 साल की लड़की ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि तीन आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया था. उन्होंने बंदूक और चाकू दिखाकर उसे और उसके दोस्त को धमकाया, जिसके बाद तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ यौन हमला किया. इंडिया टुडे के पास मौजूद पुलिस को दिए बयान के मुताबिक, 21 सितंबर को घटना वाले दिन लड़की का जन्मदिन था. वह अपने दोस्त के साथ

कालकाजी मंदिर गई थी और बाद में उसी शाम इस्कॉन मंदिर जाने की योजना थी. लड़की के बयान के अनुसार, उसने अपनी बड़ी बहन को बताकर शाम करीब 5 बजे घर छोड़ा और करीब 5:45 बजे अपने दोस्त के साथ मंदिर पहुंची. पूजा करने के बाद दोनों ने कालकाजी मेट्रो स्टेशन के पास चिप्स और पानी की एक बोतल खरीदी. इसके बाद वे गेट नंबर 7 से आस्था कुंज पार्क में दाखिल हुए. लड़की ने कहा, मैं इस्कॉन मंदिर भी जाना चाहती थी.

नवी मुंबई में बड़ा हादसा, पारसिक हिल इलाके में पहाड़ी से सीधे रेलवे ट्रैक पर गिरी कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में पारसिक हिल पर एक अजीबोगरीब हादसा हुआ। एक कार पहाड़ी से सीधे नीचे गिर गई। इस घटना में युवा ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, रेलवे पुलिस समेत सभी के लिए इस दुर्घटना का सही कारण अभी तक एक रहस्य बना हुआ है। गनीमत रही कि जिस समय कार गिरी, उस समय कोई लोकल ट्रेन वहां से नहीं गुजर रही थी। वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना के कारण हार्बर लाइन पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं और प्रशासन फिलहाल सामान्य कामकाज बहाल करने की पूरी कोशिश कर रहा है। यह दुर्घटना नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में पारसिक हिल पर हुई, जहां एक कार पहाड़ी से सीधे रेलवे ट्रैक पर गिर गई। पहाड़ी के नीचे से एक रेलवे टनल गुजरती है और वहां से नियमित रूप से ट्रेनें गुजरती हैं। कार पहाड़ी से गिरकर टनल के निकास के ठीक आगे ट्रैक पर गिरी। खबरों के अनुसार, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। चूंकि कार सीधे ट्रैक पर गिरी, इसलिए रेलवे ट्रैफिक पर काफी असर पड़ा है और पनवेल-उरण रेलवे लाइन पर संचालन रोक दिया गया है। घटना की खबर मिलते ही रेलवे पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायल ड्राइवर को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जबकि ट्रैक से कार हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू किया गया। यह घटना गुरुवार (24 सितंबर) को दोपहर 3:00 बजे से 3:30 बजे के बीच हुई। कार को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बात का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि क्या गिरते समय वाहन वास्तव में ओवरहेड तार के संपर्क में आया था और क्या इससे तार को कोई नुकसान पहुंचा है। अधिकारी घटना के परिणामस्वरूप रेलवे ट्रैक को हुए किसी भी नुकसान की भी जांच करेंगे। प्रशासन ने फिलहाल मौके से कार हटा दी है। इसके बाद रेलवे ट्रैक और अन्य बुनियादी ढांचे की जांच की जाएगी, जिसके बाद रेल ट्रैफिक फिर से शुरू होने की संभावना है। अनुमान है कि अगर ओवरहेड तार को नुकसान पहुंचा है, तो मरम्मत में अतिरिक्त समय लग सकता है, जिससे ट्रैफिक पर काफी असर पड़ सकता है। प्रशासन सामान्य कामकाज बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है।

बीमा क्षेत्र की ग्रोथ में हिस्सेदारी का मौका, डीएसपी ने लॉन्च किया इंश्योरेंस

नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई और यह 28 सितंबर को बंद होगा

मुंबई ।

देश के तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्र की अपार संभावनाओं में निवेश करने की तलाश में जुटे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है।

डीएसपी म्युचुअल फंड ने डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ लॉन्च किया है, जो इस सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में पैसिव निवेश का विकल्प प्रदान करता है। यह ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) सीधे बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा, जिसका प्राथमिक लक्ष्य लंबी अवधि में निवेशकों के लिए पूंजी वृद्धि करना है। इस नए फंड ऑफर की सदस्यता 24 सितंबर को शुरू हुई थी और यह 28 सितंबर को बंद होगा।

इसके बाद निवेशक 7 अक्टूबर से इस स्कीम में दोबारा खरीद-बिक्री कर सकेंगे। निवेशक इस ईटीएफ में न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश की सुविधा है। इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और इसका एक्सपेंस रेशियो 0.30 फीसदी तक निर्धारित किया गया है। भारतीय बीमा क्षेत्र को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी वजह इसकी अपार विकास क्षमता है। वर्तमान में, भारत में जीडीपी में प्रीमियम का हिस्सा मात्र 3.7 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 7.30 फीसदी है, जो इस क्षेत्र में वृद्धि की व्यापक गुंजाइश को दर्शाता है। प्रति व्यक्ति बीमा पर खर्च वैश्विक स्तर से काफी कम है, और नॉन-लाइफ इंश्योरेंस सेगमेंट सालाना 14.5 फीसदी की दर से बढ़ने के बावजूद अभी भी बड़े पैमाने पर अनछुआ है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं जागरूकता बढ़ा रही हैं, वहीं व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर 0 फीसदी जीएसटी जैसी अनुकूल नीतियां इस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर रही हैं। डीएसपी बीएसई इंश्योरेंस ईटीएफ एक पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी अपनाएगा, जिसका अर्थ है कि यह बीएसई इंश्योरेंस इंडेक्स में शामिल शेयरों में उसी अनुपात में निवेश करेगा जिस अनुपात में वे इंडेक्स में हैं। फंड का मुख्य उद्देश्य ट्रैकिंग एरर को कम रखते हुए अपने बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है।

पीबी फिनटेक के शेयर 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

पॉलिसीबाजार की पैरेंट कंपनी पीबी फिनटेक के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। भारतीय बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा बीमा वितरण कमीशन और खर्च से जुड़े नियमों में व्यापक बदलाव के प्रस्ताव के बाद स्टॉक करीब 36 फीसदी टूटकर 18 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट ने निवेशकों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। आईआरडीएआई ने बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन स्ट्रक्चर पर सीमा लगाने का प्रस्ताव किया है। प्रस्तावित बदलावों में हेल्थ इंश्योरेंस में कमीशन को 15-20 फीसदी और टर्म लाइफ इंश्योरेंस में इसे 25 फीसदी तक सीमित करने की बात कही गई है।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि ये सीमाएं सीधे तौर पर पीबी फिनटेक के कारोबार की कमाई और मुनाफे पर नकारात्मक असर डालेंगी।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में 2025-26 सत्र के लिए अतिरिक्त तंबाकू बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश के तंबाकू किसानों को बड़ी राहत दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने 2025-26 के फसल सत्र के लिए फ्लू-क्योर वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू की बिक्री के नियमों में ढील दी है। अब पंजीकृत और गैर-पंजीकृत दोनों प्रकार के उत्पादक अपनी अतिरिक्त उपज को तंबाकू बोर्ड के अधिकृत नीलामी मंचों पर बेच सकेंगे।

फ्लू-क्योर तंबाकू वह होता है जिसे धातु के पाइपों के जरिए पहुंचाई गई गर्मी से विशेष, धुआं-मुक्त भट्टियों में सुखाया जाता है। यह निर्णय वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव नितिन कुमार यादव के नेतृत्व में एक दल द्वारा जुलाई में आंध्र प्रदेश के बाजार हालातों की समीक्षा के बाद लिया गया है। बीते 24 सितंबर को जारी अधिसूचना के अनुसार केंद्र ने तंबाकू बोर्ड अधिनियम के एक प्रावधान के क्रियान्वयन में ढील दी है, जिससे अनाधिकृत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया तंबाकू की बिक्री को भी अनुमति मिल गई है। यह कदम किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 315, निफ्टी 77 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था पर अंतिम कारोबारी दिन इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 315.20 अंक करीब 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,895.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 77.40 अंक तकरीब 0.34 फीसदी की तेजी दर्ज करते हुए 23,140.50 के स्तर पर बंद हुआ। यह बढ़त गुरुवार को हुई भारी बिकवाली के बाद बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा पूरी तरह से डगमगाया नहीं है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमुख शेयरों में से 20 शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि बाकी के 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर में एक्सिस बैंक सबसे आगे रहा, जिसमें 2.82 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। वहीं, ट्रेंट 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहा। निफ्टी के टॉप गेनर्स की बात करें तो एक्सिस बैंक (3.03फीसदी),

एशियन पेंट्स (2.14फीसदी), महिंद्रा एंड महिंद्रा (1.75फीसदी), बजाज फाइनेंस (1.52फीसदी) और पावरग्रिड (1.16फीसदी) ने निवेशकों को मुनाफा दिया।

दूसरी ओर, निफ्टी के टॉप लूजर्स में मैक्स हेल्थकेयर (3.06फीसदी), टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (1.54फीसदी), इन्फोसिस (1.41फीसदी), ओएनजीसी (1.31फीसदी) और ट्रेंट (1.14फीसदी) शामिल रहे, जिन्होंने गिरावट दर्ज की। शेयर बाजार में आई इस अप्रत्याशित गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.83 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू आयातकों, विशेषकर तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के चलते डॉलर सूचकांक में व्यापक मजबूती घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रही है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि मुद्रा बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हस्तक्षेप कर सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.92 पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार देखा गया और यह 95.85 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे टूटकर 95.99 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 101.28 पर था।

भारत का नया निवेश संधि मॉडल कैबिनेट मंजूरी के करीब

वित्त मंत्रालय ने कैबिनेट सचिवालय को भेजा मसौदा नोट

नई दिल्ली ।

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए मसौदा नोट कैबिनेट सचिवालय को भेज दिया है। यह संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2015 के मौजूदा मॉडल की जगह लेने वाले इस नए ढांचे में कुछ लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं। इनमें कर से संबंधित कोई प्रावधान शामिल नहीं होगा, ताकि भारत अपनी कराधान संप्रभुता पर कोई समझौता न करे। इसके साथ ही स्थानीय कानूनी प्रावधानों को भी बीआईटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे। नया मॉडल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। मौजूदा ढांचे में विदेशी निवेशकों के लिए संधि-आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है, जिसे अब और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने की मांग की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में भी मौजूदा मॉडल में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ नई संधियों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-अमेरिका ने रूस-ईरान प्रतिबंधों पर चर्चा की

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून पर भारत की चिंताएं दोहराईं

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका और भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के इतर उन देशों पर लगाए जा सकने वाले संभावित प्रतिबंधों पर गहन चर्चा की, जो रूस और ईरान से आर्थिक रूप से जुड़े हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो और जयशंकर ने पश्चिम एशिया और उससे आगे के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रुबियो ने जोर देकर कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में बेहतर स्थिति में है। जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून को लेकर भारत के हितों और चिंताओं को दोहराया। दोनों राजनयिकों ने सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका की भी पुष्टि की। जयशंकर ने एक्स पर इस मुलाकात को अच्छा बताया और खाड़ी तथा यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासभा के इतर कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं। उन्होंने भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की

बैठक में कैरेबियाई देशों के साथ आर्थिक, डिजिटल और आवागमन के क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कैरेबियाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन व वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का अनुरोध किया। एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में, भारत को प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) में रणनीतिक साझेदार श्रेणी में शामिल किया गया, जिसे जयशंकर ने इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और मजबूत करने वाला बताया।

आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन जारी

प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी की संशोधित बोलियां विचाराधीन

नई दिल्ली ।

सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने के लिए प्राप्त वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन कर रही है।

सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह विनिवेश प्रक्रिया स्थिर गति से आगे बढ़ रही है, जिसमें बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, अरबपति निवेशक प्रेम वत्स समर्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी ने जुलाई में आईडीबीआई बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी संशोधित बोलियां जमा की थीं। प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, दोनों बोलीदाताओं को गृह मंत्रालय (एमएचए) से सुरक्षा मंजूरी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से उपयुक्त एवं उचित (fit and proper) होने का मूल्यांकन पहले ही मिल चुका है। दोनों बोलीदाताओं के पास भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव है; एमिरेट्स एनबीडी ने इस साल की शुरुआत में आरबीएल बैंक में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की थी, जबकि फेयरफैक्स फाइनेंशियल के पास निजी क्षेत्र के सीएसबी बैंक में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह दूसरा मौका है जब इच्छुक

बोलीदाताओं ने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए वित्तीय बोलियां लगाई हैं। सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मिलकर यह हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

डाबर-सेसा केयर विलय को एनसीएलटी की हरी झंडी

आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड से डाबर का पोर्टफोलियो मजबूत होगा

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी प्रमुख डाबर इंडिया को अपने आयुर्वेदिक हेयर केयर ब्रांड 'सेसा केयर' के विलय के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से शुक्रवार को मंजूरी मिल गई। इस विलय से डाबर का मौजूदा हेयर केयर पोर्टफोलियो और मजबूत होगा, साथ ही वृद्धि के नए अवसरों का भी लाभ मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेसा केयर का एकीकरण डाबर की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है।

डाबर ने अक्टूबर 2024 में सेसा केयर में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद मई 2025 में इसके निदेशक मंडल ने पूर्ण विलय योजना को मंजूरी दी थी। कंपनी अधिनियम के तहत किसी भी विलय योजना के प्रभावी होने के लिए एनसीएलटी की मंजूरी अनिवार्य है।

डाबर के एक वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि सेसा केयर का एकीकरण हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करने और वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है। इस कदम से डाबर को बालों की देखभाल के क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आईआरडीएआई सुधारों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को होगा बड़ा वित्तीय लाभ

क्रेडिट-लाइफ कारोबार वाली कंपनियां रहेंगी फायदे में

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के लिए नए नियम प्रस्तावित किए हैं, जिससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को एक बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। सेंट्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें इन बदलावों से विशेष रूप से फ़ायदा होगा क्योंकि कमीशन दरों में भारी कमी आने की संभावना है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक आईआरडीएआई के प्रस्तावित नियम पूरे लाइफ इंश्योरेंस उद्योग में कमीशन के भुगतान को कम करेंगे और कंपनियों को खर्चों पर अधिक सख्ती से नियंत्रण करने में मदद करेंगे।

इससे लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा, खासकर उन कंपनियों को फायदा होगा जिनके एनुअलाइज़्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत तक की जा सकती हैं, जिससे इन कंपनियों को प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ मिलेगा। प्रस्तावित नियमों के तहत, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए एक्सपेंस ऑफ़ मैनेजमेंट की सीमा को वित्त वर्ष 28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया जाएगा, जिसे बाद में पांच वर्षों के भीतर 12.5 प्रतिशत तक घटाया जाएगा। सेंट्रम का अनुमान है कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियां अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं।

सरकार ने 27 सितंबर को सभी बैंक खुले रखने का किया ऐलान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे

नई दिल्ली।

बैंक संघों के संयुक्त मंच (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए हैं। वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 26 और 27 सितंबर के सप्ताहांत से जुड़ी इस हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों का कल्याण और सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील की है। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स ने उप मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष हुई सुलह बैठक में कोई नतीजा न निकलने के कारण हड़ताल का फैसला बरकरार रखा है। उनकी मुख्य मांगें पांच दिन की बैंकिंग समेत अन्य लंबित मुद्दे हैं। विशेष रूप से भारतीय स्टेट बैंक ने पुष्टि की है कि उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को खुली रहेंगी और सामान्य रूप से कामकाज करेंगी, ताकि ग्राहक अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

भारतीय टेक सेक्टर में निवेश 10.3 अरब डॉलर पहुंचा, बड़े सौदों पर बढ़ा जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने जनवरी-सितंबर 2026 की अवधि में कुल 10.3 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 7 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, आंकड़ा विश्लेषण मंच ट्रैक्सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान निवेश सौदों की संख्या में 38 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो अब बड़े आकार के, केंद्रित सौदों की ओर बदलते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में इसी अवधि में 9.7 अरब डॉलर और 2024 में 10 अरब डॉलर का निवेश आया था।

इस वर्ष सौदों की संख्या 1,838 से घटकर 1,134 रह गई। वैश्विक स्तर पर, 10.3 अरब डॉलर के निवेश के साथ भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वित्तपोषण प्राप्त करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश बना हुआ है, अमेरिका (444 अरब डॉलर) इस सूची में सबसे ऊपर है, जिसके बाद चीन, ब्रिटेन और सिंगापुर हैं।

निवेश के विभिन्न चरणों में, शुरुआती चरण का वित्तपोषण 27 प्रतिशत बढ़कर 4.2 अरब डॉलर और बाद के चरण का वित्तपोषण 4 प्रतिशत बढ़कर 5.4 अरब डॉलर हो गया।

वहीं, एकदम शुरुआती (सीड) चरण का वित्तपोषण 37 प्रतिशत घटकर 69.8 करोड़ डॉलर रह गया।

पहली बार वित्तपोषित होने वाली कंपनियों और सूनिकॉर्न (यूनिकॉर्न बनने की कगार पर) की संख्या में भी क्रमशः 30 फीसदी और 53 फीसदी की कमी आई।

जनवरी-सितंबर की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के 18 बड़े वित्तपोषण सौदे हुए, जिनमें नेक्स्ट्रा का 1 अरब डॉलर और नैसा का 60 करोड़ डॉलर का निवेश प्रमुख रहा।

क्षेत्रवार, उद्यम बुनियादी ढांचा निवेश लगभग पांच गुना बढ़कर 1.6 अरब डॉलर हुआ, जबकि उद्यम अनुप्रयोग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी क्रमशः 49 फीसदी और 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

भारत में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, 2025-26 में 94.53 अरब डॉलर

पीएलआई योजनाएं बनीं आर्थिक इंजन, लाखों रोजगार सृजित

नई दिल्ली ।

भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को घोषणा की कि इस अवधि में देश को 94.53 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एफडीआई प्राप्त हुआ, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक प्रवाह है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014-15 से 2025-26 तक कुल संचयी एफडीआई प्रवाह 843 अरब डॉलर रहा है। मंत्री गोयल ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं की सफलता पर भी प्रकाश डाला। 31 मार्च तक, इन योजनाओं के तहत 2.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हुआ, जबकि 23.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री और 15.2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया। इन योजनाओं ने 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार, दवा, चिकित्सा उपकरण, वाहन, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों को पीएलआई से उल्लेखनीय लाभ मिला है। मेक इन इंडिया अभियान की 12वीं वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पोस्ट में गोयल ने इन आंकड़ों को उत्साहजनक तस्वीर बताया। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत देश भर में नए औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित किए जा रहे हैं।

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

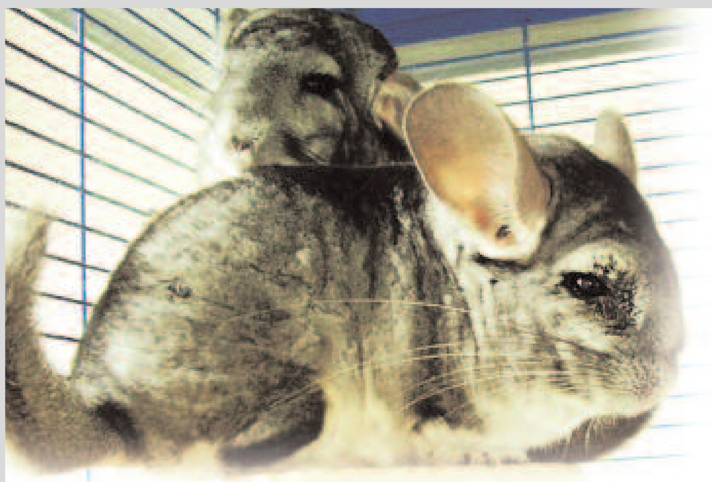

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

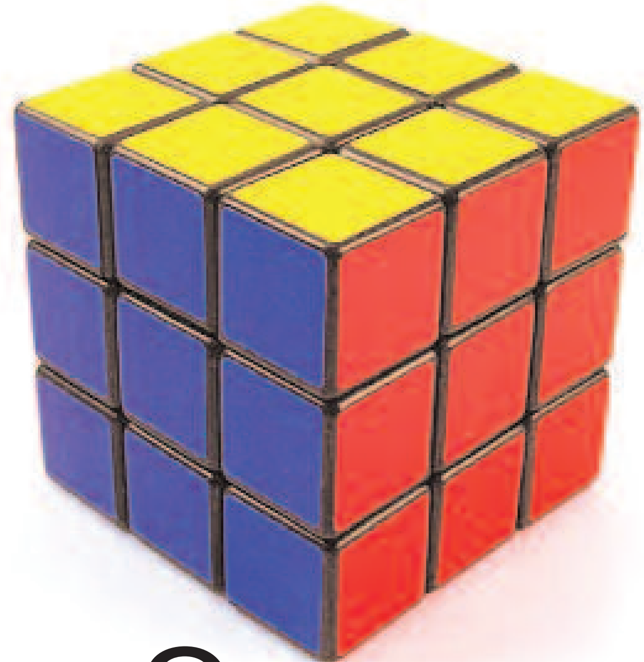

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता गोल्ड

नागोया, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज कमलजीत और सुरुचि सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धाओं में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जोरदार वापसी करते हुए एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हुए स्वर्ण पदक जीता।

कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल में कुल 484.6 अंक हासिल किए। दक्षिण कोरिया की सुह्योन होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने रजत पदक विजेता जोड़ी से 6.6 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले कमलजीत और सुरुचि ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था।

उन्होंने पहली सीरीज में 196 अंक, दूसरी में 195 और तीसरी में 196 अंक जुटाकर कुल 587 अंक हासिल किए, जिसमें 29 इनर-10 शामिल थे। यह 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का पदक जीतने का आखिरी मौका था। कमलजीत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में नौवें और सुरुचि 26वें स्थान पर रही थीं और दोनों व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं।

भारत पुरुष और महिला टीम स्पर्धाओं में भी पदक से चूक गया था। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। पहले 10 शॉट के बाद वे 202.4 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। सुरुचि ने पहली कोशिश में 10.4 और कमलजीत ने 9.7 अंक हासिल किए, जबकि दूसरी कोशिश में सुरुचि ने 10.2 और कमलजीत ने 9.8 अंक जुटाए। इसके बाद 101.3 अंक की अगली सीरीज के साथ भी भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

कमलजीत: इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया

कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया ।स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि: पहलवान की जगह शूटर बन गई

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94× का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95×) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87×) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सात्विक-चिराग उलटफेर का हुए शिकार एशियाड में नहीं कर सके स्वर्ण का बचाव

नागोया, एजेंसी। गत चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका स्वर्ण बचाने का अभियान निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया।

पिछड़ते चले गए सात्विक-चिराग

पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग सकारात्मक लय के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार प्वाइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

तनिशा-ध्रुव क्वार्टर फाइनल में

मिश्रित युगल में तनिशा क्रास्टो और ध्रुव कपिला ने लगातार दो जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तनिशा और ध्रुव ने पहले दौर में मालदीव की निबाल अहमद और अमिनाथ नबीहा अब्दुल रज्जाक को 21-8, 21-7 से हराया। इसके बाद उन्होंने मलयेशिया की शेवन जेनी लाई और सून हुआट गोह की जोड़ी को एक घंटे चले कड़े मुकाबले में 22-20, 24-22 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की यान झे फेंग और डोंगपिंग हुआंग की जोड़ी से होगा। इससे पहले महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की मी सोंग यू को 30 मिनट में 21-9, 21-10 से हराया।

2 एथलीट्स पर पैसों की बारिश; सीएम ने किया 50 लाख देने का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने एशियन गेम्स 2026 में मिक्स्ड 4 गुणा 400 मीटर रील में रजत पदक जीतने वाली टीम के दो एथलीट्स के लिए इनाम की घोषणा की है। गुरुवार को भारतीय टीम ने ऐतिहासिक रजत था। इस टीम में तमिलनाडु के थो एथलीट्स विथ्या रामराज और विशाल टी के के अलावा टीएस मनु और एमआर पोवम्मा शामिल थे। सीएम विजय ने विथ्या और विशाल को 50-50 लाख रुपये इनाम के तौर पर देने की घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी जी कमालिनी को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। विजय ने फाइनल में श्रीलंका पर भारत की 147 रन की जीत के बाद तमिलनाडु की रहने वाली कमालिनी को बधाई दी थी। ताजा घोषणा के साथ, एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे तमिलनाडु के दो अलग-अलग एथलीट समूहों को अब राज्य सरकार की ओर से नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पहला वनडे...

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दी करारी शिकस्त, 67 रन से हराया

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर

आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े। हेड 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कोनोली ने 38 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।टीम को 134 के स्कोर पर तीसरा झटका भी लग गया था, जिसके बाद मैट रेनशॉ ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए ऑस्ट्रेलिया को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। रेनशॉ 49 गेंदों में 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी खेमे से केशव महाराज ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि कार्बिन बॉश और ब्योर्न फोर्टुइन को 2-2 विकेट हाथ लगे।दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के शेष मुकाबले 27 और 30 सितंबर को खेले जाने हैं।

बड़ा उलटफेर: अफगानिस्तान को नेपाल ने 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम

भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एशियन गेम्स: मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली,

दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

थाईलैंड पर भारत की शानदार जीत, फाइनल में जगह बनाई

तोकाई। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट

लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले। भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने 12 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स लिए तथा एक ऑल आउट किया, जबकि नेपाल आखिरी 15 मिनट में सिर्फ पांच आउट पॉइंट्स और दो बोनस पॉइंट्स ही कर पाया। महिला कबड्डी टीम का फाइनल मुकाबला भी शनिवार को चीनी ताइपे या फिर ईरान से होगा।

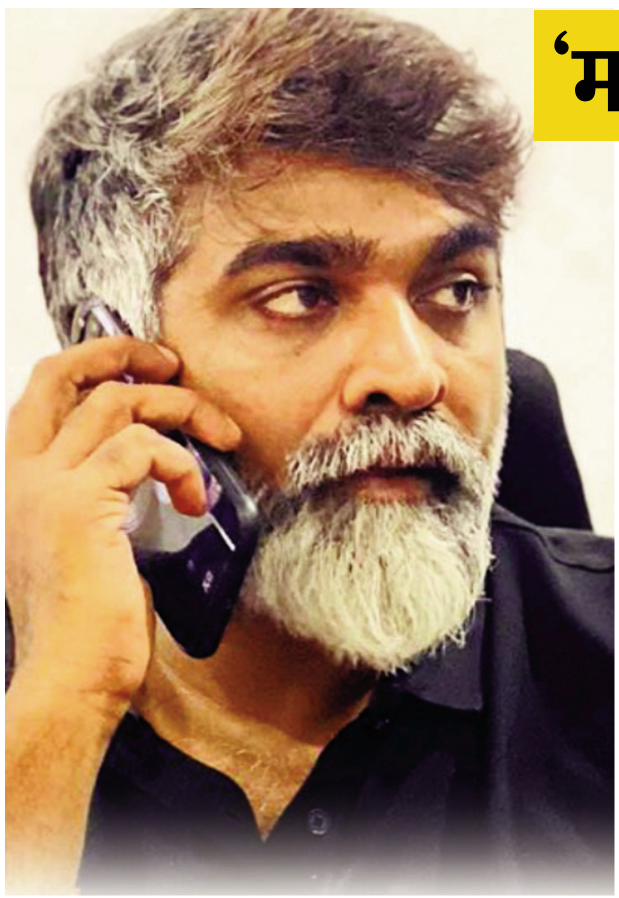

‘महाराजा 2’ पर काम चल रहा है, विजय सेतुपति ने किया कं

हॉलीवुड रीमेक में भी मुफ्त में काम करूंगा

साल 2024 में रिलीज विजय सेतुपति की ‘महाराजा’ आपको याद होगी। मूल रूप से तमिल में बनी यह नियो-नॉयर एक्शन थ्रिलर फिल्म, जहां बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी, वहीं ओटीटी पर रिलीज के बाद इसने दुनियाभर के दर्शकों को अपना कायल बना लिया। कहानी चेन्नई के एक नाई के बारे में थी, जो अपना चोरी हुआ कूड़ेदान वापस पाने के लिए पुलिस स्टेशन जाता है, लेकिन उसके इरादे कुछ और थे। विजय सेतुपति ने अब कंफर्म किया है कि ‘महाराजा 2’ पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर निथिलन स्वामीनाथन ने उन्हें सीक्वल की कहानी सुनाई है और उन्हें यह ‘बहुत खूबसूरत’ लगी। विजय का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही खबर आई कि हॉलीवुड में भी ओरिजनल ‘महाराजा’ का रीमेक बनने वाला है। ‘बत्था’ के ऑडियो लॉन्च पर विजय सेतुपति ने ‘महाराजा’ के हॉलीवुड रीमेक के बारे में भी बात की। कहा कि उन्होंने प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम से कहा था कि अगर उन्हें रोल दिया जाए, तो वह इसके अमेरिकन वर्जन में मुफ्त में काम करने के लिए तैयार हैं।

मुझे ‘महाराजा 2’ की कहानी सुनाई, यह बहुत खूबसूरत है

’सुपर डीलक्स’ के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुके 48 साल के एक्टर ने कहा, ‘निथिलन एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। उनकी राइटिंग सेंस बहुत अच्छी है। उन्होंने हाल ही में मुझे ‘महाराजा 2’ की कहानी सुनाई। यह बहुत खूबसूरत है। उनके साथ काम करना शानदार रहा। सीक्वल पर काम शुरुआती बातचीत से आगे बढ़ चुका है और पूरी कहानी तैयार है।’

हॉलीवुड रीमेक में काम करना चाहते हैं विजय सेतुपति

विजय सेतुपति ने इसके साथ ही हॉलीवुड में काम करने की इच्छा भी जाहिर की। कहा, ‘मेरी लंबे समय से हॉलीवुड में काम करने में दिलचस्पी थी और मुझे इस बात की खास खुशी है कि मेरी फिल्म को इंटरनेशनल दर्शकों के लिए अडैप्ट किया जा रहा है।’ इससे पहले प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने कहा था कि हॉलीवुड अडैप्टेशन को एक बड़े एक्टर के साथ डेवलप किया जा रहा है और अगले साल इसका प्रोडक्शन शुरू हो सकता है।

हॉलीवड वाली में मुफ्त में काम कर लूंगा

एक्टर ने आगे कहा, ‘मुझे सुंदरम ने हाल ही बताया कि एक एजेंसी ने हॉलीवुड रीं
अधिकार खरीद लिए हैं। मैंने उनसे
फिल्म में मुफ्त में काम करूंगा। मुझे
रीमेक में कोई रोल दिलाओ। मैं हॉलि

’महाराजा’ हॉलीवुड रीमेक मैथ्यू मैककोनाघी होंगी ली

हालांकि, चर्चा है कि ‘महाराजा’ के
में ऑस्कर जीत चुके एक्टर मैथ्यू मै
रोल निभा सकते हैं। हालांकि, सुंदर
कहा है कि कास्टिंग की पुष्टि सिर्फ
कर सकती है जो प्रोजेक्ट को संभाल
उन्होंने कहा, ‘हो सकता है कि मैथ्यू
उन स्टार्स में से एक हों जिनसे वे बा
लेकिन सिर्फ एजेंसी ही इसकी पुष्टि

20 करोड़ में बनी ‘महाराजा’ ने कमाए थे 190 क

साल 2024 में रिलीज ओरिजिनल ‘महाराजा’ को स्वामीनाथन ने डायरेक्ट किया था। फि
सेतुपति के साथ अनुराग कश्यप विलेन के रोल में थे। करीब 20 करोड़ के बजट में बनी
वर्ल्डवाइड 190 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था। विजय सेतुपति कहते हैं कि उन्हें फि
था, लेकिन उन्हें इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, ‘हमने कभी नहीं
‘महाराजा’ इतनी दूर तक जाएगी। फिल्म अच्छी थी, लेकिन कुछ लोगों को इस पर भ
मुझे भरोसा था, लेकिन ऐसी उम

किरदार ऐसा हो कि दर्शक मुझे नहीं, सिर्फ उसे याद रखें

स्त्री’ के जना से लेकर ‘मिर्जापुर’ के कंपाउंडर’ तक, अभिषेक बनर्जी ने अपने किरदारों को अलग पहचान दी है। ‘मिर्जापुर’ के फिल्मी रूपांतरण की सफलता के बाद अब ‘स्त्री 3’ को लेकर भी चर्चा है।

मिर्जापुर’ की वापसी को आप किस तरह देखते हैं?

बहुत अच्छा अनुभव है। मैं हमेशा सोचता हूं कि अगर जिंदगी में हर दो तीन साल में ऐसी सफलता मिलती रहे तो जिंदगी अच्छी ही रहेगी। 2024 में एक बड़ी बॉक्स ऑफिस सफलता मिली थी और अब 2026 में ‘मिर्जापुर’ के जरिए फिर लोगों का प्यार मिला है। मेरी कोशिश यही रहेगी कि आगे इन सफलताओं के बीच का गैप कम हो। एक कलाकार के लिए जरूरी है कि वह हर नए प्रोजेक्ट को ऐसे शुरू करे, जैसे वह उसकी पहली बड़ी चुनौती हो। ‘मिर्जापुर’ से दर्शकों का जुड़ाव बहुत गहरा रहा है।

’कंपाउंडर’ और ‘जना’ में आपको क्या समान लगा

दोनों बिलकुल अलग दुनिया के किरदार हैं, लेकिन एक चीज समान है दर्शकों ने उन्हें अपना लिया। मेरे लिए अभिनेता से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका किरदार होता है। जब लोग किरदार को याद रखने लगते हैं, उसके संवाद बोलने लगते हैं या उसके व्यवहार को अपनी बातचीत का हिस्सा बना लेते हैं, तो वह अलग तरह की सफलता होती है। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अगली बार दर्शक मुझे देखकर यह न कहें कि ‘ये वही पिछला किरदार कर रहा है।’ मैं चाहता हूं कि उन्हें लगे कि यह कोई बिल्कुल नया व्यक्ति है।

’स्त्री 3’ को लेकर दर्शकों में उत्सुकता है, क्या स्टेटस है?

जितना मुझे पता है, ‘स्त्री 3’ की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है और कहानी पर काम हो रहा है। अभी मेकर्स स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। एक बार ‘महावतार’ का काम पूरा हो जाए तो, मेरी जानकारी के मुताबिक, टीम ‘स्त्री 3’ पर तेजी से लग सकती है। हम तो यही उम्मीद कर रहे हैं कि जल्दी से जल्दी ‘स्त्री 3’ बने और उसके बाद ‘भेड़िया 2’ भी आए। लेकिन ‘महावतार’ भी बहुत बड़ी फिल्म है, इसलिए जाहिर तौर पर उसका अपना

गानों के जरिए कहानी कैसे आगे बढ़ती है, राजश्री में सीखा

अभिनेत्री शरवरी वाघ आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे मशहूर गाने ‘दीदी तेरा देवर दीवाना’ और ‘मैया यशोदा’ देखते हुए बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री ने सूरज बड़जात्या की आगाम फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ के टाइटल ट्रेक लॉन्च इवेंट में कहा कि निर्देशक के साथ काम करना और ऐसे गानों के पीछे की सोच को समझना एक खास अनुभवों में से एक था। शरवरी वाघ ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं। उन्होंने शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या के साथ अपनी बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। शरवरी ने कहा, ‘जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे ‘मैया यशोदा’ और ‘दीदी तेरा देवर दीवाना’ जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियां सुनाते थे और ये मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है।’
शरवरी ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन गानों के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी उनके साथ शेयर किए, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ‘सूरज सर ने मुझे कुछ अंदर की जानकारी दी और फिर मैंने उसे अप्लाई करने की कोशिश की है।’ एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। उन्होंने कहा, ‘मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि गाने कैसे फिल्म को आगे ले जाते हैं, कैसे वे कहानी को आगे ले जाते हैं और यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव था।’ बता दें कि ‘ये प्रेम मोल लिया’ में शरवरी वाघ, आयुष्मान खुराना और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

नोरा फतेही ने की ‘द रॉयल्स दूसरे सीजन की श

नोरा फतेही ने लोकप्रिय वेब सीरीज ‘द रॉयल्स’ के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। सीरीज में नोरा एक बार फिर आयशा धोंडी के किरदार में नजर आएंगी। शूटिंग शुरू होने के साथ ही उन्होंने अपने शूटिंग के अनुभव की कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के जरिए दर्शकों को सीरीज के नए सीजन की पहली झलक देखने को मिली है। नोरा के सेट पर लौटने के साथ ही सीरीज की

कहानी एक
परिवार और उससे
जिंदगी के इर्द-गि
नोरा इन दोनों अंत
भी सक्रिय हैं य
परिवार, कार
रिश्तों के बीच कई
चढ़ाव शुरू होते हैं
लगातार संगीत अ
मंच पर भी स
महीनों में उनके
सामने आए हैं। इ
‘लॉक्ड इन’ और ‘
जैसे ग

रोहित रॉय के ‘डस्टबिन मीडियम’ बयान से आशा नेगी असहमत, टीवी को बताया अपनी सफलता की वजह

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस आशा नेगी ने एक्टर रोहित रॉय के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने टीवी को ‘डस्टबिन मीडियम’ कहा था। आशा नेगी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि रोहित ने किस इरादे से ऐसा कहा या किस तरह की निराशा के चलते उन्होंने ऐसा बयान दिया। दरअसल, अभिनेता रोहित रॉय ने एक इंटरव्यू के दौरान छोटे पर्दे को ‘डस्टबिन मीडियम’ बताया था और कहा था कि फिल्म स्टार्स में एक अलग तरह का ‘स्टाइल और क्लास’ होता है जो टीवी एक्टर्स में नहीं होता। आशा नेगी ने बातचीत में कहा कि टीवी ने ही उन्हें पहचान दी है और आज वह जिस मुकाम पर हैं, वह टेलीविजन की वजह से ही है। मुझे नहीं पता कि इसके पीछे उनका इरादा क्या था। लोग किस दौर से गुजरते हैं, उन्हें किस तरह की निराशा हुई है, नहीं कर सकती। हां आज मैं जो कुछ भी हूं, वो टीवी की वजह से हूं, जिसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं।’
एक्ट्रेस आशा नेगी ने अंकिता लोखंडे और दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत स्टारर शो ‘पवित्र रिश्ता’ के जरिए पहचान बनाई थी। आशा ने कहा, ‘मेरे लिए तो टेलीविजन ने ही मुझे सब कुछ दिया है। टेलीविजन की वजह से ही मैं घर-घर में पहचानी गई और आज भी लोग मुझे ‘पवित्र रिश्ता’ में मेरे किरदार पूर्वी के नाम से बुलाते हैं।’
उन्होंने कहा कि वह टेलीविजन की आभारी हैं और जो कुछ उन्हें टीवी से मिला है, वह सिनेमा या ओटीटी कभी नहीं दे सकता। अभिनेत्री आशा नेगी इस समय लेटेस्ट हॉरर-कॉमेडी, एडवेंचर और मिस्ट्री वेब सीरीज ‘अली बाबा और 40 भूत’ में नजर आ रही हैं। शो में अली के रोल में आशा नेगी और बाबा के रोल में विशाल वशिष्ठ हैं। यह कहानी अलीशा (जिसे अली भी कहते हैं) नाम की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने लापता पुरातत्वविद् पिता की तलाश में अपने छोटे से गहनगर लौटती

जेलर 2 में विद्या बालन का कांता के रूप में नया दमदार अवतार

मुंबई रविवार को सन पिक्चर्स द्वारा जारी किए गए ‘जेलर 2’ के एक छोटे से झलक में अभिनेत्री विद्या बालन कांता के रूप में एक दमदार किरदार निभाती नजर आ रही हैं। इसी के साथ हाथों में सिगरेट और नीली साड़ी में नजर आ रहीं विद्या का यह दमदार और प्रभावशाली अंदाज देखते ही देखते चर्चा का विषय बन चुका है। अनिरुद्ध रविचंदर के बैकग्राउंड स्कोर के साथ जारी की गई इस झलक में कांथा सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए नजर आ रही हैं। उनका अंदाज, साड़ी का पल्लू संभालने का तरीका और हाथ में पकड़ी सिगरेट के साथ कश लेती विद्या बालन का यह अंदाज उनके मजबूत और बेबाक व्यक्तित्व को दर्शा रहा है। गौरतलब है कि नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बन रही ‘जेलर 2’ में रजनीकांत, टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार में नजर आनेवाले हैं। फिल्म में राम्या कृष्णन और योगी बाबू समेत कई पुराने कलाकारों के साथ सूरज वेंजारामूडु और एस.जे. सूर्या के साथ विद्या बालन भी फिल्म का हिस्सा हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित ‘जेलर 2’ दुनियाभर में 15 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। फिलहाल विद्या बालन के कांता के रूप में उनके परिचय के साथ ही फिल्म में उनके दमदार नए अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

जिस प्रभाकरन के गले में मौत का कैप्सूल था, उसी पर राजीव गांधी ने किया भरोसा; फिर उसी भरोसे ने भारत को श्रीलंका के खूनी युद्ध में धकेला

अशोका होटल के कमरे नंबर 518 से शुरू हुई कहानी, बुलेटप्रूफ जैकेट तक पहुंची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जुलाई 1987 की वह मुलाकात भारतीय राजनीति और श्रीलंका के इतिहास की सबसे विडंबनापूर्ण घटनाओं में गिनी जाती है। दिल्ली के अशोका होटल के कमरा नंबर 518 में ठहरा लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन अपने गले में साइनाइड कैप्सूल लटकाए प्रधानमंत्री राजीव गांधी से मिलने पहुंचा था। सुरक्षा अधिकारियों ने कैप्सूल उतारने को कहा, लेकिन प्रभाकरन ने साफ इनकार कर दिया। करीब 45 मिनट तक समझाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को उसे कैप्सूल के साथ ही प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति देनी पड़ी। दोनों के बीच दूरी बनाए रखने के लिए मेजें तक लगाई गईं। इसके बावजूद राजीव गांधी ने प्रभाकरन पर भरोसा किया। मुलाकात के बाद जब प्रभाकरन श्रीलंका लौटने लगा तो राजीव गांधी ने उसे अपनी बुलेटप्रूफ जैकेट तक दे दी और 'टेक केयर ऑफ योरसेल्फ' कहा। बाद में अधिकारियों ने जब उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए तो राजीव गांधी ने कथित तौर पर कहा कि प्रभाकरन ने उन्हें अपना वचन दिया है। यह प्रसंग एमआर नारायण स्वामी की पुस्तक से उद्धृत विवरणों में भी सामने आता है। लेकिन आगे घटनाक्रम पूरी तरह पलट गया। भारत और श्रीलंका के बीच 29 जुलाई 1987 को समझौता हुआ। इसका उद्देश्य श्रीलंका की एकता बनाए रखते हुए तमिलों को राजनीतिक अधिकार और सत्ता के विकेंद्रीकरण का रास्ता देना था। समझौते के तहत भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा गया। लिट्टे ने शुरुआत में हथियार डालने की बात कही, लेकिन बाद में समझौते के क्रियान्वयन को लेकर टकराव बढ़ गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के ऐतिहासिक दस्तावेज के अनुसार, लिट्टे ने अपने हथियारों का बड़ा हिस्सा नहीं सौंपा और अंततः भारतीय सेना से ही उसका संघर्ष शुरू हो गया। अक्टूबर 1987 में भारतीय सेना ने ऑपरेशन पवन शुरू किया यानी जिस संगठन को शांति प्रक्रिया

में शामिल करने के लिए भारत ने राजनीतिक और कूटनीतिक पहल की थी, वही कुछ ही समय बाद भारतीय सेना के सामने खड़ा था। भारतीय सेना को ऐसे संघर्ष में उतरना पड़ा, जिसके लिए उसे मूल रूप से शांति कायम करने के उद्देश्य से भेजा गया था। बाद के वर्षों में यह अभियान भारत के लिए भारी मानवीय और राजनीतिक कीमत वाला साबित हुआ। मार्च 1990 में भारतीय शांति सेना की आखिरी टुकड़ी श्रीलंका से वापस लौटी।

एक भरोसा... और बदल गया इतिहास!

- जिसे दोस्त समझा, वही बना दुश्मन!
- गले में साइनाइड कैप्सूल लेकर आया प्रभाकरन
- राजीव ने किया भरोसा, बुलेटप्रूफ जैकेट तक दी
- फिर लिट्टे ने हथियार डालने से किया इनकार
- भारतीय सेना और लिट्टे आमने-सामने

म्यांमार ड्रोन ट्रेनिंग केस में बड़ा मोड़, NIA के शिकंजे में आए 7 विदेशी अब लौटेंगे अपने देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। म्यांमार में जातीय सशस्त्र समूहों को कथित तौर पर ड्रोन युद्ध और सैन्य प्रशिक्षण देने के मामले में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैनडाइक समेत छह यूक्रेनी नागरिकों को दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत ने अपने-अपने देश जाने की अनुमति दे दी है। अदालत ने सातों को एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाकर परिवार से मिलने की इजाजत दी है। उन्हें निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा और तय अवधि के बाद भारत लौटकर जांच में सहयोग करना होगा। सातों विदेशी नागरिकों को एनआईए ने 13 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया था। छह यूक्रेनी नागरिकों में पेट्रो हुर्बा, तारास स्लिवियाक, इवान सुखमानोव्स्की, मारियन स्टेफानकिव, मैक्सिम होंचारुक और विक्टर कामिन्स्की शामिल हैं। अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक कोलकाता से गिरफ्तार किया गया था, जबकि तीन यूक्रेनी नागरिकों को लखनऊ और तीन को दिल्ली से पकड़ा गया था। जांच एजेंसी का आरोप था कि ये लोग म्यांमार स्थित जातीय सशस्त्र समूहों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल थे और ड्रोन संचालन, ड्रोन युद्ध, असेंबली तथा जामिंग तकनीक का प्रशिक्षण देने से जुड़े थे। एनआईए के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर मिजोरम के रास्ते बिना वैध दस्तावेजों के म्यांमार में प्रवेश किया था।

पीएम मोदी के साथ महिला की कथित डीपफेक फोटो पर हाईकोर्ट सख्त, मेटा को तुरंत हटाने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महिला की कथित फर्जी और आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने मेटा को संबंधित कथित डीपफेक तस्वीर और उससे जुड़े कंटेंट को तुरंत हटाने का निर्देश दिया। यह याचिका उसी महिला ने दायर की थी, जिसकी तस्वीर के साथ छेड़छाड़ किए जाने का आरोप है। मामले में अदालत ने पुलिस को महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान महिला की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मामले में पहले ही एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। हालांकि, उनका आरोप था कि जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित डीपफेक लिंक को तत्काल हटाने या ब्लॉक करने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। महिला की याचिका में आरोप लगाया गया है कि उसकी निजी तस्वीर का कथित तौर पर बिना अनुमति इस्तेमाल किया गया और एआई आधारित फेस-स्वैप तकनीक के जरिए उसका चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिखाई गई एक आपत्तिजनक तस्वीर पर लगाया गया। याचिका में ऐसे कथित फर्जी कंटेंट को सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से हटाने की मांग की गई थी। इन आरोपों की अभी न्यायिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में दिल्ली पुलिस ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की है।

वकालत की मोटी सैलरी छोड़ी, अब कुत्ते घुमाकर रोज कमाते हैं 50 हजार रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंदन। पैसा कमाने के लिए कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यूनाइटेड किंगडम के हेनरी एटनबोरो ने इस बात को अपनी जिंदगी में सच साबित किया है। कभी कॉर्पोरेट कानून फर्म में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी करने वाले हेनरी ने नौकरी छोड़कर पूर्णकालिक डॉग वॉकर यानी कुत्तों को घुमाने और उनकी देखभाल का काम शुरू किया। आज वे इसी काम से रोजाना करीब 50 हजार रुपये कमाने का दावा करते हैं। हेनरी लंदन की एक बड़ी कानून फर्म में काम करते थे, लेकिन उनकी नौकरी का लंबा कामकाजी समय उनके लिए परेशानी का कारण बन गया था। उन्हें रोजाना करीब 12 से 14 घंटे काम करना पड़ता था। दिन का ज्यादातर समय कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बीतता था। अच्छी सैलरी मिलने के बावजूद हेनरी को महसूस होने लगा कि उनके पास अपने लिए समय नहीं है और वे अपनी जिंदगी से खुश नहीं हैं। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी दिनचर्या और करियर को लेकर दोबारा सोचने का फैसला किया। हेनरी को पहले से ही जानवरों से काफी लगाव था। उन्हें कुत्तों के साथ समय बिताना, उनके साथ खेलना और उन्हें घुमाना पसंद था।

रेलवे और यूपी में 2,900 से ज्यादा पदों पर भर्ती, सरकारी नौकरी का मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/लखनऊ। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरीज (एनटीपीसी) अंडर ग्रेजुएट के 1,688 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती का शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी), लखनऊ ने पशुधन प्रसार अधिकारी के पदों पर भर्ती की घोषणा की है। दोनों भर्तियों के जरिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के लिए आवेदन का अवसर मिलेगा। आरआरबी एनटीपीसी भर्ती के तहत नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरीज के अंडर ग्रेजुएट स्तर के 1,688 पदों को भरा जाएगा। भर्ती का शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी होने के बाद उम्मीदवार आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी हासिल कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी रेलवे की आधिकारिक आवेदन वेबसाइट आरआरबीएप्लाई डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर भर्ती से संबंधित जानकारी देख सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आवेदन शुल्क, चयन प्रक्रिया और अन्य जरूरी शर्तों की जानकारी आधिकारिक अधिसूचना से जांचनी होगी। दूसरी ओर, यूपीएसएसएससी ने उत्तर प्रदेश के पशुपालन निदेशालय के तहत पशुधन प्रसार अधिकारी के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती में कुल 1,251 पद शामिल हैं। इनमें 1,248 पद सामान्य भर्ती के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि 3 पद विशेष चयन के तहत भरे जाएंगे। भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को आयोग की ओर से निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा। पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती में आवेदन की प्रक्रिया, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शुल्क और चयन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी आयोग की आधिकारिक अधिसूचना में दी जाएगी। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़ने की सलाह दी गई है। दोनों भर्तियों में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि का विशेष ध्यान रखना होगा। आवेदन पत्र भरते समय नाम, जन्मतिथि, शैक्षणिक योग्यता और अन्य विवरण सावधानी से दर्ज करने होंगे। किसी भी तरह की गलत या अधूरी जानकारी के कारण आवेदन निरस्त हो सकता है। उम्मीदवारों को आवेदन से पहले संबंधित आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नोटिफिकेशन जरूर देखना चाहिए।

तीन दिन बैंक हड़ताल से पहले एसबीआई का बड़ा फैसला, 28 से 30 सितंबर तक एटीएम से नकद निकासी पर नहीं लगेगा शुल्क

अक्टूबर में अलग-अलग राज्यों में कुल 16 दिन बैंक रहेंगे बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बैंक कर्मचारियों की प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल से पहले भारतीय स्टेट बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए राहत की घोषणा की है। 28 से 30 सितंबर तक बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम से नकद निकासी पर शुल्क नहीं लिया जाएगा। हड़ताल के कारण बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहने की संभावना है। बैंक कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन काम की व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। इस हड़ताल में देश की सात प्रमुख बैंक कर्मचारी और अधिकारी यूनियनें शामिल होंगी। इनमें अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ, अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ, राष्ट्रीय वाणिज्यिक बैंक कर्मचारी संगठन, अखिल भारतीय बैंक अधिकारी संघ, बैंक कर्मचारी महासंघ भारत, भारतीय राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी महासंघ और भारतीय राष्ट्रीय बैंक अधिकारी कांग्रेस शामिल हैं। इन संगठनों से बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी जुड़े हुए हैं। हड़ताल के कारण आम लोगों को नकद निकासी, चेक निपटान और बैंक शाखाओं से जुड़े अन्य जरूरी कामों में परेशानी हो सकती है। इसे देखते हुए 27 सितंबर, रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को खुले रखने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य हड़ताल शुरू होने से पहले ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर देना है। बैंक कर्मचारियों की पांच दिन काम और दो दिन अवकाश की मांग को लेकर सरकार और

कर्मचारी संगठनों के बीच मतभेद बना हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार का कहना है कि बैंकों में पांच दिन कामकाज की व्यवस्था लागू करने का कोई औपचारिक वादा नहीं किया गया था। वित्त मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह मांग कर्मचारी यूनियनों की ओर से उठाई गई थी और दोनों पक्षों के बीच इस पर सहमति नहीं बनी। इसके अलावा प्रदर्शनकारी संगठन प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन यानी पीएलआई की व्यवस्था को लेकर भी सरकार के रुख का विरोध कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, बड़े अधिकारियों के लिए प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त प्रोत्साहन की व्यवस्था को लेकर भी बैंक यूनियनों और सरकार के बीच मतभेद हैं। इस बीच अक्टूबर में भी बैंक ग्राहकों को छुट्टियों की जानकारी पहले से रखना जरूरी होगा। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टी सूची के अनुसार, अक्टूबर में अलग-अलग राज्यों और स्थानीय त्योहारों के आधार पर बैंक शाखाएं कुल 16 दिन बंद रहेंगी। इसमें रविवार और दूसरे शनिवार की नियमित छुट्टियां भी शामिल हैं। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। हालांकि, बैंक अवकाश राज्य और स्थानीय त्योहारों के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं, जबकि डिजिटल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं कई

बैंकों पर 3 दिन ताला!

- 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल
- एसबीआई एटीएम से नकद निकासी मुफ्त
- 7 बैंक यूनियनें मैदान में
- 27 सितंबर रविवार को बैंक खुले
- अक्टूबर में 16 दिन बैंक बंद

सिगरेट का हर कश फेफड़ों पर वार, 7 हजार से ज्यादा रसायन शरीर में पहुंचाते हैं जहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। फेफड़े हर दिन हजारों बार सांस लेकर शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचाते हैं, लेकिन सिगरेट का धुआं इसी जीवनदायी प्रक्रिया को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है। तंबाकू के धुएं में 7,000 से ज्यादा रसायन पाए जाते हैं, जिनमें कई जहरीले और कैंसर पैदा करने वाले तत्व शामिल हैं। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, सिगरेट पीना फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा जोखिम कारक है और धूम्रपान करने वालों में फेफड़ों के कैंसर का खतरा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में कई गुना अधिक होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, 'स्मोकर्स लंग्स' कोई आधिकारिक चिकित्सकीय शब्द नहीं है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल लंबे समय तक धूम्रपान से प्रभावित फेफड़ों के लिए किया जाता है। सिगरेट का धुआं सांस की नलियों और फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों तक पहुंचकर जलन, सूजन और अन्य नुकसान पैदा कर सकता है। धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड रक्त में ऑक्सीजन की जगह लेने लगता है, जबकि अन्य रसायन फेफड़ों की प्राकृतिक सफाई व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। धूम्रपान का नुकसान केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता। सिगरेट का धुआं शरीर के कई अंगों को प्रभावित करता है और कैंसर, हृदय रोग तथा स्ट्रोक सहित कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है। विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट करते हैं कि रोजाना केवल एक-दो सिगरेट पीना भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरे व्यक्ति के सिगरेट के धुएं के संपर्क में आने से भी स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। बच्चों में सांस से जुड़ी समस्याएं और अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जबकि वयस्कों में हृदय रोग और फेफड़ों के कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि अच्छी खबर यह है कि धूम्रपान छोड़ने के बाद शरीर में सुधार की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। समय के साथ फेफड़ों की कार्यक्षमता और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों में सुधार हो सकता है। लेकिन लंबे समय तक धूम्रपान से फेफड़ों में हुआ कुछ नुकसान स्थायी भी हो सकता है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार जितनी जल्दी धूम्रपान छोड़ा जाए, उतना बेहतर है।

स्कूल की छुट्टी के बाद छात्र पर लोहे की रॉड से हमला, हाथ में फ्रैक्चर; बाइक भी तोड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहर के एक नामी निजी स्कूल के बाहर अलग-अलग कक्षाओं के छात्रों के बीच चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रहे 11वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र पर कुछ छात्रों ने लोहे की रॉड और डंडे से हमला कर दिया। हमले में छात्र के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। आरोप है कि मारपीट के बाद उसकी बाइक को भी रॉड और डंडे से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घायल छात्र का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और चिकित्सकों ने ऑपरेशन की सलाह दी है। मामले में अशोक नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हेड कॉन्स्टेबल महिपाल के अनुसार ब्रह्मपुरी निवासी 16 वर्षीय छात्र शहर के एक नामी निजी स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता है। पीड़ित छात्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11वीं और 9वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह बाइक लेकर घर जाने के लिए निकला था। आरोप है कि स्कूल गेट के पीछे 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने उसे जबरन रोक लिया। इसके बाद घायल छात्र को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। एक्स-रे जांच में हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

एशियन गेम्स में भारत का दमदार प्रदर्शन, छठे दिन 6 पदक; पोल वॉल्ट में पहली बार कांस्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागोया। जापान के नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के छठे दिन भारत के खाते में कुल 6 पदक आए। इनमें दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। भारत ने एथलेटिक्स, निशानेबाजी और टेबल टेनिस में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। खास बात यह रही कि बरानिका एलांगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एशियन गेम्स में इस स्पर्धा में भारत को पहली बार पदक दिलाया। बरानिका ने 4.15 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ भारत ने पोल वॉल्ट में एशियाई स्तर पर नया अध्याय जोड़ा। एथलेटिक्स में ही गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। गुलवीर ने 28 मिनट 29.38 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान

10 मी. पिस्टल मिक्स्ड इवेंट : गोल्ड

हासिल किया। निशानेबाजी में सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का दूसरा स्वर्ण दिलाया। यह मौजूदा एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 484.6 अंक हासिल किए और दक्षिण कोरिया की जोड़ी के 478.0 अंक से 6.6 अंक आगे रही। ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। भारत को इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। निशानेबाजी में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है और अब तक इस खेल में भारत के खाते में 10 पदक आ चुके हैं, जिनमें 5 रजत और 4 कांस्य पदक भी शामिल हैं। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने 1762 अंक के साथ रजत पदक जीता। चीन ने 1766 अंक के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1751 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत के लिए मनप्रीत कौर ने शॉटपुट में कांस्य पदक जीता, जबकि मनुश शाह और दिया चितले की जोड़ी ने टेबल टेनिस मिश्रित युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक जीतने वाली जोड़ी की कहानी भी खास है। हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के रहने वाले कमलजीत पहले एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे, लेकिन 2019 में चोट के बाद उन्हें यह खेल छोड़ना पड़ा।

वेलकम' के बल्लू से लेकर 'आशिकी' के रफू मास्टर तक, अभिनेता मुश्ताक खान का निधन

'बल्लू' की हंसी अब पर्दे पर सुनाई नहीं देगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। हिंदी सिनेमा के जाने-माने चरित्र और हास्य अभिनेता मुश्ताक खान का गुरुवार को निधन हो गया। लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे मुश्ताक खान ने मुंबई में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद उनकी नमाज-ए-जनाजा अदा की गई और यारी रोड कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मुश्ताक खान की पहचान हिंदी फिल्मों में अपने अलग अंदाज के हास्य और सहायक किरदारों के लिए रही। 'वेलकम', 'आशिकी', 'हेरा फेरी', 'गदर: एक प्रेम कथा', 'मुझसे शादी करोगी', 'जोड़ी नंबर 1' और

'राउडी राठौर' जैसी फिल्मों में उन्होंने यादगार भूमिकाएं निभाईं। 2007 में आई 'वेलकम' में मजनू भाई के साथी बल्लू का किरदार उनकी सबसे चर्चित भूमिकाओं में शामिल रहा। फिल्म में उनका संवाद 'मेरी एक टांग नकली है...' दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय हुआ। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में जन्मे मुश्ताक खान ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। 1980 में 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद चार दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने बड़ी संख्या में फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया। 'आशिकी' में रफू मास्टर और 'हम हैं राही प्यार के' में भगवती प्रसाद मिश्रा के किरदार ने भी उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई मुश्ताक खान ने फिल्मों के साथ टेलीविजन पर भी काम किया। 'अदालत', 'चाचा चौधरी', 'टेढ़े-मेढ़े सपने' और 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' जैसे धारावाहिकों में वे नजर आए। हाल के वर्षों में भी उनका अभिनय जारी रहा और वे 'जाट', 'उदयपुर फाइल्स' तथा अन्य फिल्मों में दिखाई दिए। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद सनी देओल, अनुपम खेर और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों ने शोक व्यक्त किया। अभिनेता राजपाल यादव ने भी उनके निधन पर दुख जताया।

एक दिन में सोने के भाव में 1,328 रुपए की तेजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में 25 सितंबर को एक बार फिर तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 10 ग्राम पर 1,328 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए हो गई। इसी तरह चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी हुई और एक किलोग्राम चांदी 4,102 रुपए महंगी होकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई। सोने की कीमतों में इस साल लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। चीन और भारत समेत दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद कर रहे हैं। इसके अलावा त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ घरेलू बाजार में भी सोने की मांग बढ़ने लगी है। बाजार विशेषज्ञ अजय केडिया के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतों में आगे भी उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 1.33 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.52 लाख रुपए हो चुकी है। यानी वर्ष 2026 में अब तक सोने की कीमत में करीब 19 हजार रुपए की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो अब 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने और चांदी दोनों ने ऊंचे स्तर भी देखे हैं। 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी की कीमत 3.86 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंची थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक, अगर तेजी का रुझान बना रहा तो साल के अंत तक सोना 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 3 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। हालांकि, ये बाजार अनुमान हैं और वास्तविक कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, मांग, डॉलर और अन्य कारकों के आधार पर बदल सकती हैं।

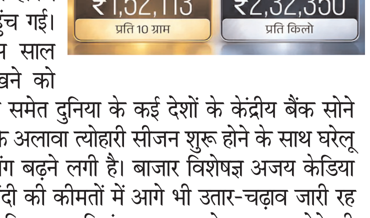

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.